नई दिल्ली

रविवार, 18 मई 2025

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष, षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 33

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 43

न्यून. 31

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

आईपीएल में आज

पंजाब v/s राजस्थान
समय : 3.30 PM
स्थान : जयपुर

दिल्ली v/s गुजरात
समय : 7.30 PM
स्थान : दिल्ली

भारत के साथ गद्दारी करने पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के लिए जासूसी के आरोप में महिला यूट्यूबर ज्योति गिरफ्तार

तीन बार पाकिस्तान जा चुकी थी ज्योति, वहां के इंटेलीजेंस अफसरों से भी मिली थी, पहुंचाती थी देश विरोधी सूचनाएं

एजेंसी ▸▸ चंडीगढ़

हिसार पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह लोग हरियाणा के कैथल, हिसार, नूह और पानीपत के साथ ही पंजाब के मलेरकोटला से पकड़े गए हैं। इन लोगों पर भारत की गोपनीय सैन्य जानकारियां पाकिस्तान को भेजने का आरोप है। इसमें यूटयूबर ज्योति मल्होत्रा तथा उसके पांच साथी शामिल हैं। ज्योति को हिसार के न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया है। ज्योति ट्रैवल विद जो नाम से अपना यू ट्यूब चैनल चलाती है।

लाहौर के अनारकली मार्केट में स्ट्रीट फूड का स्वाद चखती ज्योति

ज्योति हरियाणा और पंजाब में सक्रिय एक बड़े जासूसी नेटवर्क का हिस्सा थी

ज्योति पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3, 4 और 5 के तहत आरोप लगाए गए हैं

राणा शहबाज और शाकिर से मिली ज्योति और शाकिर का मोबाइल नंबर जट रंधावा के नाम से सेव कर लिया

वॉट्सएप, स्नैप चैट, टेलीग्राम के माध्यम से पाकिस्तान के लोगों के संपर्क में रहने लगी

ज्योति ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष 2023 में वीजा लगवाने के लिए पाकिस्तान हाई कमीशन में गई थी। वहां उसकी मुलाकात अहसान उर रहीम उर्फ दानिश से हुई। उसने दानिश का मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों की बातें होने लगी। उसके बाद उसने दो बार पाकिस्तान की यात्रा की थी। ज्योति ने बताया कि पाकिस्तान में अहसान उर रहीम के कहने पर उनके जानकार अली अहवान से मिली। अली अहवान ने उसके घूमने फिरने और रहने का प्रबंध किया। अली अहवान ने पाकिस्तानी इंटेलीजेंस तथा सिक्योरिटी के अधिकारियों से उसकी मुलाकात कराई। ज्योति ने बताया कि वह राणा शहबाज और शाकिर से भी मिली। उसने शाकिर का मोबाइल नंबर भी लिया और अपने मोबाइल में जट रंधावा के नाम से सेव कर लिया ताकि किसी को शक न हो। वापस भारत आने के बाद वॉट्सएप, स्नैप चैट, टेलीग्राम के माध्यम से उन लोगों के संपर्क में रहने लगी। देश विरोधी ▸▸ शेष पेज 5 पर

पाक की छवि को चमकाने की दी थी जिम्मेदारी

ज्योति को ये जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान की सकारात्मक छवि दुनिया के सामने पेश करे। उसके बाद उसी वीडियो का इस्तेमाल कर पाकिस्तान भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। जांच अधिकारियों का कहना है कि उसने एक पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी के साथ अंतरंग संबंध भी बनाए और उसके साथ इंडोनेशिया के बाली घूमने भी गई थी। पीएचसी हैंडलर दानिश के दिल्ली में रहने के दौरान, वह उसके साथ बातचीत कर जानकारी देती रहती थी।

खबर संक्षेप

बैंक का सर्वर हैक कर साढ़े 11 करोड़ उड़ाए

शिमला। जालसाजों ने हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक का सर्वर हैक कर 11.55 करोड़ रुपए उड़ा लिए।

जालसाजों ने सर्वर हैक करने के लिए एक ग्राहक के मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह पैसा 20 खातों में स्थानांतरित किया गया। यह 14 मई को सामने आया, जब बैंक अधिकारियों को रिपोर्ट मिली। बैंक अधिकारियों ने कहा कि शिमला सदर पुलिस स्टेशन में तुरंत शिकायत दर्ज की गई।

भारतीय शेयर बाजार में आया सबसे बड़ा निवेश

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी जोरदार ढंग से हुई है। शुक्रवार को

फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर्स (एफपीआई) ने 8,831.1 करोड़ का निवेश किया, जो कि 27 मार्च के बाद अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। इससे पहले गुरुवार को भी एफपीआई ने 5,746.5 करोड़ शेयर बाजार में डाले थे। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लि. के अनुसार, मई महीने में अब तक एफपीआई कुल 18,620 करोड़ निवेश कर चुके हैं।

एक करोड़ दस लाख के सोने के 10 बिस्कुट जब्त

कोलकाता। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश से भारत में 1.1 करोड़

रुपए मूल्य के सोने के 10 बिस्कुट की कथित तस्करी के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। हकीमपुर उत्तरपारा गांव के पास दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां देखकर बीएसएफ जवानों ने उन्हें रोका और तलाशी लेने पर उनके पास से 1.167 किलो वजन के दस सोने के बिस्कुट बरामद हुए। अलग अभियान में जवानों ने 41 किलोग्राम गांजा भी जब्त किया।

मई के अंत में यूएनएससी सहित अन्य सहयोगी देशों की यात्रा पर निकलेंगे सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

7 राजनीतिक दिग्गजों की अगुवाई में दुनिया में गूंजेगी भारत की आतंकवाद पर 'जीरो टालरेंस' की नीति

थरूर के नेतृत्व में अमेरिका, प्रसाद के नेतृत्व में मध्य पूर्व के देश और सुले के नेतृत्व में ओमान, केन्या और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की यात्रा पर जाएंगे प्रतिनिधिमंडल

मामले पर भाजपा और कांग्रेस में ठनी

शशि थरूर

रविशंकर प्रसाद

सुप्रिया सुले

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पिछले महीने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले और उसके जवाब में आतंकवाद को 'कतई बर्दाश्त न करने यानी जीरो टालरेंस' की भारत की नीति के बारे में दुनियाभर के देश भी अब भलीभांति परिचित हो जाएंगे। इसके लिए संसदीय कार्य मंत्रालय ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर इस महीने के अंत में सात राजनीतिक दिग्गजों की अगुवाई में 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों के साथ ही अन्य प्रमुख साझेदार देशों की यात्रा पर भेजने की घोषणा की है।

यह प्रतिनिधिमंडल सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की राष्ट्रीय सहमति और मजबूत दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेंगे। इसके अलावा यह दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णु बनाने के मजबूत संदेश को भी आगे बढ़ाएंगे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सरकार के इस बयान को एक्स पर भी साझा किया। ▸▸ शेष पेज 5 पर

इन 7 दिग्गजों के हाथों में होगी कमान

मंत्रालय ने बताया कि सात प्रतिनिधिमंडलों में से 4 का नेतृत्व सत्तारूढ़ दल के नेता व सांसद करेंगे। जबकि तीन की अगुवाई विपक्षी नेता करेंगे। साथ ही इनमें संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक भी शामिल होंगे। सत्तारूढ़ दल के जिन नेताओं को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनमें वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद और वरिष्ठ सांसद बैजयंत पांडा मुख्य हैं। इनके अलावा जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से संजय कुमार झा और शिवसेना (शिंदे) से श्रीकांत एकनाथ शिंदे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। जबकि विपक्षी दलों में कांग्रेस से पूर्व विदेश राज्य मंत्री और वरिष्ठ सांसद शशि थरूर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) से सुप्रिया सुले और द्रमुक मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) से कनिमोझी तीन अलग-अलग राजनीतिक प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करेंगे। प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में लगभग 6 से 7 सांसद होंगे। जो कि चार से पांच देशों का दौरा करेंगे।

इन देशों की करेंगे यात्रा

सूत्रों ने बताया कि सात में से कांग्रेस नेता शशि थरूर की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल के अमेरिका जाने की संभावना है। जबकि भाजपा नेता और पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल मध्य पूर्व के देशों जैसे सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन के अलावा अफ्रीकी महाद्वीप के देश अल्जीरिया का दौरा करेगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल ओमान, केन्या दक्षिण अफ्रीका और मिस्र की यात्रा करेगा। एआईएमआईएम के नेता और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वो सरकार की इस पहल के तहत भाजपा नेता बैजयंत पांडा की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। वहीं, जेडीयू के संजय कुमार झा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और इंडोनेशिया की यात्रा कर सकता है। झा के प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विदेश मंत्री और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद का नाम शामिल किया गया है।

इन सांसदों की भी होगी भागीदारी

सात प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा बनने वाले पक्ष और विपक्ष के सांसदों में अनुराग सिंह ठाकुर, अपराजिता सारंगी, मनीष तिवारी, असदुद्दीन ओवैसी, अमर सिंह, राजीव प्रताप रूडी, समिक भट्टाचार्य, बृजलाल, सरफराज अहमद, प्रियंका चतुर्वेदी, विक्रमजीत साहनी, सस्मित पात्रा और भुवनेश्वर कालिता का नाम भी शामिल है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सरकार की इस पहल में शामिल होने से इंकार किया है। उनकी पार्टी (टीएमसी) की तरफ से फिलहाल केंद्र की इस कवायद में शामिल होने के लिए किसी अन्य नेता का नाम नहीं भेजा गया है।

थरूर, सुप्रिया और कनिमोझी ने जताया आभार

कांग्रेस नेता शशि थरूर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) सुप्रिया सुले और द्रमुक की कनिमोझी सरकार की इस मुहिम में उसे पूरा समर्थन देने का ऐलान किया है। तीनों नेताओं ने अपने चयन के लिए एक्स पोस्ट के जरिए सरकार के प्रति धन्यवाद सहित आभार व्यक्त किया है। थरूर ने एक्स पर लिखा, मैं हाल ही घटनाओं पर भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए पांच प्रमुख राजधानियों में से एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने हेतु सरकार के निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जब बात राष्ट्रीय हित ही होगी और मेरी सेवाओं की आवश्यकता होगी। तो मैं पीछे नहीं रहूंगा। जय हिन्द। सुप्रिया सुले ने अपनी पोस्ट में वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने को सम्मान की बात कहा। उन्होंने पीएम मोदी, केंद्रीय मंत्री रिजिजू और विदेश मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, द्रमुक की कनिमोझी ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय पर भारत का प्रतिनिधित्व करने तथा एक प्रतिनिधित्व करने पर मुझे गर्व है। द्रमुक सदैव राष्ट्र की अखंडता और संविधान में निहित मूल्यों के पक्ष में खड़ी रही है। जब राष्ट्र हित की बात आती है तो हम एकजुट होकर खड़े होते हैं।

कहा, दुनिया प्रेम की भाषा तभी सुनती और समझती है, जब आपके पास शक्ति होती है

अगर कोई दुस्साहस करता है, तो भारत उसे सबक सिखाने की ताकत रखता है: भागवत

पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए बोले आरएसएस प्रमुख

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा हाल ही में किए गए हमलों का जिक्र करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है। भारत किसी से दुश्मनी नहीं रखता, लेकिन अगर कोई दुस्साहस करता है, तो भारत उसे सबक सिखाने की ताकत रखता है, ये ताकत भारत में होनी चाहिए। भारत वो काम करता है जो दुनिया में बने रहने के लिए जरूरी है। उन्होंने जयपुर के हरमारा स्थित रविनाथ आश्रम में आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए ये विचार व्यक्त किये। ▸▸ शेष पेज 5 पर

महापुरुषों ने समाज के लिए अपना सर्वस्व बलिदान किया

भारत दुनिया के सबसे पुराने देशों में से एक है और इसकी भूमिका बड़े भाई की है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो दुनिया में शांति, सद्भाव और धर्म को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा हाल ही में किए गए हमलों का जिक्र करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है। भागवत ने कहा कि भारत में त्याग की परंपरा रही है। हम भगवान राम से लेकर भामाशाह तक सभी महापुरुषों की पूजा करते हैं जिन्होंने समाज के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शांति और धर्म का संदेश देने के लिए भी शक्तिशाली होना जरूरी है। भागवत ने कहा कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा, बढ़ना चाहिए।

मैं स्वयं रविदास जी का भक्त

भागवत ने आश्रम आने के पीछे की वजह बताते हुए कहा, लोगों के मन में सवाल हो सकता है कि मैं रविनाथ आश्रम क्यों आया? इसका उत्तर है कि मैं रविदास जी का भक्त हूं, उन्हीं के कारण यहां आया हूं। आश्रम में उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्हें केसरिया साफा पहनाकर, श्रीफल और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत भजन भी गाए गए। संघ प्रमुख भागवत ने संतों की भूमिका को भी सराहा। उन्होंने कहा कि संत जहां भी हों, वहां जाओ। बच्चों को संस्कार दो कि वे संतों के सान्निध्य में जाएं। हम महात्माओं के पास से रिचार्ज होकर जाते हैं। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, संघ के प्रचारक, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में साधु-संत मौजूद रहे।

मामले पर विदेश मंत्री के वीडियो बयान पर मचे राजनीतिक बवाल के बीच विदेश मंत्रालय की सफाई

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत से पहले पाकिस्तान को नहीं दी कोई जानकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े एक वीडियो के सामने आने के बाद देश में मचे राजनीतिक घमासान के बीच शनिवार को विदेश मंत्रालय के बाहरी प्रचार (एक्सपी) विभाग ने सफाई दी है। जिसमें बताया गया कि विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने सैन्य अभियान को लेकर पाकिस्तान को शुरुआत में ही चेतावनी दी थी। जो कि साफ तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के शुरुआती चरण में थी। इसे गलत तरीके से ऑपरेशन शुरू होने से पहले की चेतावनी के तौर पर पेश किया जा रहा है। तथ्यों की पूरी तरह से गलत व्याख्या की गई है। जिसकी निंदा की जाती है।

शुरुआत में पाक को बताना एक अपराध: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 17 मई को यह दावा किया कि सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में ही पाकिस्तान को इस बारे में सूचित कर दिया था। जो कि एक अपराध है। उन्होंने इसे लेकर विदेश मंत्री के एक बयान का वीडियो एक्स पर साझा किया और कहा कि सरकार ने यह स्वीकार किया है कि उसने हवाई हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। इस बात को खुद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है। कांग्रेस नेता ने मामले पर सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि इसे किसने मंजूर किया? इसके चलते हमारी वायुसेना ने कितने विमान खोए?।

जयशंकर का बयान

एक वीडियो में विदेश मंत्री यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि हमने ऑपरेशन की शुरुआत में पाकिस्तान को एक संदेश भेजा था। जिसमें कहा गया था कि हम सेना पर नहीं बल्कि आतंकवादी ढांचों पर हमला कर रहे हैं। इसलिए पाकिस्तानी सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने यानी कुछ न करने का विकल्प है। लेकिन उन्होंने अच्छी सलाह नहीं लेने का निर्णय लिया।

पीआईबी फैक्ट चेक ने सामने ला दी सच्चाई

इन सबके बीच केंद्र सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने फैक्ट चेक के जरिए मामले में सच्चाई सबके सामने ला दी है। उन्होंने एक एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत से पहले पाकिस्तान को सूचित करने जैसा कोई बयान नहीं दिया है। उन्हें और उनकी कही हुई बात को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

किशोर की हत्या में दो संदिग्धों को लिया गया हिरासत में

नई दिल्ली। सीलमपुर इलाके के एक पार्क में गुरुवार देर रात 16 वर्षीय किशोर की हत्या करने के आरोप में एक नाबालिग समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। रात करीब साढ़े 11 बजे पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान सीलमपुर के सेंट्रल पार्क में पहुंची थी, जहां खून से लथपथ एक किशोर का शव पड़ा था। मृतक की पहचान रेहान उर्फ सीलमपुरिया के रूप में हुई थी। पुलिस ने तुरंत स्थानीय थाने को सूचित किया, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। किशोर के शव को मोर्चरी भिजवाया गया। सीलमपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि अपराध एवं फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य एकत्र किए। अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप एक नाबालिग समेत दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। घटना के संबंध में उनसे पूछताछ की जा रही है।

हर्ष मल्होत्रा ने एक्सप्रेसवे का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री, हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे के पूरे 210 किलोमीटर के हिस्से का निरीक्षण किया। हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की प्रगति पर संतोष जताया और कहा कि यह एक्सप्रेसवे दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में भीड़भाड़ को कम करने और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और अन्य कनेक्टिंग राजमार्गों पर भार को कम करने में सहायक होगा।

डीएसजीएमसी देगा गुरुद्वारे की मरम्मत के लिए 10 लाख रुपए

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने घोषणा की है कि गत दिनों पाकिस्तानी हमले में जम्मू के पुंछ में शहीद सिखों और गुरुद्वारा साहिब की मरम्मत के लिए 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद देगा। इस बारे में कमेटी के मीडिया सेल के चेयरमैन सुखविंदर सिंह बब्बर ने बताया कि प्रधान हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने फैसला लिया है कि पाकिस्तान के हमले में जम्मू के पुंछ में शहीद हुए 4 सिखों के परिवारों और गुरुद्वारा साहिब की मरम्मत के लिए 10 लाख रुपये जारी किए जाएंगे। जिसमें हर परिवार को दो-दो लाख और दो लाख रुपये गुरुद्वारा साहिब की मरम्मत हेतु दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कालका और काहलों यह राहत तुरंत जारी करेंगे।

ट्रांसजेंडर बनकर रह रही महिला महेंद्रा पार्क इलाके से पकड़ी

फेसबुक के प्यार ने करवाई सीमा पार, तीन बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नॉर्थ वेस्ट जिले के फॉर्नर सेल ने तीन बांग्लादेशी महिलाओं को अरेस्ट किया है। तीनों दिल्ली में अवैध रूप से रह रही थी। इनके कब्जे से दो स्मार्ट फोन बरामद किए गए, जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ एप्लीकेशन इंस्टॉल थी। इसका इस्तेमाल बांग्लादेश में अपने परिवारजनों से बातचीत में किया जाता था। सबसे पहले पकड़ी गई महिला दीपा अपने फेसबुक के प्यार से मिलने भारत आई थी और उसके साथ लिव इन में रह रही थी।

डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार उत्तर-पश्चिम जिले की फॉर्नर सेल निरंतर बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ में जुटी है। इसी कड़ी में तीन बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा गया। डीसीपी सिंह ने बताया कि पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों के सोशल मीडिया खातों का विश्लेषण कर रही है। एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला ट्रांसजेंडर महेंद्रा पार्क थाना क्षेत्र में रह रही थी। वह कथित तौर पर खुद को पश्चिम बंगाल का बताती थी और संदेह से बचने के लिए सड़क पर रेहड़ी लगाकर मोमोज बेचती थी। कई दिनों की लगातार तलाश के बाद महिला की उपस्थिति के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली। दरअसल महिला ने फेसबुक पर रील पोस्ट की थी, जिसमें एक गली में आइसक्रीम का ठेला दिखाया गया था, जिससे अनजाने में क्षेत्र में आसपास की इमारतें दिखाई दे रही थी। इस पर कार्रवाई करते हुए टीम ने लगभग 50 गलियों की सावधानीपूर्वक तलाशी ली और रील में दर्शाई गई विशिष्ट गली की पहचान सुनिश्चत की गई। वीडियो सामग्री के विस्तृत विश्लेषण से टीम को सटीक घर का पता लगाने में मदद मिली। तेजी से कार्रवाई करते हुए सुबह-सुबह जाल बिछाया गया जिसके परिणामस्वरूप संदिग्ध को पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर उसने खुलासा किया कि फेसबुक पर एक आदमी के साथ प्यार में पड़ गई थी। कुछ समय तक इनका प्यार ऑनलाइन परवान चढ़ने के बाद वह अवैध रूप से बांग्लादेश की सीमा पार करके भारत में आ गई। उसके प्रेमी ने उसे पश्चिम बंगाल में रिसीव किया और बाद में उसे दिल्ली ले आया। यहां वे किराए के मकान में साथ रहने लगे। इलाके के पड़ोसी इसे दीपा नाम से जानते थे और मानते थे कि वह पश्चिम बंगाल की मूल निवासी है। इसके बाद दो अन्य महिला संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया। गहन पूछताछ के दौरान दोनों ने शुरू में अपने-अपने पतियों के साथ रहने वाली भारतीय नागरिक होने का दावा करके टीम को गुमराह करने का प्रयास किया। हालांकि उनके मोबाइल फोन और निजी सामान की जांच से जल्द ही उनकी पोल पट्टी खुल गई। पूछताछ के दौरान संदिग्धों ने हिली और बेनापुर सीमा क्षेत्रों के माध्यम से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की बात स्वीकार की। वे ट्रेन से दिल्ली आई और तब से भारतीय नागरिकों के वेश में रह रही थी। इनके नाम अलीना, तंगिना रहमान दीपा, और सुहान खान पता चलें है। तीनों को आगे की निर्वासन कार्यवाही के लिए एफआरआरओ, आरके पुरम को सौंप दिया गया है। आगे की जांच चल रही है और उन व्यक्तियों की पहचान करने और उनका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं जिन्होंने संदिग्धों को शरण दी और उनके ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं में मदद की।

जाली नो एंट्री परमिशन सर्टिफिकेट बनाने वाले तीन लोग अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ दो अलग-अलग मामलों में हुए गिरफ्तार

यातायात पुलिस ने जाली नो एंट्री परमिशन सर्टिफिकेट जारी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में आईपी एस्टेट थाने में दो केस दर्ज करवाये गये हैं। पकड़े गये लोगों के नाम सोनू, राजेश और मुजम्मिल उर्फ सलमान बताये गये हैं।

डीसीपी ट्रैफिक केंद्रीय रेंज, नई दिल्ली हुकमा राम ने बताया कि 15 मई को एसआई रितुल और कांस्टेबल फूल कंवर आईटीओ चौक, कमला मार्केट ट्रैफिक सर्कल में अपनी ड्यूटी कर रहे थे। रात करीब नौ बजे चेकिंग के दौरान एक हल्का मालवाहक नो एंट्री के समय बहादुरशाह जफर मार्ग मार्ग से डीडीयू मार्ग की तरफ आया। वाहन को ट्रैफिक स्टाफ ने रोका। वाहन के विंड स्क्रीन पर चिपकाए गए नो एंट्री परमिशन की ई-चालान मशीन से जांच की गई लेकिन वह रिकॉर्ड में नहीं मिला। परमिशन को जारी करने वाले प्राधिकारी यानी डीसीपी ट्रैफिक हेड क्वार्टर द्वारा सत्यापित किया गया तो वह जाली पाया गया। पूछताछ के दौरान एटा निवासी वाहन चालक दिलीप कुमार उर्फ राहुल ने खुलासा हुआ कि वाहन के मालिक ने आजादपुर फल और सब्जी मंडी से किसी अज्ञात व्यक्ति से एनईपी खरीदी थी। चालक ने वाहन मालिक के भाई राजेश कुमार को फोन किया तो खुलासा किया कि तुषार उर्फ विनीत नामक व्यक्ति से एनईपी खरीदी थी। आईपी एस्टेट थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान तुषार उर्फ विनीत ने खुलासा किया कि उसने उक्त एनईपी सोनू कुमार मिश्रा नामक व्यक्ति से प्राप्त की थी। वह बुराड़ी के इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में साइबर कैफे चलाता है। जांच के दौरान सोनू और राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी तरह की घटना 14 मई को आईटीओ चौक पर हुई थी, जहां एक वाहन को फर्जी एनईपी के साथ नो एंट्री टाइम में चलते हुए पाया गया था। यह मामला भी आईपी एस्टेट थाने में दर्ज किया गया था। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि मुजम्मिल उर्फ सलमान ने फैजुद्दीन नामक व्यक्ति से जाली एनईपी खरीदी थी। सलमान को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लिफाफे में कारतूस भेजकर रंगदारी मांगने वाले दो भाई अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ बिजनेसमैन की पत्नी व बेटे का फोटो भी भेजा था लिफाफे में

पंजाबी बाग पुलिस ने दो भाइयों को अरेस्ट किया है। इन पर रंगदारी के लिए रकम भारतीय रुपयों में नहीं बल्कि डॉलर में मांगने का आरोप है। बिजनेसमैन को डराने के लिए कुरियर से लिफाफे में कारतूस और उसकी पत्नी व बेटे का फोटो भेजा गया था। रंगदारी नहीं देने पर अंजाम भुगत लेने की धमकी भी दी गई। गैंगस्टर के तौर पर नाम नीरज बवानिया का लिया गया था। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 13 मई को यह कुरियर पीड़ित बिजनेसमैन को मिला था। उनकी शिकायत पर मामला दर्ज करके छानबीन शुरू की गई। एसीपी पंजाबी बाग और एसएचओ संजय दहिया के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर कपिल, हेड कांस्टेबल सुधीर, सुनील, कांस्टेबल देवेंद्र की टीम ने सीसीटीवी फुटेज व टेक्निकल सर्विलांस से मामले की छानबीन शुरू की। जो फोटोग्राफ बिजनेसमैन की वाइफ और बेटे का लिफाफे में भेजा गया था उसके बारे में गहन पूछताछ की गई। पता चला कि 29 अप्रैल को वह बच्चे के स्कूल पश्चिम विहार गई थी। पुलिस टीम ने स्कूल के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिसमें स्कूटी पर सवार शख्स बिजनेसमैन की वाइफ को फॉलो करते हुए नजर आया। उसी दौरान फोटो लिया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नंबर पुलिस ने निकाला जो सागर के नाम पर रजिस्टर्ड निकला। पुलिस टीम उसके ठिकाने पर पहुंची और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। उसने बताया कि 80 लाख रुपए का लोन लिया था। जिसका वह भुगतान नहीं कर पा रहा था। आरोपी ने आर्टिफिशियल और सिल्वर जूलरी का बिजनेस शुरू किया था और उसमें काफी घाटा हो गया था।

सागर ने बताया कि इस प्लानिंग में उसने भाई रोहित नागपाल को भी साथ में मिलाया था। फिर इन लोगों ने चार दिन पहले पीड़ित की पत्नी और बच्चे का फोटो लिया और ऑनलाइन सर्च करके फरीदाबाद से कारतूस मंगवाया। उसके बाद लैपटॉप में एक रंगदारी की रकम वसूलने का लेटर तैयार किया। नीरज बवानिया का नाम मेंशन किया और 13 मई को रोहित ने एक्सटॉर्शन का लेटर कुरियर कर दिया। जिसमें दो गोली भी डाल दी थी। इनके बारे में पहचान ना हो इसलिए इन्होंने लेटर सेक्टर 18 रोहिणी से बिजनेसमैन के यहां कुरियर किया था। पुलिस ने दोनों आरोपी रोहित नागपाल और सागर को गिरफ्तार कर लिया है। यह आदर्श नगर इलाके में रहते हैं। एक इग्नू से ग्रेजुएट कर चुका है, जबकि दूसरे ने आईपी यूनिवर्सिटी से बीसीए की पढ़ाई की है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल मोबाइल, लैपटॉप, स्कूटी को भी जब्त कर लिया है।

कुख्यात बांग्लादेशी लुटेरा साथी संग चढ़ा हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

डकैती केस में था 50 हजार का इनाम घोषित

क्राइम ब्रांच की आइएससी टीम ने डकैती केस में फरार 50 हजार के इनामी बांग्लादेशी लुटेरे को साथी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहम्मद खलील उर्फ गुड्डू दिल्ली के विवेक विहार थाने में दर्ज डकैती के एक मामले में फरार था। इनके पास से चार देशी पिस्तौल, 15 कारतूस, एक खंजर, दो लोहे की रॉड, एक प्लास और घर में सेंध लगाने वाले औजार बरामद किए गए हैं। आरोपी मोहम्मद खलील उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में चोरी के छह मामलों में भी वांछित था। दूसरे आरोपी का नाम खालिद शेख बताया गया है।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार क्राइम ब्रांच ने कई राज्यों में डकैती और चोरी के मामलों में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मोहम्मद खलील उर्फ गुड्डू के खिलाफ 2003 में विवेक विहार थाने में केस दर्ज किया गया था। इसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये इनाम घोषित था। डीसीपी गौतम ने बताया कि 7 मई को हेड कांस्टेबल सुनील कुमार को सूचना मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद खलील जो विवेक विहार थाने के डकैती केस में वांछित था, नसबंदी कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद में रह रहा है और अपने दोस्तों से मिलने के लिए वजीराबाद इलाके में आएगा। इसके बाद इंस्पेक्टर मनमीत मलिक के नेतृत्व में एसआई नरेश कुमार, सुनील पंवार, जय कुमार, हेड कांस्टेबल अमरीश कुमार, सुनील कुमार, राजेश कुमार, हरेंद्र मलिक और बिजेंद्र सिंह की एक टीम बनाई गई। सूचना को आगे बढ़ाया गया और वजीराबाद इलाके में जाल बिछाकर गुड्डू को पकड़ लिया गया। उसके पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुये।

गुड्डू की पुलिस हिरासत के दौरान प्रीत विहार में गुफा वाले मंदिर के सामने रेलवे ट्रैक के पास से दो और देसी पिस्तौल, 10 जिंदा कारतूस, एक खंजर और घर में सेंध लगाने वाले औजाद बरामद किए गए। इसके एक साथी खालिद शेख को भी गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर उसके घर से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। यह पता चला कि खलील उर्फ गुड्डू अपने गिरोह को फिर से संगठित करने और भविष्य के अपराधों के लिए हथियारों की व्यवस्था करने का प्रयास कर रहा था। हाल के दिनों में उसने और उसके साथियों ने डकैती या लूटपाट करने के लिए उपयुक्त घर की पहचान करने के लिए रेलवे ट्रैक के पास प्रीत विहार/आनंद विहार इलाके में रेकी की थी। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने कबूला कि वे अवैध रूप से भारत में घुस आए थे और दिल्ली में बस गए थे। इनका गिरोह देर रात घरों में घुसकर बंदूक की नोंक पर लोगों को लूटता था। करीब 15-20 दिन पहले ही वह आंध्र प्रदेश की आदिलाबाद जेल से रिहा होकर दिल्ली लौटा था। एक बड़ी डकैती की योजना बनाई जा रही थी। अपराध करने के बाद हमेशा के लिए बांग्लादेश भागने की फिराक में भी थे। खलील 22 व खालिद चार मामलों में शामिल रहा है। गुड्डू की गिरफ्तारी से पुलिस ने आठ मामले सुलझाने का दावा किया है।

'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' पर एमसीडी ने आयोजित किया जन जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' के अवसर पर साकेत स्थित सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल में 'डेंगू और अन्य वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह के निर्देशानुसार, निगम के सभी जोनों में इसी प्रकार के डेंगू जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम आयुक्त अश्वनी कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जोनल उपायुक्त, वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यहां आयुक्त अश्वनी कुमार ने प्रत्येक नागरिक से दिल्ली को 'स्वच्छ, हरित व डेंगू मुक्त' बनाने के लिए निगम का सहयोग देने का आग्रह किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन : लखनऊ-पू.उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/पू.उ.रे., **नीलामी सूची सं./लॉट सं. : LJN-FSLR-10-25, नीलामी सूची प्रकाशन तिथि :** 15.05.2025 समय 14:43 बजे, **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) :** 02.06.2025 समय 12:00 बजे, **नीलामी बंद करने की तिथि व समय :** 02.06.2025 समय 14:50 बजे, **नीलामी का प्रकार :** Close Ended, **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है :** E-Auction Module of www.ireps.gov.in

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक,
मुजाधि/वाणिज्य-37 पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

रेव पार्टियों में नशा सप्लाई करने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने स्पेशल सेल के एक एनडीपीएस एक्ट मामले में वांछित घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली/एनसीआर की रेव पार्टियों में सप्लाई किए जाने वाले 2.2 किलोग्राम अवैध प्रतिबंधित चरस व हशीश का स्रोत था। आरोपी का नाम दान सिंह उर्फ दानवीर सिंह उर्फ दन्नू (52) निवासी जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश है। अदालत ने 30 मार्च 2022 को इसे भगौड़ा अपराधी घोषित किया था। पुलिस के अनुसार 26 मार्च 2014 को अनिल कुमार और अनिल लकी करोल बाग में एक रूसी नागरिक जॉर्जी डेडाव को 2.2 किलोग्राम चरस की आपूर्ति करने आए थे। दोनों को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया। बाद में 24 मई 2014 को इनकी निशानदेही पर पर दान सिंह को गिरफ्तार किया गया था। मुकदमे के दौरान आरोपी दान सिंह अदालती कार्यवाही से बचता रहा और बाद में उसे भगौड़ा अपराधी घोषित कर दिया गया था। फरारी के दौरान वह बार-बार अपना नाम, पहचान और स्थान बदल रहा था। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए केवल विशेष अवसरों पर और वह भी रात के समय अपने गांव आता था। 14 मई को कांस्टेबल मनोज को सूचना मिली कि दान सिंह गांव बीआईआर, बैजनाथ, जिला कांगड़ा में आने वाला है। जाल बिछाया गया और आरोपी को पकड़ लिया गया।

तीन इंजन की सरकार में सांसद, विधायक और पार्षद कर रहे अनदेखी

सफाई में सिंघू गांव था कभी नंबर वन, अब जगह-जगह फैला रहता है कूड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा के बख्तावरपुर वार्ड स्थित गांव सिंघु 1964 में स्वच्छता के मामले में नंबर एक पायदान पर था लेकिन अब गंदगी के मामले में नंबर एक से भी कहीं ज्यादा नीचे पायदान पर चला गया है। ग्रामीणों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि तीन इंजन की भाजपा सरकार की अनदेखी के चलते ऐसा हो रहा है और इसके चलते ग्रामीणों में सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक राजकरण खत्री और पार्षद जनता देवी के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान भाजपा नेताओं ने गांव के लिए विकास के सपने तो दिखाए लेकिन अब ये जनप्रतिनिधि बनने के बाद गांव की तरफ आकर भी नहीं देख रहे हैं और वादे पूरा करना तो दूर की बात है। आरडब्ल्युए गांव सिंघु के महासचिव जोगिंद्र ने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक और पार्षद को गांव की समस्याओं जैसे एमसीडी डिस्पेंसरी के बने पार्क की गंदगी दूर करना, पार्क का सौंदर्यकरण कराना, जीटी रोड़ से गांव सिंघु में आने वाले पहुंच रोड़ से जलभराव, मरम्मत करना और बीचों बीच लगे बिजली के खंभो को हटाने, जीटी रोड़ पर फुटओवर ब्रिज का निर्माण, प्राइमरी स्कूल से हरियाणा सीमा तक की सड़क बनवाने के संबंध में पत्र व्यवहार तो किया है, साथ ही जनप्रतिनिधियों के कार्यालय में ज्ञापन सौंपे हैं लेकिन समस्याओं का हल नहीं हुआ है। इसके अलावा आरडब्ल्युए अध्यक्ष देवेंद्र कुमार, ग्रामीण यशोदा, वजीर सिंह, नारायण सिंह, जयभगवान आदि ने बताया कि तीन इंजन वाली भाजपा सरकार के जनप्रतिनिधियों ने यदि गांव के विकास को लेकर दौरा नहीं किया तो जल्द ही रोष प्रदर्शन किया जाएगा।

गोगी व काला जठेड़ी गिरोह के दो बदमाश चढ़े हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नरेला इलाके से जितेंद्र गोगी और काला जठेड़ी गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनके नाम अक्षत खत्री (22) और बिजेन्द्र उर्फ गंजा (22) बताये गये। दोनों के पास से एक अत्याधुनिक पिस्तौल और दो कारतूस मिले। डीसीपी निधि वासन ने बताया कि गिरोह के संदिग्ध सदस्यों की गतिविधियों के संबंध में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 मई को एक टीम को तैनात किया गया था। टीम ने नरेला के स्मृति वन के पास एक मोटरसाइकिल को रोका। बिजेन्द्र के पास से .32 बोर के दो कारतूस तथा खत्री के पास से एक अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की गई। पूछताछ के दौरान खत्री ने खुलासा किया कि वह अपने चचेरे भाई अमित उर्फ कमांडर से प्रभावित था, जो काला जठेड़ी गिरोह से जुड़े गैंगस्टर अक्षय पलाड़ा का सहयोगी है। दोनों ने कथित तौर पर गिरोह के स्थानीय प्रभाव को बढ़ाने और क्षेत्र से नए बदमाशों की भर्ती करने की योजना बनाई थी। बिजेन्द्र पर पहले भी पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें बाहरी उत्तरी दिल्ली और रोहिणी इलाके में लूट, डकैती और हत्या के प्रयास के मामले शामिल हैं। हालांकि, अक्षत का कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ नरेला थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब पुलिस हथियार की आपूर्ति के स्रोत का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी मो. रहीस, पुत्रः** रति मोहम्मद **पताः** जे–202 प्रेम नगर लाल कुआं बदरपुर, दिल्ली **एवं** 274, एलाय जी पुर, राम पार्क के पास, लोनी गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश FIR No. 129/19, U/s: 27 NDPS ACT, पुलिस थाना दरिया गंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. रहीस,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. रहीस,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मो. रहीस, FIR No. 129/19, U/s: 27 NDPS ACT, पुलिस थाना दरिया गंज, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
केंद्रीय तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6070/CD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 बीएनएसएस देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुल्तान पुत्र लुकमान पताः दुकान नं. ए–64, सराय पीपल थला आदर्श नगर, दिल्ली स्थाई पताः ढोकपुरी टांडा रामपुर भोट बक्कल यूपी–244924 ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 938/22 धारा 188/290 भा.द.स. के तहत** थानाः एम नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुल्तान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुल्तान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 938/22 धारा 188/290 भा.द.स. के तहत थाना एम नगर, दिल्ली के उक्त सुल्तान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
निहारिका कुमार शर्मा
एसीजेएम (नॉर्थ)
कमरा नं.117,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/5624/NW/2025

खबर संक्षेप

कांग्रेस जय हिंद सभा के जरिए करेगी सेना को सलाम

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की अपार कामयाबी के बाद कांग्रेस पार्टी ने घोषणा की है कि वह भारतीय सेना को सलाम करने के लिए जय हिंद सभाएं करेगी। इसके बारे में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि अभी दिल्ली में सभा के लिए तारीख की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन जल्द हो जाएगी। केंद्र नेतृत्व की तरफ से यह जानकारी मिल गई है कि 20 से 30 मई तक देश में अलग अलग समय पर जय हिंद सभाओं का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस इस विषय पर सोमवार को एक बैठक करेगी जिसमें हम तय करेंगे कि किस तारीख को रैलियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से हम भारतीय सशस्त्र बल की भूमिका की सराहना करेंगे और वर्तमान सरकार से विभिन्न प्रश्न पूछेंगे कि पहलगाम पर हमला एक खुफिया विफलता थी।

लगातार पांचवें दिन तेज हवाओं के साथ दिल्ली में हुई बारिश

नई दिल्ली। लगातार पांचवें दिन शनिवार को दिल्ली में तेज हवाओं के साथ बारिश दर्ज हुई। बावजूद इसके दिल्ली में भीषण का प्रकोप रहा। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में सुबह से दोपहर तक सूरज अपने कड़े तेवर के साथ दिल्ली में गर्मी का कारण बना रहा। लेकिन दोपहर के समय अचानक मौसम ने करवट ली और काले काले बादलो ने दिल्ली के आसमान को ढक लिया और तेज हवाओं के साथ कई क्षेत्रों में बारिश होने लगी। आईएमडी के अनुसार बारिश के चलते शुक्रवार की तुलना में अधिकतम तापमान में कमी दर्ज हुई। अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

संयुक्त परिवार सफलता व समृद्धि का द्वार

नई दिल्ली। संयुक्त परिवार सफलता व समृद्धि का द्वार है और एकता व सुरक्षा के ढाल बनकर विकट परिस्थितियों में एक दूसरे का सहारा बनते हैं। आरएसएस में प्रांत संचालक डॉ अनिल अग्रवाल ने दिल्ली हाट पीतमपुरा में संपन्न हुए आदर्श शिक्षा संस्थान के वार्षिकोत्सव समारोह में यह बातें कही। उन्होंने संयुक्त परिवार की आवश्यकता पर जोर दिया। वही, इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बी एल संतोष ने कहा कि समय की उच्च गुणवत्ता के साथ जीवन जीने का आधार दायित्व और अनुभव होना चाहिए ना कि अधिकार। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आदर्श शिक्षा संस्थान के द्वारा परिवारों के सशक्तिकरण के लिए समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण फैलाना सराहनीय एवं उद्देश्यपूर्ण कार्य है। आदर्श शिक्षा संस्थान के महामंत्री व भाजपा दिल्ली प्रदेश के कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग ने कहा कि हमारे संस्थान का लक्ष्य परिवारों को खुशहाल, संगठित एवं सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री ने मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का किया दौरा

अस्पताल में स्टाफ, दवाएं और कमियां तय समयसीमा के अंदर होंगी दूर : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में स्टाफ, दवाएं और आधारभूत संरचना की कमियाँ दूर होंगी और सभी कार्यों के लिए समयसीमा तय की गई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल का दौरा करने के दौरान यह बातें कही। उन्होंने अस्पताल की वर्तमान स्थिति, चल रहे विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं की विस्तृत समी क्षा की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की चुनौतियों और आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला और तत्काल सुधार के लिए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों की स्थिति में सुधार करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक को समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा मिले। इसके लिए हमारी सरकार दिन रात सातों दिन पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार दिल्ली के अस्पतालों को केवल उपचार केंद्र नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और विश्वास का प्रतीक बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, बेहतर मानव संसाधन और मजबूत बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश कर रही है। मुख्यमंत्री ने संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का निरीक्षण किया, जो इस क्षेत्र का एकमात्र बड़ा अस्पताल होने के कारण अत्यधिक दबाव में रहता है। यह अस्पताल 300 बिस्तर की क्षमता वाला एक मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल है। वर्तमान में अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 2600-2700 मरीज ओपीडी में आते हैं, और 32-35 डिलीवरी केस प्रतिदिन होते हैं। इसके अलावा, 150 बिस्तर की एक समर्पित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) इकाई भी अस्पताल से संबद्ध है, जिसमें 100 बिस्तर प्रसूति एवं स्त्री रोग और 50 बिस्तर बाल रोग के लिए हैं।

अस्पताल में बिस्तरों की भारी कमी बनी एक गंभीर चुनौती

हालांकि बताया गया कि इस अस्पताल में बिस्तरों की भारी कमी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार जल्द ही ठोस कदम उठा रही है ताकि अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेहतर और सम्मानजनक इलाज मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसजीएम हॉस्पिटल में मेडिसिन, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, बाल रोग, नेत्र रोग, ईएनटी, आईसीयू, आपातकालीन वार्ड, और एसएनसीयू जैसी कई विशेष सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में दिन रात सातों दिन ब्लड बैंक सुविधा, डीएनबी कोर्स, और आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर भी मौजूद हैं। इसके बावजूद, स्टाफ की कमी और बुनियादी ढांचे की अपर्याप्तता के कारण मरीजों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

पहाड़गंज इलाके की घटना

निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पहाड़गंज इलाके के आरा कंसा रोड पर शनिवार शाम एक निर्माणाधीन मकान की साइड की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गये। घायल एक शख्स की हालत गंभीर बताई गई। उसे उपचार के लिये पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

जानकारी के मुताबिक शनिवार शाम 6:35 बजे फायर ब्रिगेड को इस हादसे की जानकारी मिली। मकान के बेसमेंट का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी बीच साइड की दीवार ढह गई, जिसके कारण कुछ लोग मलबे में दब गए। घटनास्थल पर दमकल की चार गाड़ियां तुरंत भेजी गई और बचाव कार्य शुरू किया गया। फंसे हुए तीन लोगों को सुरक्षित निकालकर कैट्स एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू कार्य में हाथ बंटाया। कई लोग मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए खुद ही ईंट-पत्थर हटाते देखे गए। हादसा कैसे हुआ ये पता नहीं चल पाया है। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के इलाके को भी इस दौरान खाली करवा लिया था। दिल्ली पुलिस का कहना है कि मलबे से निकाले गये दो लोगों की मौत हो गई।

निगम में पूर्व नेता सदन मुकेश गोयल सहित 15 पार्षदों ने छोड़ी आप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी (आप) के हाथ से सत्ता जाने के बाद शनिवार को आप के 15 निगम पार्षदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और इन्होंने इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी नाम से तीसरा मोर्चा बनाने की घोषणा भी कर दी है। प्रेसवार्ता में बताया गया कि मुकेश गोयल नए मोर्चे का नेतृत्व करेंगे। बता दें कि इस्तीफा देने वाले पार्षदों में हेमचंद गोयल, हिमानी जैन, रुनाक्षी शर्मा, उषा शर्मा, अशोक पांडेय, राखी यादव, साहिब कुमार, राजेश कुमार लाडी, मनीषा, सुमन अनिल राणा, दिनेश कुमार, मुकेश कुमार गोयल, देवेंद्र कुमार, लीना कुमार और कमल भारद्वाज शामिल हैं।

पार्षदों ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि हम सभी पार्षद दिल्ली नगर निगम में साल 2022 में आम आदमी पार्टी की टिकट से चुने गए थे। हालांकि, 2022 में चुनाव जीतने के बावजूद पार्टी का शीर्ष नेतृत्व एमसीडी को ठीक से नहीं चला पाया। बड़े नेताओं का पार्षदों से आपस में समन्वय न के बराबर रहा, जिसके कारण पार्टी विपक्ष में आ गई है। जनता से किए गए वादे को पूरा न कर पाने के कारण हम पार्षद पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

पिछले ढाई वर्ष में आप पार्षदों की कोई बात नहीं सुनी गई : गोयल

एमसीडी में पूर्व सदन नेता मुकेश गोयल ने बताया कि पिछले ढाई वर्ष में आप पार्षदों की कोई बात नहीं सुनी गई थी, कई बार पार्षद रहें वरिष्ठ पार्षदों को सदन से पहले आप शीर्ष नेतृत्व ने कोई जानकारी नहीं दी। साथ ही सदन में हंगामे के दौरान एजेंडा पारित कर दिया जाता है और पता ही नहीं चल पाता कि क्या पास हुआ और क्या फेल हुआ। हम चाहते हैं कि निगम का सदन जनता के हित में चले और जनता के हित में कार्य किए जाएं। पक्ष- विपक्ष भागीदारी दिखाएंगे। वहीं, मुकेश गोयल ने कहा कि पार्टी के अंदर और भी पार्षद परेशान हैं और पार्षद विकल्प खोज रहे हैं।

आप में भ्रष्टाचार और तानाशाही का फल है थर्ड फ्रंट : राजा इकबाल

दिल्ली नगर निगम के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने आप के 15 पार्षदों द्वारा नए दल के गठन को लेकर आप में भ्रष्टाचार और तानाशाही को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि 2022 में जब दिल्ली नगर निगम के चुनाव हुए तो आप ने 10 झूठी गारंटी देकर जनता को भ्रमित करने का कार्य किया। इससे जनता ने आप के झांसे में आकर उसको निगम की सत्ता पर बैठा दिया। आप ने सत्ता में रहते निगम के विकास कार्यों को ठप करने लेकर संवैधानिक व्यवस्था को कर ध्वस्त कर दिया था। ढाई साल सत्ता में रहते हुए सफाई व्यवस्था को भी खराब किया।

सीएम ने जल पाइपलाइन परियोजनाओं का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के सिंगलपुर गांव और पीतमपुरा के क्यूू ब्लॉक में नई जल पाइपलाइन परियोजनाओं का शिलान्यास किया और क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय निवासियों के साथ चर्चा की ताकि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कदम उठाए जा सकें। यह परियोजना क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन दोनों परियोजनाओं पर करीब 1 करोड़ 52 लाख रुपये व्यय होंगे। सिंगलपुर गांव में शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री ने स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि दिल्ली के हर कोने में स्वच्छ और पर्याप्त पानी की आपूर्ति हो। सिंगलपुर गांव के लोग लंबे समय से पानी की कमी से परेशान थे। इस नई पाइपलाइन के जरिए अब यहां के निवासियों को नियमित और स्वच्छ पानी मिलेगा, जिससे उनकी दैनिक जिंदगी में सुधार होगा। मुख्यमंत्री के कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि जनहित में कोई भी कार्य रुके नहीं। सरकार का दायित्व है कि प्रत्येक परियोजना को पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ पूरा किया जाए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जनता को इन विकास कार्यों का अधिकतम लाभ मिले।

पार्षदों का दल बदल भाजपा की साजिश का हिस्सा : आप

आम आदमी पार्टी ने अपने पार्षदों के दल बदल के पीछे भाजपा की गहरी साजिश बताया है। आप का कहना है कि महापौर चुनाव के समय से ही भाजपा हमारे पार्षदों को अपनी पार्टी में शामिल करने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि हर पार्षद को 5 करोड़ रुपए ऑफर दिया गया। भाजपा के पास स्थायी समिति और वार्ड समिति बनाने के लिए बहुमत नहीं है। इसलिए वह खरीद-फरोख्त का सहारा ले रही है। आप ने महापौर चुनाव के दौरान ही भाजपा की खरीद-फरोख्त की कोशिशों का पर्दाफाश कर दिया था। इसलिए अब भाजपा यह दिखावा करने का नाटक कर रही हैं कि ये पार्षद दलबदल कर दूसरी पार्टी से हैं। लेकिन शुरू से लेकर आखिर तक यह काम भाजपा का है। आने वाले दिनों में सच्चाई सबके सामने आ जाएगी।

सूक्ष्म खाद्य उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है दिल्ली सरकार : सिरसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- हम आत्मनिर्भर, सूक्ष्म उद्यमों के एक नए युग की रख रहे हैं नींव

दिल्ली सरकार सूक्ष्म खाद्य उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन सहायता और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से हम आत्मनिर्भर, कुशल और बाज़ार के लिए तैयार सूक्ष्म उद्यमों के एक नए युग की नींव रख रहे हैं। दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना के तहत इनक्यूबेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की घोषणा की। सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में दिल्ली समावेशी विकास का इंजन बन रही है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य खाद्य सूक्ष्म उद्यमों (फूड माइक्रो इंटरप्राइजेज) और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना है। यह पहल 'विकसित दिल्ली' और 'वोकल फॉर लोकल' के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप दिल्ली को आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास के केंद्र के रूप में उभारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस योजना के तहत झंडेवालान और वज़ीरपुर स्थित वर्ल्ड क्लास स्किल सेंटर्स में दो आधुनिक इनक्यूबेशन सेंटर दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी के माध्यम से स्थापित किए जा रहे हैं। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना की कुल लागत साढ़े 4 करोड़ रुपये है, जिसमें से 50 लाख रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं और बेकरी लाइन उपकरण की खरीद प्रक्रिया प्रगति पर है।

हरियाणा सरकार | Haryana Shehri Vikas Pradhikaran

VIVADON SE SAMADHAN YOJANA (VSSS) 2024
विवादों से समाधान योजना - 2024

ध्यान दें! HSVP प्लॉट धारकों के लिए सुनहरा अवसर!

क्या आप अपने प्लॉट की लंबित एन्हांसमेंट (Enhancement) लागत से परेशान हैं?

अब कम राशि में भुगतान करने का सुनहरा मौका!

VSSS-2024 के तहत, आप अपनी बकाया एन्हांसमेंट (Enhancement) राशि को रियायती दर पर निपटा सकते हैं। यह सीमित समय के लिए विशेष अवसर है, जिससे आप अपनी देनदारियां आसानी से समाप्त कर सकते हैं।

- कम भुगतान करें – VSSS 2024 के तहत रियायती दर पर निपटान
- झंझट मुक्त प्रक्रिया – कोई कानूनी जटिलता नहीं
- सीमित समय के लिए ऑफर – अभी आवेदन करें!

यह योजना विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले आवासीय प्लॉट, फ्लोर वाइस रजिस्ट्रेशन, ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, साथ ही संस्थागत और औद्योगिक प्लॉट वाले सभी आवंटियों और प्लॉट धारकों के लिए उपलब्ध है। यह योजना 140 सेक्टरों में फैली हुई है और 5000 से अधिक आवेदकों के लिए 550 करोड़ रुपये से अधिक की छूट प्रदान करती है।

570 आबंटी पहले ही इस पहल का लाभ उठा चुके हैं, और अब आपकी बारी है इस अवसर का लाभ उठाने की!

इस योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2025 है। प्लॉट धारक इस तिथि से पहले इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

HSVP
Chief Administrator
Haryana Shehri Vikas Pradhikaran
C-3, HUDA Complex, Sector 6,
Panchkula - 134109, Haryana,
Email: ao2branch24@gmail.com

विवादों से समाधान पोर्टल के लिंक के लिए https://vsss.hsvphry.org.in/ पर जाएं

दौलतपुर में किसानों का अनशन कराया समाप्त

लगभग 48 गांवों को किया जाएगा अर्बनाइज : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी में बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान के लागू होने से दिल्ली के लगभग 48 गांवों को अर्बनाइज किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को कई मुख्य घोषणाएं करते हुए यह जानकारी दी। वहीं, घुमनहेड़ा गांव में 47 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली विश्वस्तरीय गौशाला की घोषणा की और ॐ आकार में बनने वाले स्कूल का भूमि पूजन भी किया। उन्होंने जानकारी दी कि राजधानी का बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान 2041 अब अपने अंतिम चरण में है और इसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। यह केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन है, जिससे गांवों को आधुनिक शहरी सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। अर्बनाइजेशन के बाद इन गांवों में सड़कों का जाल, बेहतर सीवरेज, पानी की आपूर्ति, स्ट्रीट लाइटिंग, स्कूल, अस्पताल और अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मंत्री प्रवेश ने एक और बड़ी राहत की घोषणा करते हुए बताया कि लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री निशुल्क की जाएगी। यह फैसला हजारों ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ देगा, जो वर्षों से अपनी संपत्तियों के वैध दस्तावेज़ों की प्रतीक्षा कर रहे थे। इससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी और लोगों को कानूनी सुरक्षा भी मिलेगी। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह दौलतपुर गांव पहुंचे, जहां किसानों द्वारा चलाए जा रहे अनशन को समाप्त करवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी चिंताओं को समझा और स्पष्ट आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। मंत्री के सकारात्मक रुख और भरोसेमंद संवाद के बाद किसानों ने अपना अनशन समाप्त कर दिया।

संगोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

बदलते दौर में विमर्श समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, हमें ध्यान रखना होगा कि कौन सा विमर्श देश हित में है और कौन सा विमर्श षडयंत्रः प्रखर श्रीवास्तव

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

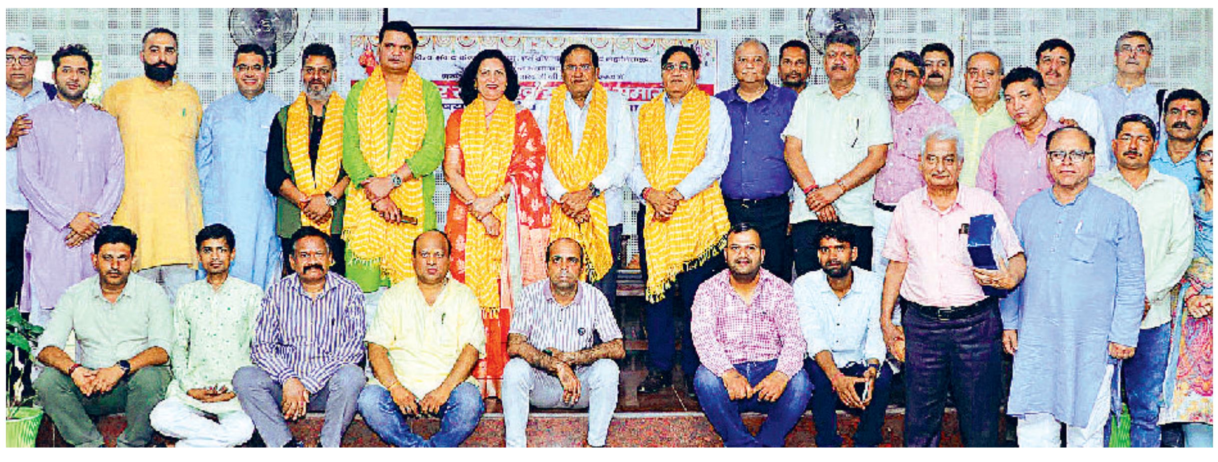

विदेशी मीडिया द्वारा हाल ही में भारत-पाकिस्तान युद्ध में ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित की गई भ्रमित समाचार रिपोर्टिंग का हवाला देते हुए दूरदर्शन के वरिष्ठ पत्रकार प्रखर श्रीवास्तव ने पत्रकारों से आग्रह किया कि इस तरह के अतिसंवेदनशील विषयों एवं घटनाओं कि रिपोर्टिंग करते समय राष्ट्रहित, सुरक्षा तथा इसके दूरगामी परिणामों का विशेष ध्यान रखें।

वे शनिवार को ब्रह्मांड के आदि संचारक देवर्षि नारद की जयंती के उपलक्ष्य में विश्व संवाद केंद्र गुरुग्राम और द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रबोध एवं पत्रकारिता विषय पर संगोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विदेशी मीडिया में भारत के विरुद्ध नकारात्मक विमर्श को खड़ा करने के कुचक्र को समझकर अपने देश के हित में जो विमर्श है, उसके अनुसार दिशा निर्धारण करने को राष्ट्रबोध कहते है। प्रखर श्रीवास्तव ने आधुनिक पत्रकारिता की चुनौतियों और राष्ट्रीय जागरण में इसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में विमर्श समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए हमें यह ध्यान रखना होगा कि कौन सा विमर्श देश हित में है और कौन सा विमर्श षडयंत्र है। उनके अनुसार ऑपरेशन सिंदूर के साथ भी यही करने का प्रयास किया गया कि भारत ने जीता हुई बाजी हार दी, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। भारत ने इस ऑपरेशन में दुनिया को अपनी क्षमता व कुशलता का लोहा मनवाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाबी बिरादरी महासंघ के प्रधान ओमप्रकाश कथूरिया ने पत्रकारिता के दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दौर में सत्यनिष्ठा और संवेदनशीलता पत्रकारों के लिए अनिवार्य गुण हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पुष्पा अंतिल ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से राष्ट्रहित में जागरूक पत्रकारिता की प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

पत्रकार सशक्त समाज का निर्माण करने में सक्षम

विशेष अतिथि के रूप में प्रख्यात उद्योगपति चंद्र शेखर तनेजा ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और मीडिया की सामाजिक भूमिका को रेखांकित किया। इससे पूर्व विश्व संवाद केंद्र न्यास के प्रांत सह सचिव डॉ. राकेश योगी ने देवरिषि नारद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि समाज और पत्रकार एक दूसरे के पूरक बनकर सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक पत्रकारों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ पत्रकारों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और देवर्षि नारद जी के संचार परंपरा व ज्ञान प्रसार की विरासत को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

खबर संक्षेप

लाखों रुपए की ठगी का आरोपी धराया

फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क से लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम आरोपी को काबू किया है। ओल्ड फरीदाबाद के रहने वाले व्यक्ति ने थाना शिकायत दी, टेलिग्राम टास्क पूरा करके पैसे दोगुना करने का लालच देकर 5,29,800 रुपए विभिन्न ट्रांजैक्शन के माध्यम से खातों में डलवा लिए तथा टास्क पूरा होने के बाद शिकायतकर्ता के पास कोई पैसा वापिस नही भेजा।

अवैध हथियार के मामले में 2 आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। अवैध हथियार रखने वालों पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच एवीटीएस व क्राईम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले 2 आरोपियों को 2 देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है। क्राईम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने इकरामू निवासी गांव धौज फरीदाबाद को फतेहपुर-तगा रोड से देशी कट्टा सहित काबू किया।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

गुरुग्राम। पटौदी एरिया में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और चालक पर केस दर्ज कर लिया। रामधन ने कहा कि बीती 16 मई की दोपहर करीब एक बजे वह अपने खेत पर था।

4 प्रवेश-निकास द्वार होने से आवागमन होगा अधिक आसान और सुरक्षित

नमो भारत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए खुले दो और नए प्रवेश-निकास द्वार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद के नमो भारत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए दो और नए प्रवेश-निकास द्वार खोल दिए गए हैं। गाजियाबाद स्टेशन में आवागमन के लिए अब कुल चार प्रवेश-निकास द्वार उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से यहां आना-जाना पहले से ज्यादा आसान और सुरक्षित हो गया है। इससे यात्रियों को भारी ट्रैफिक वाली सड़कें पार करने की परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

एनसीआरटीसी पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर पर सबसे ऊंचा स्टेशन है, जिसकी ऊंचाई 26 मीटर, लगभग लंबाई 215 मीटर और चौड़ाई लगभग 44 मीटर है। इसके साथ ही यह स्टेशन घनी आबादी वाले क्षेत्र में तीन ओर से व्यस्ततम मार्गों के बीच घिरा हुआ है। इस स्टेशन तक यात्रियों की पहुंच आसान और सुरक्षित बनाने के मद्देनजर एनसीआरटीसी द्वारा यहां पाँच प्रवेश-निकास द्वार बनाने की योजना बनाई गई। स्टेशन बिल्डिंग में बनाए गए प्रवेश-निकास द्वार संख्या 4 और 5 पहले से ही यात्रियों के लिए खुले हुए हैं। नए प्रवेश-निकास द्वारों के खुलने से पहले यात्रियों को स्टेशन में आवाजाही के लिए सड़कों को पार करके ही आना-जाना पड़ता था, जो बेहद परेशानी भरा भी था।नए प्रवेश-निकास द्वारों में से एक प्रवेश-निकास द्वार संख्या-1 चौधरी चरण सिंह पार्क में बनाया गया है। इससे दिल्ली की ओर से आने वाले यात्रियों को नमो भारत स्टेशन में प्रवेश करने में आसानी होगी। इस प्रवेश-निकास द्वार को फुट-ओवर ब्रिज के जरिए स्टेशन से जोड़ा गया है, जिसकी लंबाई लगभग 130 मीटर और चौड़ाई लगभग 6.5 मीटर है।

फुटओवर ब्रिज की लंबाई 30 मीटर और चौड़ाई 6.5 मीटर है

वहीं, दूसरा प्रवेश-निकास द्वार संख्या-2 आर्य नगर की ओर बनाया गया है। यह भी फुट ओवर ब्रिज के माध्यम से स्टेशन से जुड़ा है, जिसकी लंबाई करीब 20 मीटर और चौड़ाई 6.5 मीटर है। वहीं, स्टेशन का आखिरी और महत्वपूर्ण प्रवेश-निकास द्वार संख्या-3 पटेल नगर की ओर बनाया गया है और जल्द ही इसे भी यात्रियों के लिए खोला जाएगा। इस द्वार को भी फुट-ओवर ब्रिज के जरिए गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन से जोड़ा गया है। इस फुटओवर ब्रिज की लंबाई लगभग 30 मीटर और चौड़ाई 6.5 मीटर है।

यात्रियों की सुविधा के लिए स्वचालित ट्रैवलेटर भी लगाए जाएंगे

इसी फुटओवर ब्रिज का विस्तार मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन के तहत दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन के न्यू बस अड्डा शहीद स्थल स्टेशन तक किया जा रहा है। यह फुटओवर ब्रिज नमो भारत और दिल्ली मेट्रो के स्टेशन को कॉनकोर्स लेवल पर जोड़ेगा, जिसकी लंबाई लगभग 330 मीटर और चौड़ाई लगभग 6.5 मीटर होगी। खस बात यह है कि इस फुटओवर ब्रिज पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्वचालित ट्रैवलेटर भी लगाए जाएंगे।

आमजन ने नगर निगम की तारीफ की

देर रात तक टीम ने आंधी से गिरे कई पेड़ों को हटाया, आवागमन हुआ शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

शुक्रवार शाम को आई तेज आंधी ने फरीदाबाद में काफी नुकसान किया। इस भयंकर आंधी दौरान फरीदाबाद शहर में जगह जगह बड़े बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए और आवागमन को अवरुद्ध कर दिया था।

निगम कमिश्नर धीरेन्द्र खड़गटा ने निगम के सभी जोन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अपने क्षेत्रों में तुरंत प्रभाव से सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटवाने का कार्य करें। उसके तुरंत बाद ही निगम फरीदाबाद की इंजीनियरिंग विंग और सफाई विभाग की टीम ने देर रात तक सड़कों से टूट कर गिरे हुए पेड़ो को हटाने का काम किया और सफाई की टीम ने सफाई में सहयोग कर आवागमन को सुचारु कराया।

नगर निगम कमिशनर धीरेन्द्र खड़गटा ने कहा कि प्रशासन आगामी मानसून को लेकर अलर्ट है किसी भी प्रकार की आपदा में निगम प्रशासन शहरवासियों के साथ है। कल शुक्रवार को सुबह से ही उन्होंने फरीदाबाद प्रशासन की जॉइंट टीम के साथ पूरे शहर का जायजा भी लिया था।

नालों की सफाई के लिए जल्द कार्य शुरू कराएं

विधायक शर्मा ने लिया नाले सीवर और नालियों की सफाई का जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पूर्व केबिनेट मंत्री और विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने शनिवार को सेक्टर 3, तिगांव रोड, मोहना रोड नाले सहित अन्य स्थानों का जायजा लिया और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए की बल्लभगढ़ विधानसभा में मानसून से पहले सभी नालों की सफाई करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सेक्टर तीन में नाले के निर्माण कार्य और मोहना रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और जल्द ही निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, पिछले कई दिनों से बेमौसम की बरसात को देखकर ऐसा लग रहा है कि मानसून इस बार जल्द आ सकते हैं प्रशासन को जल्द से जल्द नाली-नालों और सीवर की सफाई का कार्य पूरा कर लेना चाहिए।

दिल्ली-मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर हादसा, बाइक सहित 6 गाड़ियां टकराईं

कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद हादसे में क्षतिग्रस्त हुई गाड़ियों को वहां से हटाकर थाने पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

दिल्ली-मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर रात के अंधेरे में बाइक सहित 6 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। एक्सप्रेसवे के बीच में खड़ी ईंटों से भरी ट्राली में पहले हैरियर गाड़ी टकराई, जिसके बाद लगातार एक-दूसरे से गाड़ी टकराती चली गईं। पुलिस ने हाइड्रा की मदद से क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटाकर रोड को चालू कराया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात को आंधी के कारण एक्सप्रेसवे पर जलने वाले लाइटें बंद पड़ी हुई थी। शाम के 6 बजे ट्रैक्टर चालक ईंट से भरी ट्राली लेकर एक्सप्रेसवे पर जा रहा था। इसी बीच ट्राली का पहिया पंचर हो गया और वह ट्राली को बीच रोड़ पर ही खड़ा करते ट्रैक्टर लेकर चला गया।

देर रात के समय करीब 10 बजे दिल्ली-मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर हैरियर गाड़ी सीधे ट्राली में जा टकराई। इसी दौरान हैरियर गाड़ी के पीछे चल रही दूसरी गाड़ी ने हैरियर को पीछे से ठोक दिया। दिल्ली-मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर रात के अंधेरे में यह हादसा सेक्टर 29 चौक पर हुआ। दोनों गाड़ियों के एक्सीडेंट होने के बाद वहां से गुजर रही दो अन्य गाड़ी आपस में भिड़ गई। दोनों गाड़ी के चालकों ने हादसे को देखने के चक्कर में एक-दूसरे की गाड़ी को ठोक दिया। इसी के कुछ समय बाद वहीं पर एक अन्य गाड़ी और बाइक की टक्कर हो गई। कुछ ही समय में पांच गाडिय़ों और एक बाइक इस एक्सीडेंट का शिकार हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और हाइड्रा क्रेन की मदद से एक्सप्रेसवे पर से गाड़ियों को हटाना शुरू किया। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हादसे में क्षतिग्रस्त हुई गाड़ियो को वहां से हटाकर थाने पहुंचाया गया। जिसके बाद ट्रैफिक सामान्य हो पाया। पुलिस ने बताया कि ईंट से भरी ट्राली एक्सप्रेसवे पर रोड़ के बीच में खड़ी थी।

आंधी के कारण लाईट बंद पड़ी हुई थी जिस कारण ये हादसा हुआ है। ट्राली को भी थाने पहुंचाया जा रहा है पुलिस ने बताया कि इसमें दो लोगों को चोटें आई है।

कॉलिंग करने वाले मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स रिडीम करने पर ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स रिडीम करने के नाम पर ठगी करने के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने मुख्य आरोपी सौरभ को रूद्रप्रयाग उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ में सेक्टर-4 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास एक अंजान नंबर से कॉल आया जिसने स्वयं को इंडसइंड बैंक के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट से बताया तथा क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स रिडीम करने का हवाला देकर एक एप्लीकेशन डाउनलोड करने तथा उस एप्लीकेशन में क्रेडिट कार्ड की डिटेल भरने को कहा। इसके बाद शिकायतकर्ता के पास एक ओटीपी आया। जिसको एप्लीकेशन में भर दिया था और फिर शिकायतकर्ता के बैंक एकाउंट से दो ट्रांजेक्शन के माध्यम से 1,49,728 रुपए कट गए। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने आरोपी सौरभ निवासी ग्राम चंदलिका मेदपुरा सुल्लान बिजनोर उप्र को रुद्रप्रयाग उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है।

आग में 40 झुग्गियां जलकर हुई खाक

गुरुग्राम। गांव वजीराबाद में अवैध रूप से बनी झुग्गियों में शनिवार दोपहर को अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल के अलग-अलग केंद्रों से 14 गाड़ियों को मौके भेजी गई। दमकल अधिकारियों की मानें तो दमकल कर्मियों ने करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस बीच करीब 40 झुग्गियां जलकर खाक हो गई। वहीं इस आगजनी करीब 30 सिलेंडर भी फटे, जिससे आग बुझाने के लिए परेशानी भी हुई। दमकल अधिकारी नवीन ने बताया कि तो प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि खाना बनाने के दौरान यहां आग लगी।

टेलीग्राम टास्क के नाम पर धोखाधड़ी का मामला

खाता उपलब्ध कराने वाला आरोपी पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

टेलीग्राम टास्क के नाम पर धोखाधड़ी के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने आरोपी विक्रम निवासी शकील नगर अलवर राजस्थान को अलवर से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ में सेक्टर-3 वासी व्यक्ति ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि उसके व्हाट्सएप पर टास्क पूरा करके पैसे कमाने का मैसेज आया। फिर उसके पास ठगों ने कुछ होटल के रिव्यू करने के लिए लिंक भेजे, जिन पर रेटिंग करने के बाद ठगों ने उसके खाता में 120 रुपए डाल दिए। फिर ठगों ने उसे टेलिग्राम से जोड़ा और कहा कि आगे के टास्क के लिए पैसे देने होंगे। शिकायतकर्ता ने टास्क करने शुरू किए। उसको 1,28,000 रुपए का टास्क दिया जिसके बदले ठगों ने उसे 2,56,000 रूपए देने की कही। टास्क पूरा करने के बाद ठगों ने उसे बोला की उसने टास्क पूरा करने में कोई गलती कर दी है जिसको ठीक करने के लिए उसे 2,18,000 रुपए और देने होगे, शिकायतकर्ता ने लालच में आकर पैसे ठगों के पास भेज दिए। जब शिकायतकर्ता ने पैसे निकालने के लिए बोला तो ठगों ने अंकाउट फ्रिज होने बारे बतलाया और 2,60,260 रुपए देने को कहा शिकायतकर्ता के मना करने के बाद 1,30,160 रुपए भेजने को कहा, जो शिकायतकर्ता ने ठगों के पास भेज दिए। ऐसा करके उसके साथ कुल 5,64,930 रुपए की ठगी हुई। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दर्ज की गई। गिरफ्तार आरोपी विक्रम से पूछताछ में सामने आया कि उसने संजय से खाता लेकर आगे किसी को कमीशन पर दिया था।

मामूली कहासुनी आपसी रंजिश में बदली, सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

युवक की गोली मारकर हत्या, शराब के ठेके के बाहर वारदात को दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बीती देर रात पुरानी रंजिश के चलते बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर की ऑफिस में काम करने वाले एक 26 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक युवक पिछले कई सालों से प्रापर्टी के ऑफिस में काम कर रहा था। पुलिस ने मृतक की मां की शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिवम कालोनी ईस्माईलपुर की रहने वाली संतोष ने पल्ला थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसका 26 साल का बेटा सूरज प्रापर्टी के ऑफिस में काम करता है। सूरज ने 2 दिन पहले मुझे बताया था कि बसंतपुर के ही रहने वाले सुखराज, गुल्लू, आकाश, उसका पीछा करते हैं और उसकी कभी भी हत्या की जा सकती है।

बीती रात को करीब एक बजे जब सूरज घर आ रहा था, सुखराज, गुल्लु, आकाश, अन्नु भड़ाना, आकाश भड़ाना, लखन राजपूत व साहिल के साथ करीब 8 अन्य लोगो ने उसके बेटे की गोलियां मारकर हत्या कर दी। मृतक सूरज के परिवार के लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले सूरज की इन लोगों के साथ किसी छोटी सी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। तभी से आरोपी उससे रंजिश रखे हुए थे। 17 मई की सुबह करीब 1 बजे जब सूरज घर आ रहा था। तो बसंतपुर में दुर्गा बिल्डर के पास शराब के ठेके के पास सूरज को घेर लिया और उस पर गोलियां चलाई गई। गोलियां लगने से सूरज गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुखराज, गुल्लु, आकाश, अन्नु भड़ाना, आकाश भड़ाना गांव बसंतपुर के रहने वाले है जबकि लखन राजपूत व साहिल गांव जैतपुर के रहने वाले है। मृतक के चाचा विजय ने बताया कि इन लोगों के साथ सूरज की आपसी कहासुनी हुई थी जिसको लेकर इन्होंने इस हत्या की घटना को अंजाम दिया है। सूरज अपने परिवार में सबसे छोटा था ।

चालक पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की

तेज रफ्तार कैंटर ने कंपनी कर्मी को कुचला, मौत, चालक पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-37 एरिया में बस के इंतजार में खड़े कंपनी कर्मी को तेज रफ्तार कैंटर ने कुचल दिया। हादसे कंपनी कर्मी की मौत हो गई। वहीं आरोपी चालक कैंटर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और चालक पर केस दर्ज कर लिया। पुलिस को दी शिकायत में हेलीमंडी के जयप्रकाश ने बताया कि उसका भाई वेदप्रकाश फरीदाबाद स्थित एक कंपनी में काम करता है। 17 साल से हेलीमंडी से अपने साथियों के साथ प्राइवेट वाहन से एनएच-48 द्वारका एक्सप्रेक्स फ्लाई ओवर के नीचे तक आता था। ओमप्रकाश शुक्रवार की सुबह करीब सवा छह बजे द्वारका एक्सप्रेक्स फ्लाई ओवर के नीचे फरीदाबाद जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था।

पहले बेरोजगार, फिर पिता की दुकान पर पासपोर्ट बनवाने लगे

जासूस बन बैठा कैराना का नोमान, 4 बार जा चुका है पाकिस्तान

कैराना के मोहल्ला बेगमपुरा निवासी नोमान इलाही पहले बेरोजगार था, फिर पिता का काम संभाला। यहीं से पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंट इकबाल काना के संपर्क में आया और पाकिस्तान का जासूस बन बैठा। जांच पड़ताल में खुलासा हुआ है कि वह अब तक चार बार पाकिस्तान जा चुका है।

एजेंसी ▶▶ शामली

कैराना के मोहल्ला बेगमपुरा निवासी नोमान इलाही पहले बेरोजगार था तो पिता की दुकान पर बैठकर पासपोर्ट बनवाने का काम करता था। पिता के साथ नोमान भी पासपोर्ट बनवाने लगा। पिता की मौत के बाद उसने यह काम तो बखूबी संभाल लिया लेकिन चंद रुपयों के लालच में वह पाकिस्तान के आईएसआई नेटवर्क से जुड़ गया और और देश के खिलाफ जाकर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने लगा।

पासपोर्ट बनाते-बनाते बना पाकिस्तान का जासूस

जांच पड़ताल में सामने आया है कि पासपोर्ट सेवा के बहाने नोमान ने सऊदी अरब, पाकिस्तान और अन्य देशों में जाने वाले लोगों के दस्तावेज बनवाए। इस दौरान वह आईएसआई एजेंट इकबाल काना के संपर्क में आया। नोमान जन सुविधा केंद्रों के माध्यम से फर्जी या संदिग्ध पासपोर्ट भी बनवा रहा था। जब पानीपत क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम जब उसे लेकर कैराना पहुंची तो उसके घर से आठ पासपोर्ट बरामद किए गए।

पाक में रिश्तेदारी या रैकेट?

नोमान वर्ष 2017 से पहले चार बार पाकिस्तान गया। वहां उसकी बुआ और मौसी रहती हैं, लेकिन जांच एजेंसियों को शक है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि इन यात्राओं की आड़ में वह आईएसआई हैंडलरों से मिलता रहा हो और देश विरोधी गतिविधियों के निर्देश प्राप्त करता रहा हो। वहीं नोमान की बहन का कहना है कि पाकिस्तान में रिश्तेदारों से डेढ़ माह पहले एक आमंत्रण को लेकर बात हुई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबसे ज्यादा सक्रिय रहा

पूछताछ में नोमान ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय पाकिस्तान की आईएसआई सबसे ज्यादा सक्रिय थी। सेना की गतिविधियों से लेकर संवेदनशील ठिकानों की जानकारी उसे मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए भेजी जाती थी। शक है कि अन्य एजेंट भी इस नेटवर्क का हिस्सा हैं।

बहन के घर रह रहा था पानीपत में हुई गिरफ्तारी

नोमान चार महीने से अपनी बहन जीनत के घर पानीपत में रह रहा था। यहीं पर एक फैक्टरी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था। हरियाणा पुलिस की खुफिया टीम ने उसे वहीं से गिरफ्तार किया। बाद में उसे यूपी पुलिस के हवाले किया गया। अब जांच दिल्ली, हरियाणा, देहरादून, शामली और पानीपत तक फैल चुकी है।

आईएसआई नेटवर्क में यूपी के सबसे ज्यादा युवक सक्रिय

जांच एजेंसियों का मानना है कि इस जासूसी रैकेट में उत्तर प्रदेश, खासतौर पर शामली और कैराना क्षेत्र के युवक बड़ी संख्या में शामिल हैं। हरियाणा, दिल्ली और देहरादून से भी लिंक सामने आए हैं। फेरीवाले, प्राइवेट जॉब करने वाले और जन सुविधा केंद्र ऑपरेटर इस नेटवर्क की आड़ बनते हैं।

खबर संक्षेप

अंतिम संस्कार में गए पिता-पुत्र सहित 3 डूबे

सासाराम। नौहट्टा थाना क्षेत्र के नवारा गांव के समीप एक महिला के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए तीन लोग डूब गए। सभी उदय शर्मा की माता के निधन पर अंतिम संस्कार के लिए गए थे। इस बीच नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले गए और एक-एक कर तीन डूब गए।डूबने वालों में नागेश्वर शर्मा, उनका पुत्र रंजन शर्मा और रितेश शर्मा शामिल हैं।

कुलपति बनी रहेंगी प्रो. नईमा खातून

अलीगढ़। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एएमयू की पहली महिला कुलपति प्रो. नईमा खातून की नियुक्ति को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज करते हुए उनकी नियुक्ति को वैध ठहराया है। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने कहा कि नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया एएमयू अधिनियम, विनियमों और प्रावधानों के अनुरूप हुई। यद्यपि प्रो. खातून के पति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने कार्यवाहक कुलपति के रूप में कुछ बैठकों की अध्यक्षता की थी।

योगी सरकार सुदृढ़ करेगी आयुष चिकित्सा पद्धति

यूपी के प्रत्येक मंडल में स्थापित किए जाएं आयुष महाविद्यालय, जिलों में हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयुष विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने बैठक में निर्देश दिया कि प्रत्येक मंडल में एक इंटीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय की स्थापना सुनिश्चित की जाए। जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी समेत आयुष की सभी पद्धतियों की शिक्षा को एक ही परिसर में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल आयुष चिकित्सा पद्धति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य-आधारित शिक्षा प्रणाली को भी सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने सरकारी आवास पर आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। सभी आयुष संस्थानों में नेचुरोपैथी और योग सेंटर की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाए और सभी स्वीकृत शैक्षणिक व चिकित्सकीय पदों को शत-प्रतिशत भरने की कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जनपद में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर प्रारंभ किए जाएं, जो सरकारी या पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में संचालित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से हो और प्रदेश भर में आयुष विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी प्राथमिकता से पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री ने सरकारी आवास पर आयोजित की समीक्षा बैठक

एमओयू के माध्यम से चिकित्सालयों में हो आयुष दवाओं की नियमित आपूर्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि डाबर, वैद्यनाथ और पतंजलि जैसी आयुर्वेदिक उत्पादक संस्थाओं के साथ एमओयू कर सभी आयुष चिकित्सालयों में आवश्यक दवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी मरीज को चिकित्सकीय उपचार के लिए दवा की कमी न हो।

सभी आयुष संस्थानों की निरंतर करें निगरानी

आयुष विभाग के अधिकारियों ने बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्तमान में प्रदेश में 2,127 आयुर्वेदिक, 259 यूनानी और 1,598 होम्योपैथिक चिकित्सा संस्थान संचालित हैं, जो आयुष सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इन संस्थानों की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग की जाए और आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

उन्होंने निजी क्षेत्र को भी आयुष शिक्षा के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निजी निवेशकों को आयुष सेक्टर में निवेश के लिए आकर्षित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निजी क्षेत्र में संचालित आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों के बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, फैकल्टी एवं स्टाफ की गुणवत्ता का गहन परीक्षण कराया जाए ताकि कोई कमी न रह जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद में पंचकर्म जैसी विशिष्ट पद्धतियां गंभीर बीमारियों के उपचार में अत्यंत प्रभावी हैं। इन पद्धतियों को प्रदेश के सभी आयुष संस्थानों में बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा की लोकप्रियता को देखते हुए यह समय है जब भारत की परंपरागत चिकित्सा को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत कर वैश्विक मंच पर स्थापित किया जाए।

बिहार चुनाव की तैयारियां तेज

चुनाव आयुक्त ने मोतिहारी में ईवीएम एफएलसी सेंटर का लिया जायजा

एजेंसी ▶▶ मोतीहारी

चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शनिवार को ईवीएम/विविपैट की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) सेंटर का जायजा लिया। इस दौरान वहां चल रहे एफएलसी कार्य का बहुत ही बारीकी से जायजा लिया गया। उन्होंने ईसीआईएल के अभियंताओं से एफएलसी से संबंधित सभी चीजों की जानकारी मांगी और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आगामी बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की तैयारी को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में ईवीएम/विविपैट की प्रथम स्तरीय जांच की जा रही है। यह जांच ईसीआईएल के 18 अभियंताओं के द्वारा की जा रही है।

मोतीहारी में 7209 बीयू, 5613 सीयू

इस दौरान डीएम सौरभ जोरवाल ने बताया कि जिला में कुल 7209 बीयू, 5613 सीयू तथा 6058 वीवीपैट उपलब्ध है। ईसीआईएल के 18 अभियंताओं के द्वारा पिछले 2 मई से एफएलसी का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य 24 मई तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक 4380 बीयू, 4380 सीयू तथा 4380 वीवीपीएटी का एफएलसी कार्य किया जा चुका है। इस दौरान 431 बीयू , 47 सीयू तथा 36 वीवीपैट को रिजेक्ट किया गया है। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम ने बताया कि एफएलसी का कार्य आयोग से प्राप्त दिशा निर्देश और प्रोटोकॉल के अनुसार कराया जा रहा है।

12 दिन बंद रहेंगी बिहार-झारखंड रूट की 2 ट्रेनें

रांची। झारखंड और बिहार के बीच चलने वाली दो ट्रेनें 2 हफ्तों के लिए बंद रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए रेलवे ने बताया कि गम्हरिया और सीनी स्टेशन के बीच लाइन ब्लॉक के कारण पुरी–ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस और दुर्ग–आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस 12-12 दिन तक अप-डाउन में टाटानगर स्टेशन नहीं आएंगी। इससे दो महीने पहले टिकट बुक करा चुके बिहार और छत्तीसगढ़ के यात्रियों को काफी परेशानी होगी। रेलवे के अनुसार साउथ बिहार एक्सप्रेस आरा से 20, 27 मई और 3, 10, 17, 24 जून तथा दुर्ग से 24, 31 मई और 7, 14, 21, 28 जून को टाटानगर नहीं आएगी।

कहा- हमारी और अनुदेशकों की भी करें चिंता

शिक्षकों के बाद अब समर कैंप के विरोध में उतरे शिक्षामित्र

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) व सेल्फ फाइनेंस माध्यमिक विद्यालयों में समर कैंप को लेकर मिली राहत के बाद अब बेसिक विद्यालयों में समर कैंप के आयोजन का विरोध बढ़ गया है। गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप आयोजन करने का शिक्षामित्रों व अनुदेशकों ने विरोध किया है।

विभिन्न शिक्षक व शिक्षामित्र संगठनों ने भीषण गर्मी व सुविधाओं के अभाव में समर कैंप का आयोजन को अव्यवहारिक बताया है। उन्होंने कहा कि यह छोटे बच्चों के स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के साथ भी खिलवाड़ है। 21 मई से प्रस्तावित समर कैंप में शिक्षामित्रों-अनुदेशकों की ही ड्यूटी लगाना, उनके साथ सौतेला व्यवहार है। नियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के मनोज मौर्य ने कहा कि पहले से ही गर्मी की वजह से बहुत कम बच्चे स्कूल आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली बहुत कम आती है। वहीं विद्यालयों में संसाधन भी नहीं हैं। हर जूनियर विद्यालय में अनुदेशक भी नहीं हैं। शिक्षक शिक्षामित्र उत्थान समिति के प्रदेश सचिव उबैद अहमद सिद्दीकी ने शिक्षामित्रों को ही समर कैंप के आयोजन में लगाने का विरोध किया है। आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के राम सागर ने कहा कि विभाग यह बताए कि क्या शिक्षामित्र-अनुदेशकों को लू नहीं लगती है। उनके स्वास्थ्य के लिए कौन जिम्मेदार होगा। बता दें कि परिषदीय विद्यालयों में 21 मई से 15 जून के बीच विद्यालयों में समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। विभाग ने इसके लिए शिक्षामित्र अनुदेशकों को ही तैनात करने का निर्देश दिया है।

मुख्य संगठनों ने शिक्षामित्रों के मुद्दे पर साधी चुप्पी

शिक्षामित्रों के हक-हुकूक आदि की मांग उठाने व उनका नेतृत्व करने वाले प्रदेश में दो मुख्य संगठन हैं। इसमें उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ व उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ है। किंतु इन दोनों संगठनों ने सिर्फ शिक्षामित्रों-अनुदेशकों के भरोसे ही समर कैंप के आयोजन को लेकर कोई बयान तक नहीं जारी किया। उनकी लड़ाई लड़ना तो दूर की बात है।

यूपी चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुरू की तैयारी

बनेगा 5 स्तरीय संगठन, 100 दिवसीय अभियान चलेगा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

कांग्रेस ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। बूथवार मतदाताओं को जोड़ने, पुराने कांग्रेसियों को जगानों, जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने के लिए 100 दिवसीय अभियान चलेगा। यह फैसला लिया गया शनिवार को लखनऊ के गांधी भवन में आयोजित संगठन सृजन कार्यशाला में।

कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यशाला कई मामले में अहम रही। लंबे समय बाद राष्ट्रीय, प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों और विभिन्न जिलों व शहरों से आए कांग्रेस नेता एक जाजम पर बैठे नजर आए। मंच पर उसे ही चढ़ने दिया गया, जिसे संबोधन के लिए बुलाया गया। दलितों और पिछड़ों के मुद्दों को कांग्रेस ने अपनी प्राथमिकता बताई। बदली परिस्थितियों को देखते हुए विभिन्न जिलों से आए कांग्रेस के नेता उत्साहित नजर आए। उनके चेहरे पर इस बात की खुशी थी कि कांग्रेस एक बार फिर नए सिरे से सृजित होने को तैयार है। उद्घाटन के दौरान महात्मा गांधी के साथ डा.

भीमराव आंबेडकर की तस्वीर रखी गई। वंदे मातरम के साथ जयभीम और डा. आंबेडकर के नारे लगे। पाकिस्तान संघर्ष में शहीद हुए सैनिकों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। वक्ताओं ने संकल्प दिलाया कि 2027 में प्रदेश में सरकार बनाने के लिए संघर्ष किया जाएगा। संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करेंगे। हर जिले में पार्टी का वार रूम बनेगा। जातीय जनगणना के मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आभार जताया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का वीडियो संदेश सुनाया गया। कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन डॉ अनिल जयहिन्द ने सामाजिक न्याय पर आधारित तेलंगाना मॉडल को विकास का सर्वोत्तम मॉडल बताया।

यूपी में भीषण गर्मी को लेकर दी चेतावनी

योगी सरकार ने हीटवेव को लेकर जारी की एडवाइजरी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समूचे देश के अधिकतर हिस्सों में गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और भीषण लू के बीच नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की है। सीएम योगी ने राहत और स्वास्थ्य विभागों को अलर्ट रहने पर कहा और लोगों को हर स्तर पर सतर्क रहने की सलाह दी है।

बढ़ते तापमान को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने गाइडलाइंस जारी की है। लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। लोगों से धूप से बचने को कहा गया। साथ

ही अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी है। ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और लू न लगे। हल्के रंग के कपड़े पहने की सलाह दी गई।

तेज बुखार या किसी और तरह के लक्षण दिखने के बाद लोगों से पास के स्वास्थ्य केंद्रों से संपर्क करने और बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखने को कहा गया।

सहरसा में तूफान का कहर, 100 परिवार बेघर

गया जी में तेज आंधी और बारिश में 3 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ गयाजी/सहरसा

बिहार के गया जी जिले में अचानक बदले मौसम के बाद तेज आंधी और बारिश में तीन लोगों की मौत हो गई। आमस के महुआवां में वज्रपात से एक मजदूर जान चली गई। जो सूरज डोभी के औरा गांव का निवासी था। वहीं गुरुआ के सिद्धार्थपुर में तेज आंधी में दीवार गिरने से एक किशोर रंजित कुमार की मौत हो गई, जबकि दो किशोर घायल हो गए। वहीं आंधी में ईंट गिरने से रामुदित शर्मा की मौत हो गई।

वहीं सहरसा में चक्रवाती तूफान ने तबाही मचाई, जिसमें सैकड़ों परिवार बेघर हो गए। नौहट्टा के चुटिया थाना क्षेत्र के तिअरा खुर्द पंचायत में एक किलोमीटर के दायरे

में शनिवार दोपहर उठे चक्रवाती तूफान ने भारी तबाही मचाई। 100 से अधिक परिवार बेघर हो गए।

तूफान इतना तेज था कि वार्ड नंबर पांच की पानी टंकी, आधा दर्जन पोल, एक ट्रांसफार्मर सहित कई पेड़ उखड़ गए। हालांकि जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। बताया जाता है कि नौहट्टा-यदुनाथपुर पथ पर एक पेड़ गिर गया, जिससे आवागमन बाधित हो गया था।

पेज एक का शेष

वॉट्सएप, स्नैप चैट, टेलीग्राम ...

सूचनाएं उन तक पहुंचाने लगी। ज्योति ने पूछताछ में बताया कि वह पाकिस्तानी इंटेलीजेंस ऑप्रेटिव के संपर्क में भी है। अहसान उर रहीम उफ दानिश को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने जासूसी के आरोप में पर्सन नोन ग्राटा घोषित किया हुआ है। ज्योति को भी पर्सन नोन ग्राटा घोषित किया गया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार दोपहर बाद उसे अदालत में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है।

7 राजनीतिक दिग्गजों की...

कांग्रेस-भाजपा में तकरार: यहां बता दें कि इस मामले में केंद्र द्वारा स्वतः ही विभिन्न दलों के नेताओं के नामों का चयन करने को लेकर कांग्रेस सरकार (भाजपा) पर हमलावर है। पार्टी ने सबसे बड़ी आपत्ति सरकार द्वारा शशि थरूर के नाम के चयन को लेकर जताई है। कांग्रेस का केंद्र पर ये आरोप है कि उसने जिन चार नेताओं के नाम पार्टी की तरफ से भेजे थे। उन्हें प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं बनाया गया। सरकार ने बिना पार्टी से विचार-विमर्श किए यह निर्णय लिया है। कांग्रेस ने गौरव गोगोई, आनंद शर्मा, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के नाम सरकार को सौंपे थे। उधर, केंद्र यानी भाजपा का कहना है कि उसने प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न दलों के ऐसे नेताओं का सोच-विचार कर चयन किया है। जिन्हें मुखर माना जाता है।

अगर कोई दुस्साहस...

विश्व कल्याण ही हमारा धर्म है : पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि भारत किसी के प्रति कोई द्वेष नहीं रखता है। लेकिन दुनिया प्रेम की भाषा तभी सुनती और समझती है, जब आपके पास शक्ति होती है। यह दुनिया का स्वभाव है, जिसे बदला नहीं जा सकता। इसलिए दुनिया के कल्याण के लिए जरूरी है कि भारत शक्तिशाली बने। भागवत ने कहा कि अब दुनिया ने हमारी ताकत देख ली है। आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि विश्व कल्याण हमारा धर्म है। उन्होंने कहा कि यह विशेष रूप से हिंदू धर्म का कर्तव्य है। भागवत के अनुसार यह हमारे ऋषियों की परंपरा थी, जिसे आज संत आगे बढ़ा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज सिंह ने लगाई मुहर

ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की बोर्ड बैठक में किसानों के हक में लिया बड़ा फैसला

एजेंसी ▶▶ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की शनिवार को 139वीं बोर्ड बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता यूपी के मुख्य सचिव मनोज सिंह ने की। मुख्य सचिव ने बैठक में किसानों के हक में एक बड़ा फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि किसानों के बैकलीज मामलों को अब बोर्ड में नहीं भेजा जाएगा। अथॉरिटी के सीईओ खुद प्रकरणों का निपटारा करेंगे।

ग्रेटर नोएडा। यूपी के मुख्य सचिव और नोएडा-ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की 139वीं बोर्ड बैठक हुई। मुख्य सचिव इस बोर्ड बैठक में ऑनलाइन जुड़े। नोएडा के सीईओ डॉ. लोकेश एम व कई अन्य अधिकारी भी बोर्ड बैठक में ऑनलाइन जुड़े। बैठक में किसानों के पक्ष में लीज बैक के प्रकरणों में बोर्ड के निणयों की लिपिकीय त्रुटि (जैसे लाभार्थी का नाम, एरिया आदि) को संशोधित करने का अधिकार सीईओ की तरफ से गठित समिति को देने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने अनुमति दे दी।

बैकलीज मामलों को सुलझाने में नहीं होगी देरी

बताया जा रहा है कि अब लीजबैक में लिपिकीय त्रुटि को संशोधित करने के लिए हर बार एजेंडा बोर्ड के समक्ष नहीं रखा जाएगा, बल्कि लिपिकीय त्रुटि को संशोधित करने का अधिकार सीईओ की तरफ से गठित समिति को दे दिया गया है। अभिलेखों की जांच के उपरांत समिति के संस्तुति पर सीईओ लिपिकीय त्रुटि को अनुमोदित कर देंगे और इसे यहीं दुरुस्त कर लिया जाएगा। इससे बैकलीज में देरी नहीं होगी।

समिति का होगा गठन

बोर्ड के अनुसार किसानों के बैकलीज के प्रकरणों पर लिपिकीय त्रुटि (जैसे लाभार्थी का नाम, एरिया आदि) को संशोधित करने के लिए सीईओ को अधिकृत कर दिया गया है। इसके लिए सीईओ की तरफ से एक समिति गठित की जाएगी। अभिलेखों की जांच कर समिति के संस्तुति के आधार पर सीईओ के अनुमोदन से ही लिपिकीय त्रुटि को दुरुस्त कर लिया जाएगा। इसके लिए अब बोर्ड बैठक से अनुमति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

डिजिटल डिवाइसेस की लत
उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

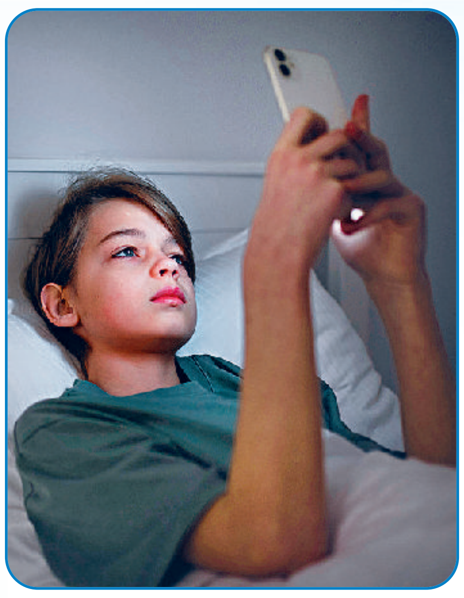

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

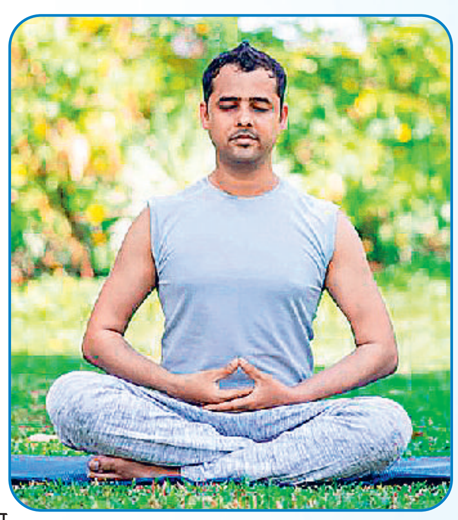

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं।

सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

...जो होना था

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे बीज, खाद और उत्पादन वृद्धि के लिए शासन देगा प्रोत्साहन

श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाएं किसान, सरकार खरीदेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में रागी, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, मक्का जैसे श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाया जाए और किसानों को श्रीअन्न उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। किसानों की ओर से उत्पादित श्रीअन्न अब सरकार खरीदेगी। उन्होंने कहा कि तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे किस्म के खाद, बीज और उत्पादन वृद्धि के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाए। इसके लिए किसानों को फसल अनुदान देने और उनकी फसल का बीमा कराने जैसे नवाचार भी किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव सहकारिता अशोक बर्णवाल, सचिव कृषि एम. सेल्वेन्द्रम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खास बातें

- सभी मंडियों का विभागीय अधिकारियों से विजिट कराएं, प्रबंधन पर दें विशेष ध्यान
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की समीक्षा

फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी बनाने के लिए भी करें प्रयासः मुख्यमंत्री

मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी मंडियों का विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों से आकस्मिक निरीक्षण कराएं। मंडियों की व्यवस्थाओं को और भी बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार करें। कृषि उपज मंडी के अलावा अब फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी या अन्य विशेष पैदावार की मंडी स्थापना के लिए भी प्रयास किए जाएं। इसके लिए रोडमैप तैयार किया जाए और यदि आवश्यकता है तो इसमें प्रायवेट सेक्टर को भी सम्मिलित किया जाए।

आदर्श बनें मध्य प्रदेश की कृषि उपज मंडियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की कृषि उपज मंडियों को आदर्श बनाया जाए। मंडियों में कृषि आधारित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। मंडियों में किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंडी में अपनी फसल बेचने आने वाले हर किसान को उसकी उपज का सही दाम मिले, किसी का भी नुकसान न होने पाए। मंडियों को और अधिक आधुनिक बनाया जाए यहां किसानों को उनके उपज में गुणवत्ता संवर्धन के बारे में भी बताया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियां अपने विकास कार्यों के लिए आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्थानीय निकायों से नई मंडियों की स्थापना, फसल भण्डारण क्षमता बढ़ाने के लिए समन्वय करें, जिससे किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अधिक सुविधाएं मिल सकें।

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए खरपतवारनाशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा मिले।

26,27 एवं 28 मई को नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का किया जाएगा सम्मेलन

सचिव कृषि ने जानकारी दी कि आगामी 26, 27 एवं 28 मई को जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का सम्मेलन सह विशाल कृषि मेला लगेगा। आयोजन में कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जानकारी के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नति किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी सहित उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नरसिंहपुर के बाद 8 से 10 जून तक सतना में विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है।

तीन फसलों को जल्द ही मिलेगा जीआई टैग

राज्य शासन की प्रगतिशीलता से प्रदेश में उत्पादित होने वाली 3 फसलों को बहुत जल्द जीआई-टैग मिल जाएगा। सचिव कृषि ने बताया कि डिंडोरी जिले की नागदमन कुटकी, सिताही कुटकी और बैंगनी अरहर की फसल को जीआई टैग परीक्षण के लिए भेजा गया है, उम्मीद है कि जल्द ही इन फसलों को जीआई टैग प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू करने के बाद प्रदेश में बीते एक अप्रैल 2025 से प्रदेश की सभी 259 मंडियों में ई-मंडी योजना भी लागू कर दी गई है। सभी मंडियों में अब डिजिटल तरीके से रिकार्ड कीपिंग की जा रही है।

खबर संक्षेप

डेंगू दिवस पर बताए लक्षण, बचाव के तरीके

भोपाल। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। रैलियां निकाल कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए। कार्यशालाओं में डेंगू के लक्षण और बचाव के तरीके बताए गए। डेंगू दिवस 'देखें, साफ करें, ढकें: डेंगू को हराने के उपाय करें' की थीम पर मनाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन की समय-सारणी जारी की है। विभाग ने समय-सारणी तालिका में आंशिक संशोधन किया है। स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की नियत सीमा 16 मई से बढ़ाकर अब 21 मई की गई है। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 25 मई नियत की गई है।

प्रदेशवासी लें जल जमाव रोकने का संकल्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' पर कहा कि स्वस्थ मप्र के संकल्प को साकार करने के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार ही हमारा सबसे कारगर हथियार है। मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे डेंगू का मुकाबला करने के लिए स्वच्छता को अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक यह प्रण लें कि अपने आस-पास कहीं पर भी जल जमाव नहीं होने देंगे। मच्छरों से बचाव और डेंगू के लक्षण व इलाज के प्रति समाज को जागरूक करेंगे।

पन्ना टाइगर रिजर्व में तेंदुआ शावक की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में परिक्षेत्र पन्ना बफर की झिन्ना बीट के कक्ष क्रमांक पी 282-283 की सीमा पर मादा तेंदुआ शावक का शव मिला है। मादा तेंदुआ शावक की आयु लगभग 4 माह बताई जा रही है। चिकित्सकों द्वारा ऐसी आशंका जताई गई है कि मादा तेंदुआ शावक की मौत किसी अज्ञात बीमारी के कारण हुई है। हालांकि मौत के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

दो पड़ोसी परिवार आपस में लड़े, मामला दर्ज

दुर्ग। कैलाश नगर में रहने वाले दो परिवार के बीच कचरा फेंकने को लेकर पहले कहासुनी से शुरू हुई। कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। इस मारपीट में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जामुल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इंदौर में आयोजित टैक्सटाइल एक्सपो में सीएम डॉ. यादव ने किया संवाद

श्रमिक, आवागमन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण निवेश के लिए मध्य प्रदेश सबसे अनुकूल

▶ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कहा, कारखाने हमारे लिए मंदिर की तरह, इससे मिलता है रोजगार, नागरिक होते हैं लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश के बीच में होने, श्रमिकों, सड़क और अन्य आवागमन सुविधाओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण औद्योगिक निवेश के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। गुजरात राज्य हमारे लिए आदर्श है। गुजरात की तर्ज पर मप्र भी उद्योगों के विकास का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बीते दिनों बेंगलुरू में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) द्वारा प्रदेश के रायसेन जिले में मेट्रो और रेल कोच निर्माण इकाई की स्थापना के लिए की गई पहल पर त्वरित कार्रवाई कर कुल 60.063 हेक्टेयर भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया। यह प्रदेश की उद्योग संवर्धन और निवेश वृद्धि की पारदर्शी नीति का नवीनतम उदाहरण है। मध्यप्रदेश उद्योगों के अनुकूल नीतियों को लागू कर उस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शामिल है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम इंदौर में टेक्सटाइल एक्सपो को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी की नीतियों से आया परिवर्तन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से देश का समूचा परिदृश्य बदल गया है। उद्योगों के विकास के साथ धन के अर्जन के साथ मानवीय पक्ष को महत्व देने की भारतीय संस्कृति रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारखाने हमारे लिए मंदिर की तरह हैं। देवालय और मंदिर जिस तरह श्रद्धा का केंद्र होते हैं, उसी तरह कारखाने बड़े वर्ग को लाभान्वित करने के पवित्र भाव के साथ संचालित होते हैं। शासन द्वारा लागू अनुकूल नीतियों और सुशासन का लाभ उद्योगों को दिलाने के लिए मध्यप्रदेश में विशेष अभियान चल रहा है। मध्यप्रदेश में जो उद्योगपति आते हैं वे यहीं के होकर रह जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष मध्यप्रदेश के सभी संभागों में रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गईं। इसके बाद इस वर्ष फरवरी में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन हुआ। इन प्रयासों से 30 लाख हजार करोड़ से अधिक का निवेश लाने में सफलता मिली। अब विभिन्न सेक्टर को ध्यान में रखकर उद्योग संवर्धन कार्यक्रम हो रहे हैं। यह क्रम निरंतर चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में टैक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखा जाएगा। इंदौर इसका प्रमुख केंद्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर, उज्जैन ,देवास, मक्सी आदि क्षेत्रों को मिलाकर इंदौर मेट्रोपोलिटिन एरिया विकसित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश निवेश के लिए उभरता हुआ केंद्र

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश का बेहतर वातावरण है। यहां कहीं भी किसी बात के लिए उद्योगपतियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। यहां पर सभी अनुमतियों को लेख सेवा केंद्र के माध्यम से नियत समय सीमा में दिए जाने का प्रावधान किया गया है। यहां 30 दिन में उद्योग को प्रारंभ कर सकते हैं साथ ही टैक्सटाइल एंड गारमेंट्स सेक्टर में विशेष अतिरिक्त इंसेंटिव्स दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के औद्योगिक योगदान और पर्यावरणीय दृष्टिकोण को सम्मानित करते हुए मेटेक्सिल के चेयरमैन शालीन तोशनीवाल ने स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट किए। एक्सपोर्ट पोटेंशियल मैन मेड फाइबर टैक्सटाइल्स, होम टक्सटाईल्स एण्ड टेक्निकल टैक्सटाइल मध्यप्रदेश सेमिनार मैटेक्सिल के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर ए. रवि कुमार ने मैटेक्सिल की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही भारत टैक्स-2026 की रूपरेखा बताई। मैटेक्सिल के पूर्व चेयरमैन संजीव सरन ने मेटेक्सिल की भूमिका और भारत टेक्स जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वर्तमान चेयरमैन शालीन तोषनीवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मैटेक्सिल की आगामी योजनाओं की जानकारी दी। सेमिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से आए टैक्सटाइल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश को निवेश की दृष्टि से एक उभरते केंद्र के रूप में देखा। तकनीकी-सत्रों में टैक्सटाइल क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा मध्यप्रदेश से मैनमेड फाइबर टैक्सटाइल, होम टैक्सटाइल और टेक्निकल टैक्सटाइल के निर्यात की संभावनाओं प्रशांत अग्रवाल (प्रबंध निदेशक, वज़ीर एडवाइजर्स) और धीरज शाह पूर्व चेयरमैन मेटेक्सिल व चेयरमैन, फेयरडील टैक्सटाइल पार्क, सूरत ने अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए।

एलन कोटा में सरकारी स्कूलों के छात्रों को मिलेगी नीट की नि:शुल्क कोचिंग, शिक्षा संबल योजना के आवेदन शुरू

कोटा। एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास एवं एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा संबल योजना की वर्ष 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। योजना के दूसरे वर्ष नीट-2026 के लिए पोस्टर का विमोचन एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के संकल्प कैम्पस में किया गया। इस अवसर पर एलन के निदेशक डॉ.गोविन्द माहेश्वरी, डॉ.नवीन माहेश्वरी व डॉ.बृजेश माहेश्वरी मौजूद रहे। योजना के बारे में जानकारी देते हुए न्यास के ट्रस्टी डॉ.नवीन माहेश्वरी ने बताया कि देश के 7 हिन्दी भाषी राज्यों के सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम के चयनित विद्यार्थियों को नीट-2026 की तैयारी के लिए निशुल्क शिक्षा, आवास और भोजन सुविधा के लिए यह योजना का दूसरे वर्ष है। परीक्षा में सत्र 2024-25 में जीव विज्ञान विषय से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 7 जून है तथा 22 जून को देश के 7 राज्यों में 63 परीक्षा केन्द्रों पर होगी।

गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी गीतम और पेन स्टेट विवि में अकादमिक व शोध सहयोग के लिए हुआ समझौता

- प्रो. वाई. गौतम राव ने शिक्षण के साथ-साथ शोध पर गीतम के बढ़ते फोकस पर डाला प्रकाश, विवि ने 16 शोध केंद्र स्थापित किए

विशाखापत्तनम। गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने शोध, शिक्षण और शिक्षा में सहयोगात्मक अवसरों का पता लगाने के लिए प्रतिष्ठित पेन स्टेट यूनिवर्सिटी (पीएसयू), पेंसिल्वेनिया, यूएसए के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। चांसलर प्रो. डेविड एम. कैलेजो पेरेज और अकादमिक मामलों के अंतरिम कुलपति प्रो. वाहिद मोटेवल्ली के नेतृत्व में पीएसयू टीम ने गीतम के नेतृत्व दल के साथ उत्पादक चर्चा की, जिसमें प्रो वाइस चांसलर प्रो. वाई. गौतम राव, जीआईएमएसआर प्रो वाइस चांसलर डॉ. बी. गीतांजलि, रजिस्ट्रार प्रो. डी. गुनाशेखरन और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे। दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल ने जीआईटीएएम में प्रमुख अनुसंधान और नवाचार सुविधाओं का भी दौरा किया, जिनमें मूर्ति (अनुवादात्मक पहल पर अनुसंधान की बहुविषयक इकाई), सीएटीएस (उन्नत प्रौद्योगिकी समाधान केंद्र) और विभिन्न शैक्षणिक विभाग शामिल थे। प्रो. वाई. गौतम राव ने शिक्षण के साथ-साथ शोध पर गीतम के बढ़ते फोकस पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने 16 शोध केंद्र स्थापित किए हैं और 300 से अधिक शोध परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गीतम शैक्षणिक वर्ष 2026-27 तक एक स्कूल ऑफ एजुकेशन शुरू करने की योजना बना रहा है।

ट्रैक्टर पलटने से मासूम की मौत

रायगढ़। रायगढ़ में शनिवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने की घटना में एक मासूम बच्चे की मौत हो गई वहीं उसके माता-पिता घायल हो गए हैं। उक्त मामला तमनार थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कसडोल निवासी बसंत धनवार 26 साल अपने पत्नी आहिल्या धनवार 24 साल और अपने दो साल के बच्चे तरुण धनवार के साथ मिट्टी कटिंग काम के लिए निकले थे। इस दौरान सुबह 8 बजे जब वे कसडोल घटोरिया मंदिर के समीप पुल के पास पहुंचे ही थे कि ट्रेक्टर चालक अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वे चलती ट्रेक्टर से कूद गए। इस घटना में अधिक चोट लगने की वजह से मासूम बच्चे तरुण धनवार की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसके माता-पिता घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही तमनार पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

व्यवसायी, ज्वेलरी शॉप मालिक, सिविल ठेकेदार, मेडिकल स्टोर संचालक, शासकीय कर्मचारियों को बनाया शिकार

खुद को पूर्व अफसर बताकर करोड़ों ठगने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ठगी के मामले में आरोपी द्वारा खुद को पूर्व सैनिक व खाद्य अधिकारी बतलाकर एक फाइनेंशियल धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने स्थानीय लोगों को विदेशी मुद्रा (डॉलर) में इन्वेस्टमेंट कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपए की ठगी कर ली। ठगी का यह मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मामले में पीड़ितों से मिली शिकायत के आधार पर ठगी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। शिकायतकर्ताओं में किराना व्यवसायी, ज्वेलरी शॉप मालिक, सिविल ठेकेदार, मेडिकल स्टोर संचालक, यहां तक कि सरकारी सेवक भी शामिल हैं, जो प्रह्लाद राठौर की चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर अपनी खून-पसीने की कमाई गंवा बैठे प्रहलाद राठौर ने लोगों को यह विश्वास दिलाया कि

वह एक विदेशी फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनी में उनके पैसे डॉलर में इन्वेस्ट कर रहा है और हर महीने 5% से 10% का निश्चित मुनाफा मिलेगा। उसने यहां तक कहा कि 6 महीने में पैसा डबल हो जाएगा और वह खुद इस इन्वेस्टमेंट की गारंटी लेगा। शुरुआत में कुछ लोगों को 2000-4000 रुपए महीना रिटर्न मिला भी, जिससे उनका विश्वास और इन्वेस्टमेंट दोनों बढ़ता गया। परंतु कुछ महीनों बाद रिटर्न आना बंद हो गया और प्रहलाद ने लोगों के फोन उठाना बंद कर दिया।

करोड़ों की संपत्ति खड़ी की

लोगों के पैसे से प्रहलाद राठौर ने करोड़ों रुपए की संपत्ति अपने और अपने परिवार के नाम पर खरीद ली। वह अब 60 लाख की लग्जरी कार में घूमता था और उसने बैको लोडर जैसी महंगी मशीनें भी खरीदी है। पहले जो दूसरों की गाड़ियों में घूमता था, अब खुद मालिक बन बैठा। जब वह पेंड्रारोड रजिस्ट्री ऑफिस में एक जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचा, तब कुछ ठगी के शिकार लोगों ने उसे पहचान लिया और वहीं से पकड़कर सीधे गौरेला थाना लेकर पहुंच गए। जैसे ही खबर फैली, ठगी के और भी शिकार लोग थाने पहुंचने लगे गौरेला पुलिस ने ठगी करने वाले प्रहलाद राठौर के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंक खाता भी खुलवाया, बांग्लादेशी रिश्तेदारों के संपर्क में भी थे

अवैध ढंग से रह रहे बांग्लादेशी पति-पत्नी पुलिस गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र में अवैध रूप से निवासरत बांग्लादेशी पति पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह दंपति वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत बांग्लादेश सीमा से प्रवेश कर अपनी पहचान छिपाते हुए सुपेला में नाम बदल कर निवासरत थे। दोनों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर आधार और पैन कार्ड सहित वोटर आईडी बनाकर बैंक का खाता भी खुलवा लिया था। कुछ दिनों पूर्व भी भिलाई से पन्ना बीवी नाम की बांग्लादेशी महिला की भी गिरफ्तारी हुई है। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अवैध रूप से भिलाई में रह रहे शाहीदा खातून उर्फ ज्योति एवं मो. रासेल शेख इंटरनेट कॉल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से बांग्लादेश स्थित परिजनों से सतत संपर्क बनाए हुए थे। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1946 एवं भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 एवं पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 के तहत कार्रवाई की गई है।

रोहिंग्याओं के लिए एसटीएफ का गठन

उन्होंने बताया कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर कार्रवाई के लिए एसटीएफ का गठन किया गया है। एसटीएफ को 16 मई को जानकारी प्राप्त हुई कि पांच रास्ता कांट्रेक्टर कालोनी सुपेला में स्थित एक मकान में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला एवं उसके पति अपना मूल पहचान छुपाते हुए ज्योति एवं रासेल शेख के नाम से रह रहे हैं। एसटीएफ टीम के द्वारा दुर्गा बाई के मकान में रह रही महिला एवं उसके पति से पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपना नाम ज्योति एवं रासेल शेख मूल निवासी ग्राम मोमिनपुर थाना स्वरूपनगर जिला उत्तर-24 परगना पश्चिम बंगाल का होना बताया।

संदेहास्पद पाया गया आधार कार्ड

उनके द्वारा यह बताया गया है वे वर्ष 2009 से 2017 तक नवी मुंबई ठाणे में रहे। फिर शादी पार्टी में कार्य करने हेतु वर्ष 2017 से लगातार भिलाई में रह रहे थे। पुलिस ने दोनों का आधार कार्ड की जांच की गई जिसमे संदेहास्पद पाया। पुलिस के सख्ती बरतने पर महिला ने अपना मूल नाम शाहीदा खातून एवं उसके पति द्वारा स्वयं का नाम मो. रासेल शेख निवासी ग्राम बाला पोस्ट रघुनाथनगर थाना झीकारगाछा जिला जेस्सोर बांग्लादेश बताया गया। पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि बांग्लादेशी महिला शाहीदा खातून वर्ष 2009 से भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय बोंगा बार्डर से अवैध तरीके से नार्थ 24 परगना पश्चिम बंगाल मे प्रवेश कर हावड़ा होते हुए मुंबई जाकर मजदूरी कार्य के दौरान उसका परिचय बांग्लादेश निवासी मो. रासेल से हुई दोनों मुंबई से वापसी बांग्लादेश चले गये।

बांग्लादेश में रचा षडयंत्र

वहीं पर योजनाबद्ध तरीके से महिला शाहीदा खातून ने अपना नाम बदलकर ज्योति रख लिया तथा मो. रासेल से शादी कर ली। शादी के पश्चात दोनों वर्ष 2017 में पासपोर्ट एवं भारतीय वीजा पर भारत मे प्रवेश किये। महिला ज्योति रासेल शेख का वीजा अवधि दिनांक 13 सितंबर 2018 एवं मो. रासेल शेख का वीजा अवधि 12 अप्रैल 2020 का था। पुलिस ने पति पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

हर देश के लिए उसकी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। जब कोई भी देश सैन्य तौर पर संघर्षरत होता है, तभी उसकी विदेश नीति की और उसके दोस्त देशों की वास्तविक कसौटी पर परख होती है। सैन्य युद्ध का विकराल और विकट दौर ही वस्तुतः इस तथ्य को सुनिश्चित कर देता है कि कौन सा देश किसके साथ खड़ा है। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान आठ मई को उसने बड़ी तादाद में ड्रोन विमानों से भारत पर हमला किया, जो तुर्किये में निर्मित सोनगार ड्रोन थे। उसने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध पाकिस्तान को गोला-बारुद, समुद्री जहाज, ड्रोन और हरक्यूलिस विमान उपलब्ध कराकर रेखांकित कर दिया है कि वह दुनिया का सबसे अहसान फरामोश और कृतघ्न देश है। उसके लिए दोस्ती बेमानी है। तुर्किये वस्तुतः पश्चिम एशिया का अकेला मुल्क रहा जो कि पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ा हुआ। हालांकि वह भूल गया कि मुसीबत के समय में ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत द्वारा विमानों के जरिए तुर्किये को राहत सामग्री बड़े पैमाने पर भेजी गई थी। तब तुर्किये के तत्कालीन राजदूत फिरात सुनेल ने फरमाया था कि 'ऑपरेशन दोस्त' भारत और तुर्किये के मध्य गहन और संजीदा दोस्ती का इजहार करता है और सच्चे दोस्त हमेशा एक दूसरे की इमदाद किया करते हैं। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्लेषण...

कूटनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

ऐसा पहली दफा घटित नहीं हुआ है कि जब तुर्किये हुकूमत भारत बनाम पाकिस्तान के मध्य किसी मसले पर पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनेक दफा पाकिस्तान को तुर्किये की हुकूमत स्पष्ट समर्थन प्रदान कर चुकी है। विगत बीस वर्षों से भारत से दोस्ती का दम भरता हुआ और पाक परस्त मुजाहिदों के हाथों भयंकर जिहादी जख्म खाया हुआ अमेरिका, सैन्य संघर्ष के दौर में भारत और पाक को एक पलड़े में तोलता नजर आया। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन द्वारा तुर्किये को पाकिस्तान का सगा भाई करार दिया गया। भारत ने राहत और बचाव कार्य के लिए तुर्किये और सिरिया में 'ऑपरेशन दोस्त' चलाया था।

एक देखा परखा सिद्धांत है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। जब कोई भी देश सैन्य तौर पर संघर्षरत होता है, तभी उसकी विदेश नीति की और उसके दोस्त देशों की वास्तविक कसौटी पर देख परख हो जाती है। सारे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। इस महान उक्ति में निहित है, आत्ममुग्धता जोकि तल्ख वास्तविकता से कहीं दूर एक गलतफहमी है। सैन्य युद्ध के विकराल और विकट दौर ही वस्तुतः इस तथ्य को सुनिश्चित कर देता है कि कौन सा देश किसके साथ खड़ा है। भारत और पाकिस्तान के मध्य जब सैन्य संघर्ष जारी था, उस वक्त तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन 'पाकिस्तान तुर्किये दोस्ती जिंदाबाद' का नारा बुलंद कर रहे थे। तुर्किये की हुकूमत खुलकर पाकिस्तान की हिमायत कर रही थी और पाकिस्तान को आधुनिकतम हथियार उपलब्ध करा रही थी। ऐसा पहली दफा घटित नहीं हुआ है कि जब तुर्किये हुकूमत भारत बनाम पाकिस्तान के मध्य किसी मसले पर पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनेक दफा पाकिस्तान को तुर्किये की हुकूमत स्पष्ट समर्थन प्रदान कर चुकी है। विगत बीस वर्षों से भारत से दोस्ती का दम भरता हुआ और पाक परस्त मुजाहिदों के हाथों भयंकर जिहादी जख्म खाया हुआ अमेरिका, सैन्य संघर्ष के दौर में भारत और पाक को एक पलड़े में तोलता नजर आया।

तुर्किये पाकिस्तान का सगा भाई

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन द्वारा तुर्किये को पाकिस्तान का सगा भाई करार दिया गया। पहलगाम के बर्बर और नृशंस हमले को लेकर तुर्किये के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रस्ताव को भी अपनी हिमायत प्रदान की थी, जिस प्रस्ताव के तहत पेशकश की गई थी कि पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच करा ली जाए। पहलगाम हमले के कुछ वक्त बाद ही ड्रोन हथियारों से भरा हुआ है एक टर्किश एयर फोर्स का सी-130 फाइटर जेट पाकिस्तान में लैंड हुआ था। सैन्य संघर्ष शुरू होने से पहले हथियारों से लबरेज तुर्किये का एक युद्ध पोत भी कराची बंदरगाह पर पहुंचा। सैन्य संघर्ष के दौरान भारत ने दावा पेश किया कि आठ मई को पाकिस्तान ने बड़ी तादाद में ड्रोन विमानों से भारत पर हमला किया, जो तुर्किये में निर्मित सोनगार ड्रोन थे, हालांकि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ड्रोन आक्रमणों के ज्वलंत तथ्यों से स्पष्ट इंकार किया। सोनगार ड्रोन अर्थात मानव रहित हवाई वाहन हैं, जिन्हें तुर्किये की डिफेंस फर्म और आसिस गार्ड ने डिजाइन किया और विकसित किया है। तुर्किये वस्तुतः पश्चिम एशिया का अकेला मुल्क रहा जो कि पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ा हुआ। गल्फ के दूसरे अरब मुल्कों ने पाकिस्तान के प्रति अपनी हिमायत व्यक्त करने से सख्त परहेज किया किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 के फरवरी महीने में जब तुर्किये और सीरिया में विनाशकारी भूकंप प्रकट हुआ था और उस वक्त हजारों लोगों की मौतें हुई और लाखों लोग बेघर हो गए।

भारत ने की थी तुर्किये की मदद

हुकूमत ए हिंदुस्तान ने राहत और बचाव कार्य के लिए तुर्किये और सिरिया में 'ऑपरेशन दोस्त' का आगाज किया था। ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत द्वारा विमानों के जरिए तुर्किये को राहत सामग्री बड़े पैमाने पर भेजी गई। तब तुर्किये के तत्कालीन राजदूत फिरात सुनेल ने फरमाया था कि 'ऑपरेशन दोस्त' भारत और तुर्किये के मध्य गहन और संजीदा दोस्ती का इजहार करता है और सच्चे दोस्त हमेशा एक दूसरे की इमदाद किया करते हैं। भारत द्वारा तुर्किये को उपलब्ध कराया गया इमदादी सामान वस्तुतः मानवीय मदद थी और इससे उम्मीद की जा रही थी कि ऑपरेशन दोस्त से दोनों देशों के परस्पर संबंध बेहतर हो जाएंगे। कूटनीतिक विडंबना देखिए कि तुर्किये द्वारा भारत को दोस्त करार दिया जाता है और पाकिस्तान को सगा भाई। परंपरागत तौर पर सऊदी अरब और यूएई पाकिस्तान के अत्यंत करीबी मुल्क रहे हैं, किंतु आजकल भारत के ताल्लुक़ात सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के साथ बहुत मजबूत बन गए हैं। एक यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार तुर्किये के साथ भारत के ताल्लुक़ात दोस्ताना क्यों नहीं बन पाए? तुर्किये और भारत के मध्य कूटनीतिक संबंधों की शुरुआत सन् 1948 में हो गई थी, लेकिन अनेक दशक व्यतीत हो जाने के पश्चात भी दोनों मुल्क करीबी दोस्त नहीं बन पाए। तुर्किये और भारत के मध्य कूटनीतिक के तनाव कायम बने रहने के मुख्य तौर पर दो स्पष्ट कारण रहे हैं।

तनाव के पीछे मुख्य दो कारण

पहला कारण कश्मीर के जटिल विवाद पर तुर्किये का पाकिस्तान की तरफ सदैव से ही झुकाव बने रहना और दूसरा कारण रहा कि शीत युद्ध के दौर में तुर्किये का अमेरिकन सैन्य गुट नाटो में शामिल हो जाना। जबकि शीत युद्ध के दौर में भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व कर रहा था। शीत युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ के मध्य सन् 1947 से लेकर सन् 1991 तक एक दीर्घकालीन राजनीतिक और सैन्य दुश्मनी कायम बनी रही थी। जब शीत युद्ध का दौर समापन की ओर था तो उस दौर ए वक्त में तुर्किये के उदार राष्ट्रपति करार दिए जाने वाले तुरगुत ओजाल ने भारत के साथ कूटनीतिक ताल्लुक़ात को निकट बनाने की कोशिश भी अंजाम दी थी। सन् 1986 में तुरगुत ओजाल ने भारत का राजकीय दौरा किया। 1988 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी तुर्किये का शासकीय दौरा किया। राजीव गांधी के दौरे के पश्चात दोनों मुल्कों के कूटनीतिक रिश्तों में अनेक पहलुओं पर सुधार आया। सन् 2014 में नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए और सन् 2014 में आर्दोआन तुर्किये के प्रधानमंत्री पद से तुर्किये के राष्ट्रपति पद पर विराजमान हुए। सन् 2017 में राष्ट्रपति आर्दोआन भारत में राजकीय दौरे पर पधारे, किंतु प्रायः विदेशी दौरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तुर्किये के आधिकारिक दौरे पर कभी नहीं जा सके। सन् 2019 में नरेंद्र मोदी को तुर्किये के शासकीय दौरे पर जाना निश्चित था, किंतु संयुक्त राष्ट्र महासभा में राष्ट्रपति आर्दोआन द्वारा कश्मीर पर दिए गए बयान के बाद, जिसमें उन्होंने कश्मीर में धारा 370 को निरस्त किए जाने का बाकायदा विरोध किया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तुर्किये दौरा अनिश्चित कॉल के लिए स्थगित कर दिया गया। हुकूमत ए तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का अंध समर्थन किए जाने के कारणवश भारत और तुर्किये के मध्य तल्ख हो चुके कूटनीतिक ताल्लुक़ात में फिलहाल सुधार आने की कोई उम्मीद दिखाई नहीं देती। भारत द्वारा कश्मीर के जटिल विवाद पर किसी अन्य राष्ट्र की मध्यस्थता को कदाचित स्वीकार नहीं किया गया है लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके द्वारा पाकिस्तान और भारत के मध्य युद्ध विराम कराया गया है।

युद्ध विराम मुद्दे पर ट्रंप की भूमिका संदिग्ध

पाकिस्तान ने भी युद्ध विराम कराने में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका को बाकायदा स्वीकार किया है। हालांकि भारत सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया में युद्ध विराम को द्विपक्षीय करार दिया है और युद्ध विराम में अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप के नाम का उल्लेख तक नहीं किया है। अपनी सऊदी अरब की यात्रा के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने तकरीर में फरमाया कि भारत और पाकिस्तान के मध्य युद्ध विराम अंजाम दिलाने के लिए मैंने काफी हद तक व्यापार (ट्रेड) का बखूबी इस्तेमाल किया। प्रेसिडेंट ने दावा पेश किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर यह कहते हुए सीज फायर अंजाम देने के लिए जबरदस्त दबाव डाला था कि अगर दोनों मुल्कों द्वारा सीज फायर नहीं अंजाम दिया गया तो वह दोनों के साथ अमेरिका के ट्रेड को खत्म कर देंगे। भारतीय विदेश विभाग के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने फरमाया कि 7 मई से 10 मई के मध्य भारत और अमेरिका के शीर्ष लीडर्स के मध्य बातचीत हुई थी, लेकिन ट्रेड को लेकर कोई भी बातचीत नहीं की गई थी। अब सीज फायर के यक्ष प्रश्न पर किसके दावे को सत्य करार दिया जाए? विश्व भर में निरंतर जारी सैन्य संघर्षों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख का ठीक-ठाक अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर भारत-पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष तक राष्ट्रपति ट्रंप वक्त बेवक्त अपने बयान परिवर्तित करते रहते हैं। इतना ही नहीं, वह डेनमार्क से ग्रीनलैंड खरीदने का दावा पेश करते हैं। पनामा नहर पर जबरन आधिपत्य स्थापित करने की बात करते हैं। कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का दावा पेश करते हैं। साथ ही गाजा पट्टी पर भी आधिपत्य स्थापित करने का दावा करते हैं। इस तरह अनेक विवादित बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निरंतर दुनिया की सरगर्म फिजाओं में फेंकते रहते हैं। भारत और पाकिस्तान के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम कराने का राष्ट्रपति ट्रंप का दावा कितना सत्य है और कितना असत्य है?

इस तथ्य की सच्चाई को तो वक्त ही बताएगा? ऑपरेशन सिंदूर के ठीक एक दिन बाद अर्थात 8 मई को अमेरिका के वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस ने फॉक्स न्यूज को एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने फरमाया कि भारत और पाकिस्तान के मध्य जारी सैन्य तनाव के प्रश्न पर अमेरिका दूरी बनाए रखेगा और सिर्फ कूटनीतिक रास्ते ही अख्तियार करेगा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भारत और पाकिस्तान आखिरकार युद्ध विराम करने पर और व्यापक मुद्दों पर बातचीत के लिए राजी हो गए हैं। अमेरिकन वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस और मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान फौज के कमांडर इन चीफ असीम मुनीर और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बातचीत की है। आखिरकार दोनों मुल्क तत्काल युद्ध विराम करने और व्यापक मुद्दों पर बातचीत के लिए राजी हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी सोशल पोस्ट में कहीं भी अमेरिका के नाम का उल्लेख तक नहीं किया है कि अमेरिका द्वारा युद्ध विराम अंजाम देने के लिए दोनों देशों के मध्य मध्यस्थता की गई है। एक बात स्पष्ट तौर पर कही जा सकती है कि भारत को पाक अधिकृत कश्मीर को मुक्त करने का इतना शानदार अवसर पहले कभी उपलब्ध नहीं हुआ। तुर्किये को छोड़कर कोई भी अन्य देश पाकिस्तान के साथ खड़ा नहीं हुआ। यहां तक कि चीन भी पाकिस्तान के पक्ष में खुलकर खड़ा नहीं हुआ। क्योंकि चीन अमेरिका के विरुद्ध निरंतर जारी ट्रेड वॉर में भारत को कदाचित नहीं खोना चाहता। दुर्भाग्यवश भारत के निकट दोस्त समझे जाने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को और हिंदुस्तान को एक ही तराजू में तोला। दुनिया के तमाम देश तुर्किये को छोड़कर पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और परिपोषित जिहादी आतंकवाद से अत्यंत त्रस्त हो चुके हैं।

तुर्किये को साइप्रस के मसले पर घेरे भारत

कूटनीति

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ स्तंभकार

संस्कृत की एक प्रसिद्ध कहावत है 'शठे शाठयम समाचरेत'। यानि दुष्ट के साथ दुष्टता का ही व्यवहार होना चाहिए। यूरेशिया में स्थित तुर्किये ऐसा ही एक दगाबाज देश है जिसके साथ इसी तरह का व्यवहार होना चाहिए। इसलिए कि उसने भारत के विरुद्ध आतंकियों के प्रश्रयदाता देश पाकिस्तान के साथ कंधा जोड़ने की हिमाकत की है। उसने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध पाकिस्तान को गोला-बारुद, समुद्री जहाज, ड्रोन और हरक्यूलिस विमान उपलब्ध कराकर रेखांकित कर दिया है कि वह दुनिया का सबसे अहसान फरामोश और कृतघ्न देश है। उसके लिए दोस्ती बेमानी है। यह अलग बात है कि पाकिस्तान को दिए उसके सभी हथियार फुस्स साबित हुए हैं। भारत ने उसके सभी ड्रोन एवं उसके सैन्य ऑपरेटिव्स मार गिराए। इससे दुनिया भर में उसकी भद्द पीट रही है।

भारत ने तुर्किये को दी थी मदद

तुर्किये कितना अहसान फरामोश है इसी से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में वहां आए भीषण भूकंप में भारत ने 'ऑपरेशन दोस्त' के जरिए उसे राहत सामग्री भेजकर भरपूर मदद की थी। लेकिन उसने इस अहसान को दरिया में डालकर जेहादियों से गलबहियां कर बैठा। उसके इस कृत्य से भारत में आक्रोश और गुस्सा होना लाजिमी है। भारत के नागरिकों द्वारा उसके वस्तुओं के आयात को बंद किए जाने और उसके सामानों के बहिष्कार की मांग तेज हो गई है। भारतीय व्यापारी टर्किश सेब के बहिष्कार का ऐलान कर रहे हैं। पर्यटन पर निर्भर तुर्किये के लिए ट्रैवल एजेंसियों ने भी ट्रैवल पैकेज रद करने का ऐलान कर दिया हैं। मेक माई ट्रिप के मुताबिक तुर्किये की बुकिंग में तकरीबन 60 फीसदी की गिरावट आई है। जामिया और जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय समेत कई अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों ने तुर्किये के विश्वविद्यालयों से अपना समझौता रद कर दिया है। मतलब साफ है कि अब तुर्किये को पाकिस्तान से कंधा जोड़ने की कीमत चुकानी ही होगी। उचित होगा कि भारत तुर्किये को सबक सिखाने के लिए उसकी दुखती रग साइप्रस का मसला उठाकर उसकी अंतरराष्ट्रीय घेराबंदी तेज करे। गौरतलब है कि तुर्किये ने साइप्रस के 36 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा जमा रखा है। साइप्रस के भौगोलिक परिदृश्य पर नजर डालें तो यहां मुख्य रूप से ग्रीस और तुर्किये समुदाय के लोग रहते हैं। इनके बीच दशकों पहले से नस्लीय विवाद चला आ रहा है। इतिहास में जाएं तो साइप्रस कभी अंग्रेजों की कॉलोनी हुआ करता था। 1878 से चले आ रहे ब्रिटिश उपनिवेश का अंत 1960 में हुआ और साइप्रस को एक नए देश के रूप में पहचान मिली।

तुर्किये का साइप्रस पर कब्जा

चूंकि साइप्रस एक नया देश था लिहाजा वहां सत्ता-संघर्ष की स्थिति तेज हो गयी। 15 जुलाई, 1974 को तुर्किये की सेना ने साइप्रियट नेशनल गार्ड की अगुवाई में साइप्रस के अंदरुनी हालातों का फायदा उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून को ठेंगा दिखाकर उत्तरी हिस्से पर आक्रमण कर उसके महत्वपूर्ण शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। उस समय साइप्रस में सैन्य विद्रोह चल रहा था। इस

विद्रोह को ग्रीस का समर्थन प्राप्त था। तुर्किये कतई नहीं चाहता था कि साइप्रस में ग्रीस का हस्तक्षेप हो। वैसे भी ग्रीस और तुर्किये के बीच पहले से ही समुद्री क्षेत्र को लेकर तनाव चल रहा था। साइप्रस को हथियाने के खेल में तुर्किये भारी पड़ा और उसने उत्तरी हिस्से पर कब्जा कर उसे टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉदर्न साइप्रस नाम दे दिया। तब सुरक्षा परिषद के सभी देशों ने तुर्किये के इस कदम की निंदा की। 2 अगस्त, 1975 को तुर्किये और साइप्रस के बीच वियना में समझौता हुआ। तय हुआ कि तुर्किये अपने बलात् किए गए कब्जे वाले इलाके में लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने मजहब को मानने की आजादी समेत सामान्य जीवन जीने में मददगार हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराएगा। लेकिन तुर्किये ने इस समझौते को ठेंगे पर रख अपना अत्याचार जारी रखा। तुर्किये के आक्रमण के कारण 162000 ग्रीक-साइप्रियोट अपने ही देश में शरणार्थी बनकर रह गए। जो लोग अपना घर छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए उन पर तुर्किये ने इस कदर कहर बरपाया कि वे अपनी संपत्ति छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। आज इस इलाके में ग्रीक-साइप्रियोट की आबादी महज तीन सैकड़ा ही बची है। जिन लोगों ने तुर्किये के कब्जे का विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। तुर्किये ने इस इलाके में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए हजारों तुर्क परिवारों को बसा रखा है। इस कारण दक्षिण और उत्तर साइप्रस के बीच यदा-कदा तनाव की स्थिति उत्पन होती रहती है। तुर्किये के कब्जे के बाद से ही यह द्वीप दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्क साइप्रसवासियों ने अपने इलाके को टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉदर्न साइप्रस नाम दिया है। तुर्किये द्वारा जबरन कब्जाया गया साइप्रस का यह उत्तरी इलाका लोगों की जीविका और आमदनी का बड़ा स्त्रोत हुआ करता था। यह इलाका वर्ष भर पर्यटकों से भरा गुलजार रहता था। आर्थिक रूप से समृद्ध यह इलाका बहुमंजिली इमारतों के लिए भी जाना जाता था। लेकिन तुर्किये के अत्याचार ने इसे वीरान बना दिया है। किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए यहां उसने 40 हजार से अधिक सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है। अब वक्त आ गया है कि भारत इस मसले को हवा देकर वैश्विक स्तर पर तुर्किये की फजीहत बढ़ाए। याद होगा वर्ष 2022 में भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में साइप्रस का मुद्दा उठाकर तुर्किये की चौधराहट की हवा निकाल दी थी। तब भारतीय विदेशमंत्री ने तुर्किये के विदेशमंत्री मेवलुत कावुसोग्लू से मुलाकात कर साइप्रस की स्वतंत्रता, संप्रभुता और स्वायत्तता की बात उठाई थी। उन्होंने ट्वीट कर यह भी कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के हिसाब से साइप्रस मुद्दे का शांतिपूर्ण हल निकाले। गौर करें तो तुर्किये ने न सिर्फ पाकिस्तान के साथ कंधा जोड़ा है बल्कि वह बार-बार कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को असहज करने की चेष्टा करता है। वह अन्य मसलों पर भी भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान का साथ देता है।

ग्रीस व आर्मिनिया होंगे सहायक

गत वर्ष उसने पाकिस्तान की शह पर भारत के 56,877 मिलियन टन अनाज से लदे जहाज को वापस भेज दिया था। उसने ऐसा कर वैश्विक बाजार में भारतीय अनाज निर्यात की साख खराब करने की कोशिश की थी। यही नहीं, वह इंटरनेट मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के जरिए भी भारत विरोधी केंद्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। तुर्किये के आक्रामक व्यवहार को देखते हुए समय आ गया है कि भारत भी उसके विरुद्ध खुलकर पत्ते खेले।

भारत को न सिर्फ साइप्रस के मसले को उठाना चाहिए बल्कि ग्रीस और आर्मिनिया के साथ कंधा जोड़कर तुर्किये की तेज घेराबंदी करनी चाहिए। इसलिए कि ग्रीस और आर्मिनिया दोनों ही तुर्किये के शत्रु हैं और नीति भी कहती है कि 'शत्रु का शत्रु मित्र' होता है।

देश में तैयार हो रही है रोबोट सेना

प्रौद्योगिकी

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

मनुष्य की सोच असीम संभावनाओं से जुड़ी है। कल्पना से शुरू होने वाले विचार सच्चाई के धरातल पर आकार लेते हैं, तो आंखें हैरान रह जाती हैं। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमोनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में न केवल मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे, बल्कि स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट के निर्माण का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को रक्त बहाने की जरूरत न पड़े। डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमोनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया है। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तेजी

पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के विरुद्ध चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी। इजरायल की विख्यात रक्षा कंपनी इल्बिट रोबो टीम ने इस सेना को तैयार किया है। रोबो टीम के सीईओ इलाजलेवी के मुताबिक आकाश में ड्रोन और हवाई रोबोट के जरिए होने वाले सभी काम अब धरती पर भी हो सकेंगे। मानव रहित रोक रोबोट के अंदर स्वयं ही खतरों को भांपकर फैसला लेने की क्षमता विकसित कर दी गई है। कृत्रिम बौद्धिक क्षमता से परिपूर्ण ये रोबोट जंग के मैदान में खराब होने पर इसके पुर्जे साथ चलने वाले रोबोट सैनिक बदल देंगे। इसकी इस विशेषता से रोबोट सैनिक एकाएक निष्क्रिय नहीं होंगे। 200 किलोग्राम वजन वाले इस रोक रोबोट की दौड़ने की क्षमता 30 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह 1200 किलोमीटर मारक क्षमता वाले हथियार लेकर चलने में सक्षम हैं। इसकी कीमत डेढ़ लाख डॉलर से लेकर तीन लाख डॉलर तक है। मसलन भविष्य के युद्ध रोबोट थल सेना लड़ेगी।

एआई बनी चर्चा का विषय

कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पिछले एक दशक से अपनी हैरतअंगेज उपलब्धियों व भविष्य की संभावनाओं के चलते दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क, बिल गेट्स और स्टीफन हॉकिंग ने इसकी अतिरिक्त बुद्धि एवं शक्ति से आशंकित होकर कई बार चेताया भी है। बावजूद अनेक ऐसे पूंजी-निवेशक और वैज्ञानिक हैं, जो एआई को एक बेहतर भविष्य के सपने के रूप में देखते रहे हैं। क्योंकि आज रोबोट कारखानों में मजदूरी के काम से लेकर शिक्षक, टीवी एंकर, नर्स और अब

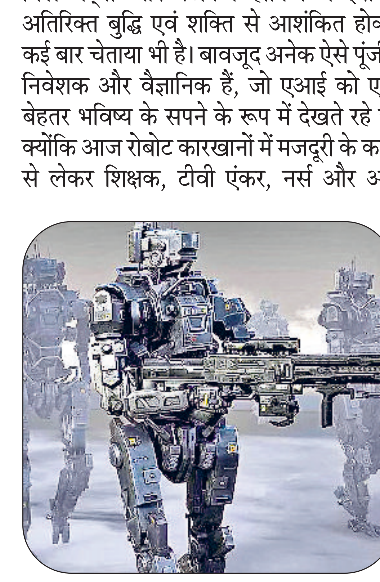

सैनिक की भूमिका में अवतरित होने जा रहा है। मानव और मशीन के बीच पैदा होने वाले ये द्वंद्व हकीकत में किस सच्चाई के रूप में सामने आएंगे, यह तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन जब-जब कोई नया आविष्कार हुआ है तो वह शंका का कारण तो बना ही है। भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी) से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ा दी जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी तक खड़ी की जाने की तैयारी है। हवाईयानों को भी रोबोटिक हथियारों से सक्षम बनाया जाएगा। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भी सहयोग कर रहा है। दरअसल भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ही ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही हैं। साफ है, इनसे निपटना आसान नहीं है। क्योंकि ये सामने तो दिखाई नहीं देते हैं, मगर इनका धोखे से किया गया हमला बड़ा खतरनाक होता है। ऐसे ही हमलों के चलते हम कश्मीर घाटी और पाक सीमा पर 42000 से भी ज्यादा नागरिक और सैनिक गवां चुके हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए इन आतंकियों ने 26 पर्यटकों के प्राण ले लिए थे। इसी की प्रतिक्रिया में ऑपरेशन सिंदूर जारी है। साफ है, इन धोखेबाज ताकतों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े उपकरणों से ही निपटना बेहतर है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य व अदृश्य शक्ति के रूप में उतरकर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट घाटी एवं नियंत्रण रेखा पर जो आतंक प्रभावित क्षेत्र हैं, उनमें सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा के लौह कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। यही नहीं दुश्मन की घुसपैठ को नाकाम बनाने और पाकिस्तानी सेना के हमलों से मुकाबले में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी। कृत्रिम बुद्धि (एआई) वाले ये रोबोट सेना के रूप में सीमा पर शक्ति का पर्याय बनके दुश्मन पर कहर बनकर टूटेंगे।इसी मंषा के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्वेलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है।

मानव सैनिकों के लिए थर्मल जैकेट

भारतीय युद्ध और रक्षा प्रणालियों में आमूल-चूल परिवर्तन किया जा रहा है। सेना को रोबोटिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी संस्थान के विज्ञानियों ने सेना के लिए आधुनिकतम रक्षा उपकरण विकसित करके नए कीर्तिमान बनाए हैं। इन्होंने सैनिकों के भरोसेमंद साथी के रूप में इंटेलीजेंट रोबोट निर्मित किया है। दूसरा नवाचार थर्मल जैकेट का किया है, यह जानलेवा गर्मी से सैनिकों की सुरक्षा करेगी।

कांग्रेस सांसद थरूर को मिली अमेरिका की कमान तो सत्तापक्ष और विपक्ष में बयानबाजी तेज, बोली भाजपा

भारत की बात करने वाले लोगों से नफरत कर रही कांग्रेस प्रस्तावित नामों में पार्टी ने थरूर का नाम नहीं किया 'शामिल'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे। जिनमें से कुछ प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता कर रहे हैं जबकि कुछ की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। एक प्रतिनिधिमंडल की कमान कांग्रेस सांसद शशि थरूर को मिली है। जिस पर सियासी बवाल मचा हुआ है, क्योंकि कांग्रेस ने उनका नाम प्रस्तावित किया था। अब कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। सरकार ने नेतृत्व करने के लिए जिन नेताओं का चयन किया है, उनमें सत्तारूढ़ दलों से भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, एनडीए में शामिल शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता संजय झा, विपक्षी दलों में कांग्रेस के शशि थरूर, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राकांपा-एसपी की सुप्रिया सुले शामिल हैं। शशि थरूर के नाम को लेकर अब सियासत हो रही है। दरअसल कांग्रेस ने जिन चार नामों का प्रस्ताव भेजा था, उनमें शशि थरूर का नाम नहीं था। केंद्र सरकार ने थरूर का नाम खुद से प्रस्तावित किया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश लेकर 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे। इनमें से कुछ प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता कर रहे हैं जबकि कुछ की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। एक प्रतिनिधिमंडल की कमान कांग्रेस सांसद शशि थरूर को मिली है। जिस पर सियासी बवाल मचा हुआ है। वार-पलटवार जारी है।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश देगा 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

केंद्र ने खुद थरूर का नाम किया प्रस्तावित

शिवसेना जनता दल, डीएमके और राकांपा को किया शामिल

अपने ही सांसद का विरोध कर रही कांग्रेसः भंडारी

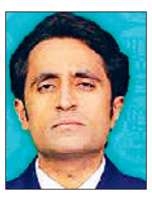

कांग्रेस की ओर से आई प्रतिक्रिया पर भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि तो जयराम अपने ही सांसद थरूर का संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने का विरोध कर रहे हैं। राहुल भारत के लिए बोलने वाले हर व्यक्ति से नफरत क्यों करते हैं, यहां तक कि अपनी पार्टी में भी?

कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होने वालाः तिवारी

कांग्रेस के बयान पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इससे कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होने वाला है। यह राजनीति का विषय नहीं है। यह केंद्र सरकार की महानता है कि वे हर पार्टी से कुछ सांसदों को (प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए) चुन रहे हैं।

पार्टी के साथ विमर्श किए बिना सांसद को शामिल नहीं कर सकतेः जयराम

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सरकार पार्टी से विचार विमर्श किए बिना उसके किसी सांसद को शामिल नहीं कर सकती। यह अच्छी लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले सांसद अपनी पार्टी नेतृत्व से अनुमति लेते हैं। रमेश ने थरूर का नाम लिए बगैर कहा कि कांग्रेस में होने और कांग्रेस के होने में जमीन आसमान का फर्क है। सरकार ने इस मामले में ईमानदारी नहीं सिर्फ शरारत दिखाई है और वह ध्यान भटकाने का खेल खेल रही है क्योंकि उसका विमर्श 'पंक्चर' हो गया है।

ओवैसी ने पाकिस्तानियों के लिए कही बड़ी बात

तुम्हारे दिमागों में जो भूसा भरा है, वह साफ होगा और अज्ञानता भी कम होगी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तुर्की पर निशाना साधा और उसके पाकिस्तान का समर्थन करने को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि तुर्की को अपने रुख पर एक बार फिर से सोचना चाहिए। इसके अलावा पाकिस्तान में अपनी चर्चाओं और सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर भी ओवैसी ने दिलचस्प बयान दिया है। उन्होंने कहा मुझे देखने सुनने से उनके ज्ञान में इजाफा होगा। दरअसल, पाकिस्तान में अपनी चर्चाओं को लेकर उन्होंने कहा कि हम ही पाकिस्तान के निशाने पर हैं। उन्होंने कि पाकिस्तान वालों को भारत की ओर से उनकी तरह कोई हैंडसम और बेबाक आदमी दिख ही नहीं रहा है। ओवैसी ने पाकिस्तानियों को लेकर कहा कि देखते रहों दोस्तों, तुम्हारे दिमागों में जो भूंसा भरा है, वह साफ होगा, तुम्हारे ज्ञान में इजाफा होगा और अज्ञानता भी कम हो जाएगी।

पाकिस्तान मानवता के लिए खतरा : हैदराबाद से लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को आतंकवाद का प्रायोजक बताते हुए उस पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने लंबे इतिहास से यह सिद्ध कर चुका है कि वह मानवता के लिए खतरा बन गया है। ओवैसी ने शनिवार को एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि भारत को अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह साफ करना होगा कि वह दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुहम्मद जिया-उल-हक के समय से लेकर कंधार विमान अपहरण, 26/11 मुंबई हमले, संसद पर हमला, उरी, पठानकोट, रियासी और हाल ही में पहलगाम में पर्यटकों की हत्या तक, पाकिस्तान की भूमिका साफ दिखाई देती है।

हिमंता ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर कहा

कांग्रेस की टीम से 'असम के सांसद' को हटाएं

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से आग्रह किया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए कांग्रेस द्वारा नामित चार सांसदों की सूची से राज्य के सांसद का नाम हटा दिया जाए। इनमें में से एक लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में उनका नाम शामिल नहीं करें। सरमा ने गोगोई पर उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न की बात कही।

सीसीपी नेताओं से मुलाकात

राहुल किसकी तरफ, साफ करेंः अमित

राहुल गांधी ने हाल ही में कॉर्डिनेशन कमेटी फॉर पीस (सीसीपी) के सदस्यों से मुलाकात की। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक पोस्ट में राहुल के सीसीपी नेताओं से मुलाकात पर शंका जाहिर की। उन्होंने लिखा कि 'ऐसे समय में जब भारत नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में राहुल का माओवादी समूह के शुभचिंतकों से मिलना क्या बयां करता है? उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए। सुरक्षाबल नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन कगार चला रहे हैं, जिसमें सीपीआई (माओवादी) कैडर को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसे में कथित शांति समन्वय समिति (कॉर्डिनेशन कमेटी फॉर पीस) द्वारा कांग्रेस के समर्थन से सुरक्षाबलों और माओवादी उग्रवादियों के बीच संघर्ष विराम की कोशिश की जा रही है।

राहुल ने सरकार से पूछा

वायुसेना ने कितने एयरक्राफ्ट खोए?

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राहुल गांधी ने सरकार से सवाल करते हुए पूछा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कितने एयरक्राफ्ट खोए। उन्होंने विदेश मंत्री के बयान के आधार पर सरकार को घेरा और पूछा कि हमले से पहले सरकार ने पाकिस्तान को क्यों सूचना दी? इसके कारण हमें कितने लड़ाकू जहाज का नुकसान हुआ?

ओवैसी बोले- तुर्किये अपना रुख बदले

भारत में पाक से ज्यादा मुस्लिम, तुर्किये न बताए

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तुर्की की ओर से पाकिस्तान का समर्थन करने पर कहा कि तुर्की को फिर से विचार करना चाहिए। हमें तुर्की को याद दिलाना होगा कि वहां एक बैंक है जिसका नाम इसबैंक है, जिसके शुरुआती जमाकर्ता भारत के लोग थे। हमें तुर्की को लगातार याद दिलाना चाहिए कि भारत में 20 करोड़ से अधिक सम्मानित मुस्लिम रहते हैं। भारत में पाकिस्तान की तुलना में अधिक मुस्लिम हैं। जिस तरह से पाकिस्तान ने अब तक बर्ताव किया है, उनका इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है।

खबर संक्षेप

कटक में बिस्कुट बनाने वाली फैक्टरी में आग

कटक। ओडिशा में कटक जिले के जगतपुर औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को बिस्कुट बनाने वाली एक फैक्टरी में आग लग गई। सहायक अग्निशमन अधिकारी संजीव कुमार बेहरा ने बताया कि हालांकि आग में बिस्कुट बनाने वाली फैक्टरी का अधिकांश हिस्सा जलकर खाक हो गया, लेकिन इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

कार-ट्रक से टकराने से 3 लोगों की मौत

काकीनाडा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में शुक्रवार देर रात एक कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा तुनी में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर देर रात दो बजे हुआ।कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। कार में 5 विपणन प्रतिनिधि सवार थे।

किशोर की हत्या में 4 को आजीवन कारावास

कोटा। कोटा की एक अदालत ने 2018 में 16 वर्षीय लड़के का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या के मामले में दो भाइयों समेत 4लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने प्रत्येक पर 13,500 का जुर्माना भी लगाया। सहायक लोक अभियोजक बलराम मीणा ने कहा यह प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला था।

पालघर में 5.6 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने नाइजीरिया की एक महिला के पास से 5.6 करोड़ रमूल्य की मेफेड्रोन बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस को महिला के नालासोपारा स्थित आवास से मादक पदार्थ के साथ-साथ उसे बनाने के उपकरण और कच्चा माल भी मिला है।

स्पीकर बिरला कोटा में 'राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु नागरिक कार्यक्रम' में बोले

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को बताया नारीशक्ति और शौर्य का सम्मान, उमड़ पड़ा जनसैलाब

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान देने के लिए कोटा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रामपुरा स्थित ऐतिहासिक पीपल पेड़ के पास भारत माता और शहीद जवानों को पुष्प अर्पित कर और तिरंगा लहराकर की। यह आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु नागरिक कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इस रैली में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाएं, युवा, महिलाएं और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि यह सिर्फ एक रैली नहीं, बल्कि देश के गौरव, बलिदान और आत्मसम्मान का प्रतीक है।जब-जब तिरंगा लहराता है, तब-तब हमारी आत्मा और बलिदान की परंपरा भी लहराती है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि भारत की नारीशक्ति की रक्षा और सम्मान बताया। बिरला ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा किअब भारत की बेटियों की ओर उठी हर नजर का जवाब सीमा पार से मिलेगा। भारत शांति का पक्षधर , लेकिन जब मातृभूमि पर खतरा आता है, तो भारत सुदर्शन भी उठा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान देने के लिए कोटा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई। रैली को देश के गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक बताया

भारत माता और शहीद जवानों को पुष्पांजलि दी, तिरंगा लहराकर रैली शुरू की

ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली

हर नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे

उन्होंने लोगों से अपील की कि हर नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे, यही सच्ची श्रद्धांजलि है उन वीरों के लिए जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया।

आतंकवाद का संरक्षण देने वालों को सबक सिखाएंगे

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने सफलापूर्वक आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई में भी भारतीय सेना ने शौर्य दिखाते हुए उनके इरादों को नाकाम किया। इस दौरान बिरला ने कहा कि आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को भारत सबक सिखाता रहेगा। बिरला ने कहा कि भारतीय सेना व सैनिकों के शौर्य को पूरा देश नमन कर रहा है। भारतीय सेना ने जिस वीरता और कुशल रणनीति के साथ आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। आने वाले समय में देश और विश्व में आतंकवाद खत्म हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नीति बनाई है। संपूर्ण विश्व को आतंकवाद के खिलाफ सामूहिकता के साथ प्रयास करना चाहिए।

सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया

शहर को दुर्घटना मुक्त बनाने की दिशा में बिरला ने अपने 5 दिन के प्रवास के दौरान कोटा और बूंदी के विभिन्न इलाकों में सड़क सुरक्षा की स्थिति का निरीक्षण किया। प्रमुख चौराहों और सड़कों पर जाकर सुरक्षा मानकों का जायजा लिया और अधिकारियों को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ये निर्देश जारी किए

- जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान करें
- अपने कैंप कार्यालय में नागरिकों के साथ जनसुनवाई की।
- लोगों ने सड़क दुर्घटनाओं, ट्रैफिक जाम की समस्याएं रखीं।
- ब्लैक स्पॉट्स की पहचान और सुधार करें।
- स्पीड ब्रेकर और संकेतक लगाएं
- सीसीटीवी कैमरे और निगरानी की जाए
- अत्याधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम दुरुस्त करें।
- पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन चलाया जाए।

70 फीट लंबे तिरंगे को रवाना किया

यह रैली रामपुरा में पीपली चौक से शुरू होकर लाडपुरा व नयापुरा होते हुए शहीद स्मारक पहुंची। जहां पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने 70 फीट लंबे तिरंगे को रैली के साथ रवाना किया। जगह-जगह पर रैली के लिए स्वागत द्वार लगाए गए और डीजे बजाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी भी मौजूद रहे। जिन्होंने तिरंगा रैली शुरू होने के पहले आमजन को संबोधित किया।

हरियाणा राज्यपाल ने 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' पुस्तक राष्ट्रपति को भेंट की

बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार शाम को राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति को अपनी हाल ही में लॉन्च की गई पुस्तक ' जनता की कहानी मेरी आत्मकथा'की प्रति भेंट की।

राज्यपाल ने कहा कि यह बहुत खुशी और सम्मान का क्षण था क्योंकि माननीय राष्ट्रपति ने पुस्तक के कुछ पन्नों को विनम्रतापूर्वक पढ़ा और आत्मकथा में शामिल विषयों पर अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, जो मेरे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति सेवा का वर्णन करती है। राष्ट्रपति ने हरियाणा में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में विशेष रुचि थी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने उन्हें राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और महिला सशक्तिकरण सहित प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे विकास के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को हरियाणा में अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत कराया।

राष्ट्रपति ने हरियाणा में लड़कियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों, विशेष रूप से खेल क्षेत्र के बारे में, जानकर प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति ने राज्यपाल दत्तात्रेय की सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में राज्य द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण की सराहना की।

अमित शाह ने सैन्य कार्रवाई को सराहा

100 किमी घुसकर आतंकियों को मारा, किसी भी धमकी से नहीं डरे

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गांधीनगर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सैन्य कार्रवाई को लेकर बड़ा बयान दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने भारतीय सैन्य बलों की सराहना की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब देने का संकल्प दोहराया। शाह ने कहा कि आजादी के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकी कैंपों को नष्ट किया। पाकिस्तान ने हमें परमाणु बम की धमकी दी। उन्हें लगता था कि हम डर जाएंगे। लेकिन हमारी सेना, नौसेना और वायुसेना ने उन्हें ऐसा करारा जवाब दिया है कि पाकिस्तान के होश उड़ गए। आज पूरी दुनिया हमारी सेना के धैर्य और पीएम मोदी के दृढ़ नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है। मैं हमारे सशस्त्र बलों की वीरता को सलाम करता हूं।

पाक की हवाई क्षमता को नेस्तनाबूद किया

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि जब पाकिस्तान ने पूरी पश्चिमी सीमा पर हमला करने का दुस्साहस किया, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी वायु रक्षा प्रणाली इतनी उत्तम हो गई है कि कोई भी मिसाइल या ड्रोन भारत की भूमि तक नहीं पहुंच पाया। 100 से अधिक आतंकवादियों को मारने के बाद भी पाकिस्तान सोच में ही था और हमने उनके 15 हवाई ठिकानों पर हमला कर दिया, लेकिन हमने उनके लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। हमने उनकी हवाई हमले की क्षमता को नष्ट कर दिया।

आतंकियों को दोगुनी ताकत से जवाब देंगे

गृह मंत्री शाह ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकियों को करारा जवाब दिया। जो लोग कई अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी गतिविधियों की योजना बना रहे थे। वे सियालकोट और अन्य आतंकवादी शिविरों में छिपे हुए थे, उन सबको हमारे बम के धमाकों की गूंज ने एक स्पष्ट संदेश भेजा है कि अगर भारत के लोगों के साथ कोई आतंकवादी गतिविधि होती है, तो जवाब दोगुनी ताकत से दिया जाएगा।

शिवराज ने असम के लिए 3.76 लाख घरों के लिए मंजूरी दी

गुवाहाटी में 55000 पीएमएवाई-जी घर वर्चुअल गृह प्रवेश के जरिये सौंपे

पीएमएवाई-जी की महिला राजमिस्त्री पहल के तहत 'लखिमी मिस्त्री' शुरू की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को गुवाहाटी में प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 55,000 घरों के वर्चुअल गृहप्रवेश समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने चालू वित्त वर्ष के लिए पीएमएवाई-जी के तहत 3.76 लाख और घरों को स्वीकृत करने की घोषणा की।

जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और हाशिए पर पड़े व वंचित समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने पीएमएवाई-जी के तहत 20 लाख घरों को पूरा करने की असम की उल्लेखनीय उपलब्धि की सराहना की। कार्यक्रम के एक अंग के तौर पर पीएमएवाई-जी के उन लाभार्थियों को मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने नए घरों का निर्माण कर उनमें प्रवेश कर चुके हैं।

ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए चौहान ने पीएमएवाई-जी के तहत एक महिला राजमिस्त्री पहल लखिमी मिस्त्री की भी शुरुआत की, जिसका उद्देश्य महिलाओं को रोजगार के अवसरों को बढ़ाने आवश्यक राजमिस्त्री कौशल से लैस करना है। लखिमी मिस्त्री पहल के तहत प्रशिक्षित होने वाली पांच महिलाओं को सुरक्षा किट वितरित किए गए। इस अवसर पर चौहान ने ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के तहत असम भर में 21 ज्ञान केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कृषि और ग्रामीण आजीविका में सतत विकास के माध्यम से किसानों, महिलाओं और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए असम की प्रतिबद्धता को दोहराया।

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना सबसे बड़ी भूल

इससे आपने जो मुनाफा कमाया है वह सुरक्षित रहेगा

भविष्य में होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा

पोर्टफोलियो संतुलित रहेगा, निवेश को परेशानी नहीं

और बेहतर मौका मिले तो पैसा लगाने की स्वतंत्रता मिलेगी

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना बड़ी भूल साबित हो सकती है, खासकर जब वह आपके लक्ष्यों से भटक गया हो या लंबी होल्डिंग के बाद भी अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है तो बाहर निकलना बेहतर रणनीति है। इसमें बने रहना उतना ही खतरनाक है, जितना किसी गलत शेयर में पैसा लगाना। एक सोची-समझी एग्जिट रणनीति भावनाओं को काबू रखती है। गलत फैसले लेने से बचते हैं।

लंबी-होल्डिंग के बाद भी मनचाहा रिटर्न नहीं तो बाहर निकलना सही

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं और अच्छा खासा पैसा निवेश कर रखा है। इसके बाद भी मनचाह रिटर्न नहीं मिल रहा है तो आपका निवेश से बाहर निकल जाना ही बेहतर है। इससे आपने जो मुनाफा कमाया है वह सुरक्षित रहेगा और आपको भविष्य में मौका मिले तो निवेश करने के लिए आपके पास लिक्विडिटी बनी रहेगी। हालांकि यह निर्णय कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि आपके निवेश लक्ष्य, जोखिम सहनशीलता, और बाजार की स्थिति। यदि आपने लंबी अवधि के लिए निवेश किया है और आपको लगता है कि आपका निवेश आपके लक्ष्यों को पूरा नहीं कर रहा है, तो आप कुछ विकल्पों पर विचार कर सकते हैं। आपको अपने निवेश का पुनः मूल्यांकन करना चाहिए और और देखें कि क्या आपको अपने निवेश को समायोजित करने की आवश्यकता है। अपने निवेश को विविध बनाने पर विचार करें ताकि आप अपने जोखिम को कम कर सकें। शेयर बाजार में सही एंट्री जितनी मायने रखती है, उतनी ही सही एग्जिट भी। रिटेल निवेशकों के लिए यह तय करना मुश्किल होता है कि शेयर से कब निकलें। इसका नतीजा यह होता है कि वे कई बार अच्छा मुनाफा नहीं कमा पाते या नुकसान उठा लेते हैं। इसलिए, जब भी किसी स्टॉक में निवेश करें, तो निकलने की रणनीति जरूर बनाएं। यह आपको सही समय पर प्रॉफिट बुक करने, नुकसान को कम करने या किसी अन्य बेहतर अवसर पर ध्यान देने में मदद करेगा।

जरूरत से ज्यादा होल्ड अच्छी रणनीति नहीं

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना बड़ी भूल साबित हो सकती है, खासकर जब वह आपके लक्ष्यों से भटक गया हो। या लंबी होल्डिंग के बाद भी अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है तो बाहर निकलना बेहतर रणनीति है। इसमें बने रहना उतना ही खतरनाक है, जितना किसी गलत शेयर में पैसा लगाना। एक सोची-समझी एग्जिट रणनीति भावनाओं को काबू रखती है।

तय लक्ष्य हासिल करने पर

अगर आपने किसी शेयर को खरीदते समय टारगेट तय किया है। वह पूरा हो गया है तो प्रॉफिट बुक करना अच्छा फैसला है। बिना किसी रणनीति के किसी शेयर में लंबे समय तक बने रहना सही नहीं है।

फंडामेंटल्स या वित्तीय सेहत में गड़बड़ी

कंपनी की वित्तीय सेहत पर नजर रखें। कई तिमाहियों में आय या मुनाफे में गिरावट है, कर्ज बढ़ रहा है, मैनेजमेंट में ऐसा बदलाव जो कंपनी के हित में नहीं है, कंपनी कानूनी या नियामकीय कार्रवाई के घेरे में आती है तो ऐसे निवेश से निकलने पर विचार करें।

सेक्टर का खराब प्रदर्शन

कभी-कभी, किसी शेयर के प्रदर्शन पर बाहरी फैक्टर हावी होते हैं। नीतियों में बदलाव, किसी खास सेक्टर का खराब प्रदर्शन और आर्थिक मंदी जैसे कारणों से शेयर पर असर पड़ सकता है। ऐसे में निकलने पर विचार करें।

बिना वजह ओवरवैल्युएशन

यदि कोई स्टॉक किसी वजह के अपने ऐतिहासिक औसत या समान कंपनियों से काफी ऊपर ट्रेड करता है तो भविष्य में करेक्शन आ सकता है। ऐसे में उससे बाहर निकलने या होल्डिंग कम करने पर विचार करना चाहिए।

डर या लालच में फैसला न करें

किसी शेयर में इसीलिए न बने रहें क्योंकि किसी परिचित या अन्य ने उसे होल्ड किया है। किसी शेयर को घाटे में भी इस उम्मीद में होल्ड करना कि कभी तो वह वापस उछलेगा, सही रणनीति नहीं है। किसी लालच या डर के बजाय फंडामेंटल पर ध्यान देना जरूरी है।

पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करें

किसी शेयर से कब बाहर निकलना है, यह जानना आपके लॉन्ग टर्म के निवेश परिणामों में सुधार कर सकता है। अपने पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करें। वास्तविक लक्ष्य तय करें। कंपनी और बाजार के घटनाक्रमों पर नजर रखें। ऐसा करके आप तर्कसंगत तरीके से किसी शेयर से बाहर निकलने का फैसला कर सकते हैं।

यह भी रखें ध्यान

निवेश लक्ष्य

यदि आपके निवेश लक्ष्य बदल गए हैं या आपको लगता है कि आपका वर्तमान निवेश उन लक्ष्यों को पूरा नहीं कर रहा है, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।

जोखिम सहनशीलता

यदि आप अपने निवेश में अधिक जोखिम नहीं उठा सकते हैं या आपको लगता है कि आपका वर्तमान निवेश आपके जोखिम सहनशीलता से अधिक जोखिम भरा है, तो आपको अपने निवेश को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है।

सहनशीलता

बाजार की स्थिति भी एक महत्वपूर्ण कारक है। यदि बाजार में बदलाव आया है और आपको लगता है कि आपका निवेश अब उतना आकर्षक नहीं है, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।

निवेश की गुणवत्ता

यदि आपको लगता है कि आपका निवेश अब उतना मजबूत नहीं है जितना पहले था, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है। तभी आप अपने निवेश का ध्यान रख पाएंगे।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच ब्लूचिप फंड में निवेश करना सबसे कम रिस्की

- एक साल में दिया 16% तक रिटर्न और जोखिम भी न के बराबर
- लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करना सबसे बेहतर
- ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

अगर आप शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते, तो ब्लूचिप फंड्स एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में निवेश करके आप सुरक्षित और अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिला है। इस वजह से कई निवेशकों का पोर्टफोलियो नुकसान में चला गया। हालांकि इसी बीच म्यूचुअल फंड की ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में लार्ज कैप ने 16% तक का रिटर्न दिया है। लंबे समय तक सिस्टमैटिक इन्वेसप्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करके आप इस फंड में आप अच्छा रिटर्न बना सकते हैं। अंततः, ब्लूचिप फंड एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और कम जोखिम वाले निवेश विकल्प की तलाश में हैं। ब्लूचिप फंड्स को लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स भी कहा जाता है। ये ऐसे फंड होते हैं जो देश की टॉप 100 बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। उदाहरण के तौर पर- एसबीआई ब्लूचिप फंड, आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंड, एक्सिस ब्लूचिप फंड, कोटक ब्लूचिप फंड आदि। इन फंड्स को नियम के अनुसार अपनी 80% से ज्यादा राशि टॉप 100 कंपनियों में निवेश करनी होती है। बड़ी कंपनियों में निवेश होने के कारण इनमें रिस्क कम होता है और लॉन्ग टर्म में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना ज्यादा होती है।

क्यों करें ब्लूचिप फंड में निवेश

- कम रिस्कः बड़ी और मजबूत कंपनियों में निवेश होता है, इसलिए बाजार की गिरावट का असर कम होता है।
- अच्छा रिटर्नः लंबे समय तक निवेश करने पर 12% से 16% तक सालाना रिटर्न मिल सकता है।-एसआईपी से निवेश आसानः हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।
- लिक्विडिटीः इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं होता, जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है।

किसके लिए सही है ये निवेश

- जो लोग कम रिस्क के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं।
- जो 3 से 5 साल या उससे ज्यादा समय तक निवेश कर सकते हैं।
- नौकरीपेशा लोग, नए निवेशक और रिटायरमेंट प्लानिंग करने वाले लोग इसमें निवेश कर सकते हैं।

निवेश से पहले ध्यान दें

1. फंड का पिछला प्रदर्शन देखें।
2. फंड मैनेजर का अनुभव और रिकॉर्ड देखें।
3. एक्सपेंस रेशियो (फीस) ज्यादा न हो।

ब्लूचिप फंड के फायदे

1. स्थिरता और कम जोखिमः ब्लूचिप फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प माने जाते हैं।
2. लंबी अवधि में अच्छा रिटर्नः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
3. पेशेवर प्रबंधनः ब्लूचिप फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।
4. बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेशः ब्लूचिप फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं जो अपने उद्योग में अग्रणी होती हैं।
5. स्थिरता और कम जोखिमः ब्लूचिप फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प माने जाते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
6. लंबी अवधि के लिए उपयुक्तः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि के लिए उपयुक्त होते हैं क्योंकि वे बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं।

उपयुक्त निवेशक

- लंबी अवधि के निवेशकः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
- कम जोखिम सहनशीलता वाले निवेशकः ब्लूचिप फंड कम जोखिम सहनशीलता वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
- नियमित आय की तलाश में निवेशकः ब्लूचिप फंड नियमित आय की तलाश में निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

डिस्क्लेमर : यहां मुख्य तौर पर शेयर बाजार की जानकारी दी गई है, निवेश की सलाह नहीं। इक्विटी मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश अपने जोखिम पर करें। निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

शेयर बाजार से कमाया है मुनाफा 1.25 लाख तक के एलटीसीजी पर आईटीआर फाइल करना आसान

अगर आप वेतनभोगी हैं, तो आपको आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16 का इंतजार करना होगा। यह फॉर्म आपके एम्पालयर द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर काटे गए टैक्स (टीडीएस) की जानकारी होती है।

कर की बात

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की प्रक्रिया में सरकार ने कुछ बड़े बदलाव किए हैं। खास तौर पर, अगर आपने शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड से 1.25 लाख रुपये तक का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) कमाया है, तो आपके लिए रिटर्न फाइल करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। यह बदलाव छोटे निवेशकों और वेतनभोगी लोगों को ध्यान में रखकर किया गया है, ताकि उनकी टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया सरल और कम जटिल हो। यहां हम समझेंगे कि ये नए नियम क्या हैं, ये कैसे काम करेंगे, और आपके लिए क्या फायदा होगा।

एलटीसीजी-आईटीआर : पहले क्या थी दिक्कत

पहले अगर किसी व्यक्ति को शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड की बिक्री से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन मिलता था, तो उसे आईटीआर-2 या आईटीआर-3 जैसे जटिल फॉर्म भरने पड़ते थे। ये फॉर्म छोटे निवेशकों या वेतनभोगी लोगों के लिए मुश्किल हो सकते थे, क्योंकि इनमें कई तरह की वित्तीय जानकारी देनी होती थी। उदाहरण के लिए, अगर आपने शेयर बेचकर 50,000 रुपये का एलटीसीजी कमाया, तब भी आपको आईटीआर-1 जैसे सरल फॉर्म का इस्तेमाल नहीं करना पड़ता था। इससे टैक्स फाइलिंग में समय और मेहनत दोनों ज्यादा लगती थी। लेकिन अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस समस्या को समझते हुए नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत, अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये तक है, तो आप आईटीआर -1 (सहज) या आईटीआर -4 (सुगम) जैसे आसान फॉर्म का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में क्या बदला

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म को अपडेट किया है। इन फॉर्म्स को 29 अप्रैल 2025 को नोटिफाई किया गया था। अब इन फॉर्म्स में 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी को शामिल करने का विकल्प जोड़ा गया है। इसका मतलब है कि अगर आपने लिस्टेड शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड बेचकर 1.25 लाख रुपये तक का मुनाफा कमाया है, तो आपको अब आईटीआर -2 जैसे जटिल फॉर्म की जरूरत नहीं होगी।
- आईटीआर-1, जिसे 'सहज' फॉर्म भी कहते हैं, उन लोगों के लिए है जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और आय का स्रोत वेतन, एक मकान की संपत्ति, ब्याज, या 5,000 रुपये तक की कृषि आय है। अब इसमें एलटीसीजी को भी जोड़ा गया है, बशर्ते यह 1.25 लाख रुपये से ज्यादा न हो। इसी तरह, आईटीआर-4, जिसे 'सुगम' फॉर्म कहते हैं, छोटे व्यापारियों और प्रोफेशनल्स के लिए है जो अनुमानित कर व्यवस्था का इस्तेमाल करते हैं। इस फॉर्म में भी अब एलटीसीजी को शामिल करने की सुविधा दी गई है।

छोटे निवेशकों को कैसे मिलेगी राहत?

ये बदलाव छोटे निवेशकों और वेतनभोगी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हैं। मान लीजिए, आप एक वेतनभोगी कर्मचारी हैं और आपने कुछ शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश किया था। अगर आपने इन्हें बेचकर 80,000 रुपये का एलटीसीजी कमाया, तो पहले आपको आईटीआर-2 भरना पड़ता था, जिसमें कई तरह की वित्तीय जानकारी देनी होती थी। लेकिन अब आप आईटीआर-1 का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो बहुत सरल है और कम समय लेता है। यह बदलाव टैक्स फाइलिंग को छोटे निवेशकों के लिए कम बोझिल बनाता है। इससे लोग समय पर और सटीक तरीके से अपना रिटर्न दाखिल कर पाएंगे। खास बात यह है कि अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से कम है और आपके पास कोई कैपिटल लॉस सेट-ऑफ या कैरी फॉरवर्ड करने के लिए नहीं है, तो ये सरल फॉर्म आपके लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं।

किन लोगों को मिलेगा इस नियम का फायदा?

■ आपकी कुल सालाना आय 50 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ■ आपका एलटीसीजी लिस्टेड शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, या बिजनेस ट्रस्ट की बिक्री से हुआ हो और यह 1.25 लाख रुपये तक हो। ■ आपके पास कोई कैपिटल लॉस नहीं हो, जिसे सेट-ऑफ या कैरी फॉरवर्ड करना हो। ■ हालांकि, कुछ लोग अब भी आईटीआर -1 या आईटीआर -4 का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप किसी कंपनी के डायरेक्टर हैं, अनलिस्टेड शेयरों में निवेश करते हैं, या आपके पास विदेश में संपत्ति है, तो आपको आईटीआर -2 या अन्य फॉर्म भरने होंगे।

टैक्स की दर और छूट : क्या है नियम?

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर टैक्स की दर 12.5% है, लेकिन 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर कोई टैक्स नहीं लगता। इसका मतलब है कि अगर आपका एलटीसीजी इस सीमा के अंदर है, तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। यह छूट इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 112A के तहत दी जाती है। अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से ज्यादा है, तो अतिरिक्त राशि पर 12.5% टैक्स देना होगा।

सैलरीड क्लास के लिए फॉर्म 16 का इंतजार

अगर आप वेतनभोगी हैं, तो आपको आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16 का इंतजार करना होगा। यह फॉर्म आपके एम्पालयर द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर काटे गए टैक्स (टीडीएस) की जानकारी होती है। इनकम टैक्स नियमों के मुताबिक, एम्पलायर्स को 15 जून 2025 तक फॉर्म 16 जारी करना जरूरी है। इसके बाद ही आप अपना रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

बचत

बिजनेस डेस्क

- बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच लोग बचत योजनाओं की ओर कर रहे रुख
- ये सुरक्षित व स्थिर रिटर्न देने में पूरी तरह से सक्षम
- डाक विभाग की छोटी बचत योजनाएं सुरक्षा
- स्थिर रिटर्न व देश के दूरदराज इलाकों तक आसान पहुंच के कारण लोकप्रिय हुई
- योजनाएं डाक विभाग द्वारा संचालित हैं जो संचार मंत्रालय के अधीन
- इनमें सुरक्षा, टैक्स लाभ और अच्छे ब्याज दरों का मिश्रण

पोस्ट ऑफिस की कुछ योजनाएं दे रही हैं तगड़ा रिटर्न, वो भी गारंटी के साथ

लगातार बढ़ती आर्थिक अस्थिरता और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव में बीच भारत के लोग एक बार फिर पुराने और भरोसेमंद निवेश के तरीके की ओर रुख कर रहे हैं। यह पुराना और भरोसेमंद तरीका है पोस्ट ऑफिस में निवेश। भारत सरकार के डाक विभाग की छोटी बचत योजनाएं अपनी सुरक्षा, स्थिर रिटर्न और देश के दूरदराज इलाकों तक आसान पहुंच के कारण फिर से लोकप्रिय हो रही हैं। ये योजनाएं डाक विभाग द्वारा संचालित की जाती हैं, जो संचार मंत्रालय के अधीन है। इनमें सुरक्षा, टैक्स लाभ और अच्छे ब्याज दरों का शानदार मिश्रण है। आइए, जानते हैं पोस्ट ऑफिस की कुछ सबसे लोकप्रिय बचत और निवेश योजनाओं के बारे में।

पोस्ट ऑफिस बचत खाता : आसान और सुरक्षित शुरुआत

पोस्ट ऑफिस का बचत खाता बैंकों की तरह ही एक कम जोखिम वाला और ब्याज देने वाला विकल्प है। इसमें सालाना 4 फीसदी ब्याज मिलता है। खाता खोलने के लिए कम से कम 500 रुपये की जरूरत होती है, और अधिकतम जमा की कोई सीमा नहीं है। यह खाता कोई भी व्यक्ति, दो लोग मिलकर (जॉइंट) या 10 साल से ज्यादा उम्र के नाबालिग भी खोल सकते हैं। इस खाते की ब्याज से होने वाली आय पर 10,000 रुपये तक की छूट टैक्स में मिलती है (सेक्शन 80टीटए के तहत)। अगर खाता तीन साल तक इस्तेमाल न हो तो यह निष्क्रिय हो जाता है, लेकिन इसे फिर से चालू किया जा सकता है। एक जरूरी बात—हर व्यक्ति केवल एक ही बचत खाता खोल सकता है।

आरडी : हर महीने बचत बड़ा फायदा

5 साल की रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) योजना मध्यम वर्ग के परिवारों में खूब पसंद की जाती है। यह उन लोगों के लिए है जो हर महीने थोड़ा-थोड़ा बचाकर बड़ा फंड बनाना चाहते हैं। इसमें 6.7 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है, जो हर तीन महीने में चक्रवृद्धि (कंपाउंड) होता है। आप हर महीने सिर्फ 100 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर आप कोई किस्त चूक जाते हैं, तो मामूली जुर्माना देना पड़ता है। 12 महीने की जमा और एक साल पूरा होने के बाद आप खाते में जमा राशि का 50 फीसदी तक लोन भी ले सकते हैं। अगर आपको समय से पहले खाता बंद करना हो, तो तीन साल बाद यह मुमकिन है, लेकिन ब्याज में कुछ कटौती होगी।

टीडी : गारंटीड रिटर्न का भरोसा

पोस्ट ऑफिस का टाइम डिपॉजिट (टीडी) उन लोगों के लिए है, जो निश्चित रिटर्न चाहते हैं। यह बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह ही है। जनवरी-मार्च 2024 की तिमाही में इसके ब्याज दर 6.9 फीसदी से 7.5 फीसदी के बीच हैं, जो 1, 2, 3 या 5 साल की अवधि पर निर्भर करता है। 5 साल का टाइम डिपॉजिट सबसे ज्यादा 7.5 फीसदी ब्याज देता है और इसमें टैक्स छूट भी मिलती है (सेक्शन 80C के तहत)। अगर आपको समय से पहले पैसे निकालने हों, तो छह महीने बाद यह संभव है, लेकिन ब्याज में कुछ कटौती होगी।

एमआईएस : हर महीने निश्चित आय

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय या कम जोखिम वाला निवेश चाहने वालों के लिए मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) बेहतरीन है। इसमें 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है, जो हर महीने आपके खाते में आता है। इसमें अकेले व्यक्ति 9 लाख रुपये तक और जॉइंट खाते में 15 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं। इसकी अवधि 5 साल की है। अगर आप समय से पहले पैसे निकालना चाहें, तो एक साल बाद 2 फीसदी और तीन साल बाद 1 फीसदी की कटौती के साथ ऐसा कर सकते हैं। ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन हर महीने निश्चित आय इसे आकर्षक बनाती है।

एसएसवाईः बेटियों का सुनहरा भविष्य

बेटियों की पढ़ाई और शादी के लिए बचत को प्रोत्साहन देने वाली सुकन्या समृद्धि योजना सबसे ज्यादा 8.2 फीसदी ब्याज देती है। 10 साल से कम उम्र की बेटी के लिए माता-पिता या अभिभावक यह खाता खोल सकते हैं। इसमें हर साल कम से कम 250 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। 15 साल तक जमा कर सकते हैं और खाता 21 साल बाद या बेटी की शादी (18 साल की उम्र के बाद) पर मैच्योर होता है। इस योजना में तीन तरह के टैक्स लाभ हैं—जमा राशि, ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली राशि, तीनों पर टैक्स छूट मिलती है (सेक्शन 80सी के तहत)।

पीपीएफ : लंबे समय के लिए बेहतर

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) लंबे समय के निवेशकों की पहली पसंद है। इसमें 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सरकार द्वारा समर्थित है। हर साल कम से कम 500 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इसकी अवधि 15 साल की है, जिसे 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान लोन और आंशिक निकासी की सुविधा भी है। पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली पूरी राशि टैक्स-फ्री है। यह रिटायरमेंट और टैक्स प्लानिंग के लिए शानदार विकल्प है।

सुरक्षा की बढ़ रही है चाहत

जहां म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे निवेश युवा और जोखिम लेने वालों को आकर्षित करते हैं, वहीं पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं बुजुर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों और रूढ़िगत निवेशकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच हैं। जैसे-जैसे वित्तीय जागरूकता बढ़ रही है और डाक बैंकिंग की डिजिटल पहुंच सुधर रही है, ये योजनाएं अपनी पुरानी छवि को पीछे छोड़ रही हैं।

टेटे विश्व चैंपियनशिप: श्रीजा हारी, अन्य भारतीय जीत के साथ अगले दौर में

भाषा ⏭ दोहा

भारत की नंबर एक खिलाड़ी श्रीजा अकुला पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं, लेकिन दीया चिताले और मानुष शाह सहित देश के अन्य खिलाड़ी शनिवार को यहां टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में महिला और पुरुष एकल स्पर्धाओं के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। युगल वर्ग में भी भारतीय जोड़ियां दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। मुखर्जी बहनों (अयहिका और सुतिर्था) के साथ दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े की जोड़ी ने शनिवार को यहां टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में अपने-अपने महिला युगल के शुरुआती मैच जीत लिए। मानव ठक्कर और मानुष शाह की पुरुष युगल भारतीय जोड़ी ने भी जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। अपने खेल में आमतौर पर बेहद कम गलतियां करने वाली अकुला थाईलैंड की सुथासिनी सावेत्ता से 1-4 (11-9 8-11 6-11 5-11 2-11) से हार गईं। यह भारतीय खिलाड़ी के लिए निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि वह दुनिया की 84वें नंबर की खिलाड़ी से हारकर टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से ही बाहर हो गयी। श्रीजा

पहला गेम जीतने के बाद अपनी लय गवां बैठीं और लगातार गलतियां करते हुए महज 33 मिनट में हार गयी। एशियाई खेलों की पदक विजेता अयहिका और सुतिर्था ने तुर्की की ओजगे यिलमाज और एसे हाराक की जोड़ी को पांच गेमों के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (4-11 11-9 10-12 11-9 11-7) से हराया। इस परिणाम का मतलब है कि भारतीय जोड़ी ने छह मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए आईटीटीएफ विश्व चैम्पियनशिप के अगले दौर में प्रवेश किया।

अवनि बनीं फिडे रेटिंग चैंपियन

मुंबई। कर्नाटक की अवनि उडिपी शनिवार को यहां अखिल भारतीय शतरंज मास्टर्स फिडे रेटिंग टूर्नामेंट में महाराष्ट्र के मयूरेश पारकर के मुकाबले बेहतर टाईब्रेकर स्कोर के आधार पर चैंपियन बनीं। बीस वर्षीय अवनि (फिडे रेटिंग 1669) ने पारकर (फिडे रेटिंग 1757) के समान सात अंक हासिल किए। मुख्य निर्णायक अजिंक्य पिंगले ने उन्हें विजेता घोषित किया। अवनि ने 36.5 का टाई-ब्रेक स्कोर हासिल किया जबकि पारकर ने 32 का स्कोर बनाया। छह प्रतियोगियों ने 6.5 अंक हासिल करके तीसरे से आठवें स्थान पर जगह बनाई।

इटैलियन ओपन

सिनर-अल्कारेज के बीच होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ⏭ रोम

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने शुक्रवार रात को यहां टॉमी पॉल के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत कार्लोस अल्कारेज से होगी।

सिनर ने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल को सेमीफाइनल में 1-6, 6-0, 6-3 से हराया। वह 1976 में एड्रियानो पेनेटा के बाद रोम ट्रॉफी जीतने वाला इटली का पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। इससे पहले अल्कारेज ने लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ 6-3, 7-6 की आसान जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अक्टूबर में चीन ओपन के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच हुआ पिछला मुकाबला टाईब्रेकर में जीता था। सिनर हालांकि अल्कारेज के खिलाफ उस हार के बाद से लगातार 26 मैच जीत चुके हैं। अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अब तक 10 में से छह मुकाबले जीते हैं जबकि चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

खबर संक्षेप

यू मुंबा ने कोर टीम को बरकरार रखा

मुंबई। सुनील कुमार प्रो कबड्डी लीग में यू मुंबा की अगुवाई करना जारी रखेंगे, जिसमें टीम ने टूर्नामेंट के 12वें सत्र के लिए रेडर रोहित राघव सहित अपने नौ प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। दायीं ओर से डिफेंडर की भूमिका निभाने वाले सुनील पीकेएल इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं तो वहीं राघव पिछले सत्र में टीम के लिए तुरूप का इक्का बनकर उभरे थे। नीलामी में किसी भी फ्रेंचाइजी से बोली हासिल करने में नाकाम रहे राघव ने चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर टीम से जुड़कर पिछले सत्र में 68 रेड पॉइंट और 11 टैकल पॉइंट के साथ प्रभावित किया था।

जीव आयरिश लीजेंड्स में संयुक्त चौथे स्थान पर

किलकेनी। भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने यहां 'आयरिश लीजेंड्स गोल्फ टूर्नामेंट' के दूसरे दिन पांच अंडर 67 का संयुक्त रूप से दिन का सबसे बेहतर कार्ड खेला जिससे वह दो दौर के खेल के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर है। उन्होंने पहले दौर में 70 का कार्ड खेला था जिससे उनका कुल स्कोर सात अंडर का है। उनके और तालिका में शीर्ष पर काबिज कीथ हॉर्न (65-68) के बीच चार शॉट का फासला है। जीव पिछले साल इस स्पर्धा में संयुक्त आठवें स्थान पर रहे थे।

भारत जीत का मजबूत दावेदार

यूपिया। भारतीय टीम सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के फाइनल में रविवार को यहां चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश टूर्नामेंट में अब तक के दबदबे वाले अजेय क्रम को जारी रखने की होगी। ग्रुप चरण में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद भारत जीत का प्रबल दावेदार है। टीम ने ग्रुप चरण में श्रीलंका को 8-0 और नेपाल को 4-0 से धूल चटाने के बाद सेमीफाइनल में मालदीव को 3-0 से रौंदा। बांग्लादेश भी अब तक अजेय है। उसने मालदीव के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला।

युकी और गैलोवे सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी और उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे ने शनिवार को क्वेंटिन हैलिस और अल्बानो ओलिवेटी की गैरवरीयता प्राप्त फ्रांसीसी जोड़ी को सीधे सेट में हराकर बॉरडॉक्स चैलेंजर के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आईपीएल : रॉयल्स की टीम मौजूदा सत्र में कर रही औसत प्रदर्शन

पंजाब की नजरें प्ले ऑफ पर, प्रतिष्ठा बचाने आज उतरेगा राजस्थान रॉयल्स

एजेंसी ⏭ जयपुर

पंजाब किंग्स की टीम रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन के साथ प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। रॉयल्स की टीम मौजूदा सत्र में अच्छे खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद औसत प्रदर्शन भी नहीं कर पाई है। एक सप्ताह के ब्रेक के बाद सवाई मानसिंह स्टेडियम में वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर की टीम आठ मई के उस बुरे सपने को भूलने की उम्मीद करेगी जब भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल के खिलाफ उनका मैच रद्द करना पड़ा और खिलाड़ियों को अंधेरे में अपने ड्रेसिंग रूम में लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस टीम में फिर से शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं लेकिन वे आईपीएल के बहाल होने के बाद पंजाब के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे जिससे टीम को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा वापस बुलाए गए तेज गेंदबाज मार्को यानसेन की अनुपस्थिति पंजाब की टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी।

गुजरात की मजबूत टीम से होगी दिल्ली की भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण अपने पिछले मैच के अचानक स्थगित होने का झटका झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां आईपीएल तालिका में शीर्ष पर चल रहे गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश गेंदबाजी की चिंताओं को दूर करने और फिर से एकजुट होने की होगी जिससे कि प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवंत रख सके। दिल्ली ने अपने पिछले पांच मैच में तीन गंवाए हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। टूर्नामेंट फिर से शुरू किया जा रहा है लेकिन कई विदेशी खिलाड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वापस नहीं आ रहे जिससे फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा। टीम को उस समय बड़ा झटका लगा जब शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बाकी सत्र के लिए वापस नहीं लौटने का फैसला किया।

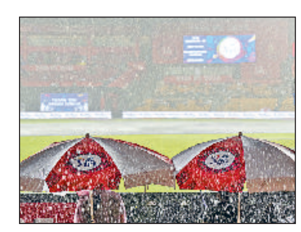

बारिश के कारण आरसीबी-केकेआर आईपीएल मैच रद

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच लगातार बारिश के कारण रद्द हो गया जिससे दोनों टीमों को एक एक अंक मिले। आरसीबी इस तरह आईपीएल प्लेऑफ के एक कदम और करीब पहुंच गई है जबकि केकेआर दौड़ से बाहर हो गई है। शाम छह बजे के आसपास शुरू हुई बारिश बंद नहीं हुई जिससे टॉस भी नहीं हो सका और अधिकारियों ने आखिरकार रात 10.24 बजे खेल रद्द करने का फैसला किया। आरसीबी के अब 12 मैच में 17 अंक हैं और बचे हुए दो मैच में से एक में जीत उनके लिए प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए काफी होगी। फिलहाल वे गुजरात टाइटन्स (16 अंक) से आगे तालिका में शीर्ष पर हैं।

जूनियर निशानेबाज पहले विश्व कप के लिए तैयार

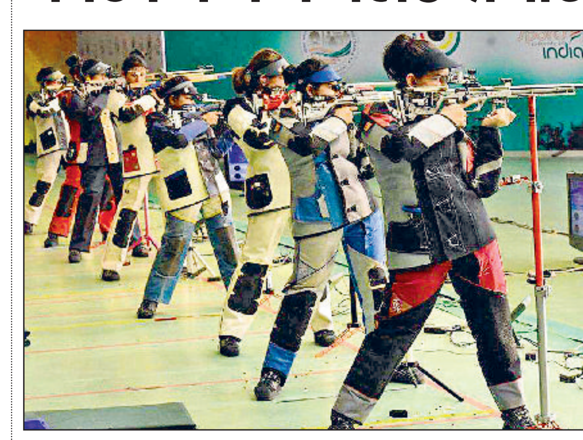

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के 40 निशानेबाजों और सहयोगी स्टाफ का पहला जत्था जर्मनी के सुहल में जूनियर अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी कैलेंडर के पहले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए शनिवार को रवाना होगा। प्रतिस्पर्धा 20 मई से शुरू होकर 26 मई को समाप्त होंगी। भारत पिछले साल तीन जूनियर आईएसएसएफ टूर्नामेंट में से दो में शीर्ष पर रहा था। इस साल भारत ने 57 निशानेबाजों का बड़ा दल उतारा है जिनके साथ 21 कोच और सहयोगी स्टाफ होंगे। अब 38 सदस्यों (28 निशानेबाज और 10 सहयोगी स्टाफ) का दूसरा जत्था रविवार को रवाना होगा।

नीरज ने जताई खुशी

मैं फिट... चोटमुक्त, और 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने पर नजर

एजेंसी ⏭ दोहा

राहत और खुशी के साथ-साथ थोड़ी निराशा भी महसूस कर रहे भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि अब जबकि वह 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं तो वह और आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। उनका शरीर अब उन चोट से लगभग मुक्त हो गया है जो पिछले कुछ वर्षों से उन्हें परेशान कर रहीं थी।

दोहरे ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में भाले को 90.23 मीटर तक पहुंचाया नीरज ने स्पर्धा के बाद कहा, 'मैं 90 मीटर के प्रयास से बहुत खुश हूं लेकिन यह असल में थोड़ा खट्टा-मीठा अनुभव है। लेकिन कोई बात नहीं मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ काम करना शुरू किया था। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं।' जेलेजनी के नाम 98.48 मीटर तक भाला फेंकने का विश्व रिकॉर्ड है और वह आमतौर पर डाइमंड लीग में नहीं जाते लेकिन चेक गणराज्य का यह कोच चोपड़ा के साथ यहां आया था क्योंकि उन्हें लगा था कि इस प्रतियोगिता में 90 मीटर के आंकड़े को पार किया जा सकता है।

अब ग्रोइन की समस्या नहीं

नीरज ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों से मुझे हमेशा ग्रोइन में कुछ महसूस होता था। इस वजह से मैं अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाया। इस साल मैं बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। हम कुछ पहलुओं पर भी काम करेंगे और इसलिए मेरा मानना है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप से पहले की प्रतियोगिताओं में 90 मीटर से अधिक भाला फेंक सकता हूं।'

अगला लक्ष्य भी 90 मीटर

विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित की जाएगी जिसमें हरियाणा के नीरज गत चैंपियन हैं। अब जब 90 मीटर का आंकड़ा पार हो गया है तो अपने अगले लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर नीरज ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 90 मीटर ही है। मुझे लगता है कि मैं और आगे फेंकने के लिए तैयार हूं। यह एक लंबे सत्र की शुरुआत है।' नीरज ने कहा कि यहां की परिस्थितियों ने उन्हें बड़े थ्रो करने में मदद की क्योंकि हवा चल रही थी।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के दौरे को लेकर भरोसा

तिरुवनंतपुरम। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने शनिवार को अपना भरोसा दोहराया कि दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम सरकार की घोषणा के अनुसार राज्य का दौरा करेगी।

उन्होंने हालांकि यह स्पष्ट किया कि इस शीर्ष फुटबॉल टीम को राज्य में लाना सरकार की नहीं बल्कि प्रायोजकों की जिम्मेदारी है। मंत्री की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब मीडिया के एक वर्ग ने दावा किया है कि अर्जेंटीना टीम ने केरल का अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है क्योंकि प्रायोजकों ने अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है। यहां एक कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि कोच्चि स्थित रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने अर्जेंटीना टीम के साथ करार किया था और अनुबंध अभी बरकरार है। अब्दुरहीमान ने कहा कि प्रायोजकों ने आश्वासन दिया है कि वे बिना किसी देरी के इस संबंध में भुगतान संबंधी मसलों को जल्द ही सुलझा लेंगे।

एस्टन विला और चेल्सी जीते, चैंपियंस लीग क्वालीफाई करने की बढ़ी उम्मीद

एजेंसी ⏭ बर्मिंघम

एस्टन विला और चेल्सी ने अपने घरेलू मुकाबलों में जीत दर्ज करके प्रीमियर लीग फुटबॉल में शीर्ष पांच में रहने और अगले साल होने वाली चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद बढ़ा दी। एस्टन विला ने एजरी कोन्सा और बोबाकार कामरा के गोल की मदद से टोटेनहैम हॉट्सपर को 2-0 से हराया जबकि चेल्सी ने मार्क सुसुरेला के दूसरे हाफ में दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर यूनाईटेड को 1-0 से शिकस्त दी।

इस जीत से चेल्सी की टीम 66 अंक के साथ चौथे जबकि एस्टन विला की टीम इतने ही अंकों के साथ खराब गोल अंतर के कारण पांचवें स्थान पर है। लीग विजेता लीवरपूल चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई कर चुका है। बाकी टीमें चार स्थानों के लिए चुनौती

पेश कर रही हैं। आर्सेनल की टीम 68 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर मौजूद न्यूकासल के 66 अंक हैं। मैनचेस्टर सिटी की टीम 65 अंक के साथ छठे जबकि नॉटिंघम फॉरेस्ट की टीम 62 अंक के साथ सातवें स्थान पर है।

हॉकी इंडिया ने घोषित की जूनियर महिला टीम

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के रोसारियो में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट के लिए शनिवार को 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की जिसमें गोलकीपर निधि को कप्तान बनाया गया है जबकि हिना बानो उप-कप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से दो जून तक खेला जाएगा जिसमें भारत और मेजबान अर्जेंटीना के अलावा उरुग्वे और चिली की टीम हिस्सा लेंगी। दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के हिस्से के रूप में भारतीय टीम प्रत्येक टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जो उसे अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने, टीम संयोजन का आकलन करने और रणनीतियों को बेहतर करने में मदद करेगा।

भारत के टेस्ट कप्तान को लेकर पूर्व कोच रवि शास्त्री का बयान

भारत की कप्तानी के लिए गिल-पंत बेहतर विकल्प

एजेंसी ⏭ दुबई

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टेस्ट प्रारूप में भारत की कप्तानी के लिए शुभमन गिल और ऋषभ पंत बेहतर विकल्प होंगे। उनके पास इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तानी का अनुभव है और इस भूमिका के लिए उनकी उम्र आदर्श है। शास्त्री ने इसके साथ कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप में नेतृत्व की भूमिका के लिए जसप्रीत बुमराह सबसे अच्छे विकल्प होते लेकिन फिटनेस समस्याओं के कारण इस तेज गेंदबाज को अतिरिक्त बोझ से बचाया जाना चाहिए। भारत के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मैं मानता हूं कि कप्तानी के लिए जसप्रीत स्पष्ट विकल्प होते। लेकिन मैं नहीं चाहता कि जसप्रीत को कप्तान बनाया जाए। इससे आप एक गेंदबाज के तौर पर उन्हें गंवा सकते हैं। रोहित शर्मा के हाल ही में संन्यास लेने के बाद चयनकर्ताओं को एक नया टेस्ट कप्तान चुनना होगा। भारत को खेल के लंबे प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला श्रृंखला खेलनी है। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच में चोटिल हो गए थे। उन्हें पीठ की इस चोट से उबरने में लगभग तीन महीने लगे। वह इस दौरान चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। इस 31 साल के गेंदबाज ने आईपीएल के दौरान वापसी करते हुए मौजूदा सत्र में अब तक आठ मैचों में 13 विकेट लिए हैं।

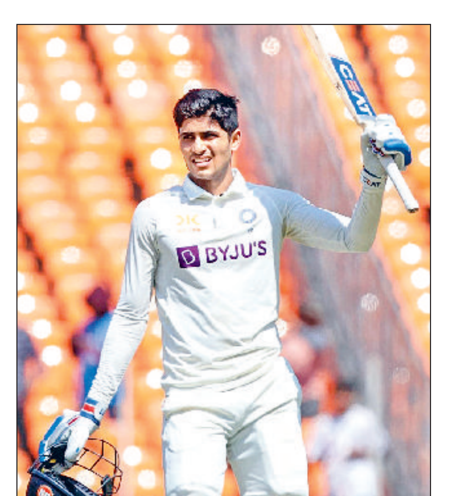

उम्र पर भी ध्यान दे बोर्ड

शास्त्री ने कहा कि बोर्ड को कप्तान तय करते समय खिलाड़ी की उम्र और वह संभावित तौर पर कितने समय तक क्रिकेट खेल पाएगा इन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। गिल 25 साल के है जबकि पंत की उम्र 27 साल है।

PUBLIC NOTICE

Medical Records of **Sanjeevan Medical Research Centre Pvt. Ltd.**, 24, Ansari Road, Daryaganj, up to December 2020 scheduled to be disposed off.

Any patient requiring his/her Medical records may contact within 15 days, failing which the records will be disposed off without any further notice.

Dated: 18.05.2025

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया यह दावा

भारत-पाकिस्तान डीजीएमओ के बीच आज होगी बातचीत?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमाओं पर हुई गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए बीते 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षविराम की मियाद रविवार को खत्म हो रही है। जिसके साथ ही 18 मई को दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) एक बार फिर से हॉटलाइन पर बातचीत करेंगे। जिसमें मामले से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जा सकता है।

यह जानकारी पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से मिली है। भारत की तरफ से मामले पर अभी तक फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। उधर, संघर्षविराम के सप्ताहभर के दौरान दोनों देशों के बीच सीमाओं पर और अन्य सरहदी इलाकों में कोई गोलीबारी नहीं हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर में ध्वस्त किए 9 आतंकी कैंप

बीते दिनों भारतीय सेना ने केवल यही कहा था कि 10 मई को दोनों डीजीएमओ के बीच बनी सहमति के दौरान यह तय किया गया था कि दोनों पक्ष लगातार विश्वास बहाली वाले कदमों पर जोर देंगे। जिससे सतर्कता, तनाव घटाने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के कुल 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। जिसके जवाब में पाक ने भारतीय सशस्त्र सेनाओं और नागरिक इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों से कई हमले करने की कोशिश की। जिसे देश की सेनाओं ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया और पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया।

हालात बेकाबू होता देख पाकिस्तान की पहल पर भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को गोलीबारी स्थगित करते हुए संघर्षविराम लागू किया गया। जिसका शुरुआती कुछ घंटों में पाक ने उल्लंघन भी किया था। लेकिन बाद में संघर्षविराम लागू किया गया।

हिमालय और पर्वतीय क्षेत्रों की रक्षा जरूरी

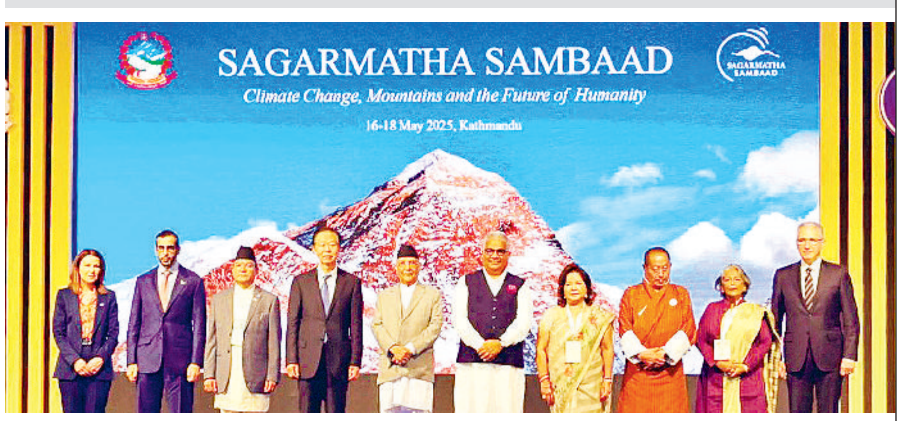

काठमांडू। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को काठमांडू में आयोजित पहले सागरमाथा संवाद में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह सम्मेलन 'जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य' विषय पर आधारित था। सम्मेलन में नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली, विदेश मंत्री डॉ. अर्जू राणा देउबा, चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के उपाध्यक्ष जिआओ जिये, कॉप29 के अध्यक्ष और अजरबैजान के पारिस्थितिकी मंत्री मुख्तार बाबायेव सहित कई वैश्विक नेता शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ने पांच सूत्रीय वैश्विक कार्य योजना पेश की। उन्होंने कहा कि हिमालय और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों की रक्षा के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि 'सागरमाथा', जिसका अर्थ है 'आकाश का सिर', न केवल नेपाल की शान है।

कश्मीर में एसआईए की छापेमारी, कई गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य अन्वेषण एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को कश्मीर में 11 स्थानों पर छापेमारी की और घाटी में 'स्लीपर सेल मॉड्यूल' की जांच के तहत पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। ये छापेमारी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी संख्या 01/2025 की जांच के सिलसिले में की गई। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये आतंकी सहयोगी आतंकवादी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

दिल्ली में कर सकते हैं फिदायीन हमले, हाई अलर्ट पर स्पेशल सेल

आतंकी संगठनों के नापाक इरादे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय एजेंसियों को शक है कि पाकिस्तान, देश की राजधानी दिल्ली में आतंकी वारदात करवा सकता है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा व हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे संगठनों से राजधानी में बम धमाका अथवा फिदायीन हमला करवा सकता है। इस तरह की खुफिया जानकारी के तहत पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस के सभी आला अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें बेहद चौकस रहने के निर्देश दिए। स्पेशल सेल को विशेष रूप से इन दोनों संगठनों पर नजर रखने को कहा गया है। बैठक में स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच, इंटेलीजेंस व दोनों जोनों के विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था के अलावा संयुक्त आयुक्त व एडिशनल पुलिस कमिश्नर रैंक के अधिकारी शामिल हुए। बाद में बैठक में दिए गए दिशा निर्देश को सभी 15 जिले के डीसीपी से साझा

किया गया। राजधानी में अभी लंबे समय तक आतंकी हमले क संभावना के मद्देनजर उच्च स्तरीय सुरक्षा अलर्ट जारी रहेगा। सभी भीड़भाड़ वाले प्रमुख बाजारों, माल व अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर पुलिसकर्मियों की उपस्थित रहेगी। इंडिया गेट पर त्वरित प्रतिक्रिया के लिए हल्के स्ट्राइक वाहनों में पैरा कमांडो तैनात लगातार गश्त करते रहेंगे।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or call our toll-free no.: 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **Finance offer is at sole discretion of the financer, subject to its respective T&Cs. Offers are valid in select states for a limited period or till stock lasts. For more details, please visit your nearest authorized Hero outlet. *Ex-showroom prices of HF Deluxe Canvas and Splendor+ XTEC 2.0 OBD2B are applicable in Delhi region only. ^Green Bonus is applicable Pan India on select Hero products and bonus amount may vary as per model/variant. *Terms & Conditions apply.

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road)- Pashupati Hero- 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur Singla Hero–9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero - 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: 9289922380, PushtaKartar Nagar: Aman Hero - 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222 North Delhi: Azadpur: Shraman Automobiles: 9289923185, Rithala (Rohini): Metro Hero - 9289922597, Budh Vihar: JMD Automotives - 7838685858, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero - 9289922382, Upper India Hero – 9717198198, West Delhi: ROSHAN VIHAR (Najafgarh): Avni Hero - 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero– 9289922530, Tilak Nagar: Khanna Hero - 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero - 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310, Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, Sehgal Hero, NIT - 7217627327; Gurugram: Globe Agencies, Sec – 18, Noble Enclave - 9289233915, Himgiri Hero - 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11- 9289923221, Autoneeds Hero - 9289922051, Jasodha Hero- 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad) - 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): 9289924248, Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna- 9289924089; Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector 63- 9289923044, Uppal Hero- B 124, Sector-5 - 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58 - 9289923059; Ghaziabad: Globe Hero- Meerut, Delhi Road - 9289922073, Aman Hero - Shiv Puri, Vijay Nagar - 9289232123; Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486 BulandShahr: Shri Durga Hero, Delhi Road - 9289922504; Krishna Hero, Raje Babu Road - 9289922410, Hapur: Globe Hero – 9289923209.

L&K | SAATCHI & SAATCHI